3 राजधानी
दिल्ली माल और सेवा कर विधेयक को मंजूरी

6 अभिमत
पैसे का समुचित उपयोग सुनिश्चित

11 विदेश
भारत-ब्रिटेन सहयोग, सह-नवोन्मेष करेंगे

12 स्पोर्ट्स
नैन्सी को स्वर्ण और इलावेनिल को रजत

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 66
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 11 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

अमृतकाल से स्वर्णकाल में प्रवेश कर रहा है भारत

राष्ट्रीय-10

उद्धव सेना को लगा झटका

● स्पीकर ने खारिज की ठाकरे की अर्जी, शिंदे गुट को असली सेना के रूप में मान्यता

टीएन रघुनाथ। मुंबई

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को बड़ा झटका देते हुए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को 'असली शिवसेना' के रूप में मान्यता दी और 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली सेना (यूबीटी) की याचिका को खारिज कर दिया। शिंदे सहित सेना के विधायकों ने इस प्रकार 'महा-युति' सरकार की स्थिरता बरकरार रखी। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा भाजपा के साथ मिलकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को गिराने के 18 महीने से अधिक समय बाद अध्यक्ष ने फैसला सुनाया कि शिंदे को हटाने के लिए उद्धव ने जो निर्णय लिया - जून 2022 के विद्रोह के बाद पूर्ववर्ती मूल सेना के भीतर - राजनीतिक दल के जनादेश का अभाव था और 'पक्ष प्रमुख' (पार्टी अध्यक्ष) के पास किसी भी नेता को पार्टी से हटाने की शक्ति नहीं है।'

मुंबई में बुधवार को फैसला आने के बाद खुशी मनाते शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ता।

अध्यक्ष ने अपने आदेश में कहा, 'शिवसेना द्वारा चुनाव आयोग को सौंपा गया 1999 का पार्टी संविधान नेतृत्व से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए वैध था। शिव सेना यूबीटी समूह का यह तर्क कि 2018 के संशोधित संविधान पर भरोसा किया जाना चाहिए, स्वीकार्य नहीं है... 1999 के संविधान ने 'राष्ट्रीय कार्यकारिणी' (राष्ट्रीय कार्यकारिणी) को सर्वोच्च निकाय बनाया... 'पक्ष प्रमुख' (पार्टी अध्यक्ष) को नहीं है किसी भी नेता को पार्टी से निकालने की शक्ति है।' नार्वेकर ने कहा, '2018 की नेतृत्व संरचना शिवसेना के संविधान (1999 के जिस पर भरोसा किया जाता है) के अनुरूप नहीं थी। इस नेतृत्व संरचना को यह निर्धारित करने के लिए मानदंड के रूप में नहीं लिया जा सकता है कि कौन सा गुट वास्तविक शिव सेना राजनीतिक पार्टी है।' अध्यक्ष ने कहा, 'शिवसेना के 2018 संशोधित संविधान को वैध नहीं माना जा सकता क्योंकि यह भारत के चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार, मैं किसी अन्य कारक पर विचार नहीं कर सकता जिसके आधार पर संविधान वैध है। रिकॉर्ड के अनुसार, मैं वैध संविधान के रूप में शिव सेना के 1999 के संविधान पर भरोसा कर रहा हूं।' अध्यक्ष ने कहा, 'मेरे सामने मौजूद सबूतों और रिकॉर्डों को देखते हुए प्रथम दृष्टया संकेत मिलता है कि वर्ष 2013 के साथ-साथ वर्ष 2018 में भी कोई चुनाव नहीं हुआ था। हालाँकि, 10 वीं अनुसूची के तहत क्षेत्राधिकार का उपयोग करने वाले स्पीकर के रूप में मेरा अधिकार क्षेत्र सीमित है और मैं नहीं जा सकता वेबसाइट पर उपलब्ध ईसीआई के रिकॉर्ड से परे और इसलिए मैंने प्रासंगिक नेतृत्व संरचना का निर्धारण करते समय इस पहलू पर विचार नहीं किया है।' अध्यक्ष ने कहा, 'इस प्रकार उपरोक्त निष्कर्षों को देखते हुए मुझे लगता है कि ईसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध 27 फरवरी 2018 के पत्र में प्रतिबिंबित शिवसेना की नेतृत्व संरचना प्रासंगिक नेतृत्व संरचना है जिसे निर्धारित करने के उद्देश्य से ध्यान में रखा जाना चाहिए कौन सा गुट असली राजनीतिक दल है।' उन्होंने शिंदे गुट को 'असली शिवसेना' माना।

जहां सत्तारूढ़ शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने जश्न मनाकर स्पीकर के फैसले का स्वागत किया, वहीं विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि स्पीकर का आदेश 'लोकतंत्र की हत्या' के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट जायेगी। अपनी ओर से शिंदे ने कहा कि लोकतंत्र में 'संख्याएँ महत्वपूर्ण हैं।' यह याद किया जा सकता है कि शिंदे - जो 15 शिवसेना विधायकों के साथ मूल सेना के खेमे से बाहर चले गए थे - (शेष पेज 9)

राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में नहीं जाएंगे सोनिया और खरगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के निमंत्रण को 'सम्मानपूर्वक अस्वीकार' कर दिया तथा भाजपा और आरएसएस पर इसे चुनावी लाभ के लिए 'राजनीतिक प्रोजेक्ट' बनाने का आरोप लगाया। शीर्ष नेताओं के फैसले की घोषणा कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने की, जिन्होंने भाजपा और आरएसएस के नेताओं द्वारा 'अधूरे' मंदिर के उद्घाटन के पीछे के मकसद पर भी सवाल उठाया। पिछले महीने खड़गे सोनिया गांधी और चौधरी को 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिला था। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई मशहूर और प्रतिष्ठित हस्तियां भी शामिल होंगी। दुनिया को श्री राम जन्म भूमि ट्रस्ट ने निमंत्रण दिया है। इसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और 6,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस ने एक बयान में कहा, 'भगवान राम हमारे देश में लाखों लोगों द्वारा पूजे जाते हैं। धर्म एक व्यक्तिगत मामला है। लेकिन आरएसएस/भाजपा ने लंबे समय से अयोध्या में मंदिर का राजनीतिक प्रोजेक्ट बनाया है। जाहिर है चुनावी लाभ के लिए भाजपा और आरएसएस के नेताओं द्वारा अधूरे मंदिर का उद्घाटन किया जा रहा है।

कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, '2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए और भगवान राम का सम्मान करने वाले लाखों लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, श्रीमती सोनिया गांधी और श्री अधीर रंजन चौधरी ने स्पष्ट रूप से आरएसएस/भाजपा कार्यक्रम के निमंत्रण को सम्मानपूर्वक अस्वीकार कर दिया है।' मंदिर ट्रस्ट ने देश भर से 4,000 संतों और विदेशों से 50 मेहमानों को भी आमंत्रित किया है। भाजपा और आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद जैसे सहयोगी हिंदुत्व संगठनों ने समारोह से पहले एक राष्ट्रव्यापी जन संपर्क कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें लोगों से कार्यक्रम के बाद पवित्र स्थान पर जाने का आग्रह किया गया है। भाजपा ने अपनी सभी राज्य इकाइयों को मंदिरों और आसपास की सफाई सुनिश्चित करने के लिए 14 जनवरी से एक अभियान शुरू करने और लोगों को अपने-अपने पड़ोस के मंदिरों में पूजा करके 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भी कहा है। इसने अपनी राज्य इकाइयों से उन लोगों की 'मदद' करने को कहा है जो प्रतिष्ठा समारोह के बाद राम मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं।

सोमवार को हिमाचल प्रदेश के मंत्री और कांग्रेस नेता विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वह अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। लोक निर्माण विभाग मंत्री, जो पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और राज्य पार्टी प्रमुख प्रतिभा सिंह के बेटे हैं, ने राम लला के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होने (शेष पेज 9)

अगले 25 साल में भारत विकसित देश होगा: प्रधानमंत्री मोदी

पायनियर समाचार सेवा। गांधी नगर/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार ने अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख रेटिंग एजेंसियों की राय है कि भारत अगले कुछ वर्षों में दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा और ये आने वाले 25 साल भारत के लिए अमृत काल हैं। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 10वें संस्करण के उद्घाटन को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था में भारत 'विश्व मित्र' रूप में आगे बढ़ रहा है। विश्व स्तर पर कई अनिश्चितताओं के बीच भारत आशा की एक नई किरण के रूप में उभरा है और दुनिया इसे स्थिरता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ, एक विश्वसनीय मित्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास के इंजन के रूप में देखती है। कार्यक्रम में राज्य प्रमुखों और शीर्ष निजी कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। उन्होंने कहा, 'तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था में भारत विश्व मित्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। भारत ने दुनिया को आशा दी है कि हम सामान्य लक्ष्य तय कर सकते हैं और उन्हें हासिल कर सकते हैं। विश्व कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता, उसका समर्पण, प्रयास और कड़ी मेहनत आज दुनिया को सफल बना रही है।' उन्होंने कहा, दुनिया भारत को स्थिरता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ, एक भरोसेमंद दोस्त और वैश्विक अर्थव्यवस्था में वृद्धि के इंजन के रूप में देखती है। इस सम्मेलन में दुनिया की शीर्ष कंपनियों के प्रमुख और मुख्य कार्यपालक अधिकारी और कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी भाग ले रहे हैं।

गांधीनगर में बुधवार को वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल सम्मिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान, चेक रिपब्लिक के प्रधानमंत्री पीटर फियाला, मोजांबिक के राष्ट्रपति फिलिप जेसिंटो न्यूसी, तिमोर लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस होरता, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और अन्य।

उन्होंने कहा, दुनिया भारत को स्थिरता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखती है। भारत एक ऐसा मित्र है, जिसपर भरोसा किया जा सकता है, एक ऐसा साझेदार है, जो जन-केंद्रित विकास में विश्वास करता है और एक ऐसी आवाज है, जो वैश्विक भलाई में विश्वास करता है और वह ग्लोबल साउथ की भी एक आवाज है। उन्होंने कहा, दुनिया आज भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में वृद्धि का एक इंजन, समाधान खोजने के लिए एक प्रौद्योगिकी केंद्र और प्रतिभाशाली युवाओं के पावरहाउस के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि भारत के 1.4 अरब लोगों की प्राथमिकताएं और आकांक्षाएं, मानव केंद्रित विकास पर उनकी आस्था, समावेशिता और समानता के लिए हमारी प्रतिबद्धता, विश्व समृद्धि और विश्व विकास का एक प्रमुख आधार है। उन्होंने कहा, भारत की प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। भारत की प्राथमिकताएं टिकाऊ उद्योग, बुनियादी ढांचा और विनिर्माण, नए युग के कौशल, भविष्य की प्रौद्योगिकी, एआई और नवाचार, हरित हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और इसका पूरा पारिस्थितिकी तंत्र है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर आज मौजूद वैश्विक स्थिति में भारत की अर्थव्यवस्था में इतनी मजबूती और गति है तो इसके पीछे बड़ा कारण पिछले दशक में संरचनात्मक सुधारों पर हमारा ध्यान केंद्रित करना है। मोदी ने भारत-यूएई संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को श्रेय दिया। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में शिखर सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि जी20 की अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने वैश्विक भविष्य के लिए एक रूपरेखा प्रदान की और वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन का यह संस्करण उस दृष्टि को आगे ले जा रहा है। मोदी ने कहा कि भारत आई2यू2 समूह (भारत, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका) और अन्य बहुपक्षीय संगठनों के साथ अपनी साझेदारी को लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बैंकों में पूंजी डालकर और सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से भारत की बैंकिंग प्रणाली को मजबूत बनाया है और 40,000 से अधिक अनुपालन समाप्त किए हैं। उन्होंने कहा, हमने तीन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि भारत को वैश्विक कारोबार के लिए अधिक आकर्षक गंतव्य बनाया जा सके। इनमें से एक एफटीए यूएई के साथ है। हमने कई क्षेत्रों को स्वचालित मार्गों के माध्यम से एफडीआई के लिए खोला है। आज भारत बुनियादी ढांचे में रिकॉर्ड निवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 वर्षों में भारत का पूंजीगत व्यय पांच गुना बढ़ गया है (शेष पेज 9)

अयोध्या में हवाई अड्डे की किलेबंदी, 20-22 जनवरी को उमड़ेगा मेहमानों का सैलाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/अयोध्या

अयोध्या बाहें फैलाकर रामभक्तों के स्वागत और मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है, उसे इंतजार है नवनिर्मित राम मंदिर में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा की। बड़ी संख्या में आने वाले मेहमानों की सुविधा व सहूलियत को ध्यान में रखते हुए शहर को तमाम बुनियादी सुविधाओं से लैस किया जा रहा है ताकि यहां पहुंचने वाले गणमान्य अतिथियों का स्वागत पूरी तैयारी के साथ किया जा सके। यहां आने वालों में देश के बड़े नेता, मशहूर हस्तियां, उद्योगपति, खेल हस्तियां शामिल होंगी जो निजी जेट व चार्टर्ड विमानों से नए हवाई अड्डे पर उतरेंगे। सूत्रों ने कहा कि 20-22 जनवरी के बीच अयोध्या के महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमवीआईएए) पर 100 से अधिक चार्टर्ड और अन्य विमान उतरेंगे। हालांकि हैंगर, पार्किंग की अनुपलब्धता के कारण इन विमानों को गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी जैसे आसपास के हवाई अड्डों पर ले जाया जएगा। हवाई अड्डे पर अचूक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र ने बुधवार को अयोध्या हवाई अड्डे के लिए 150 से अधिक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों के सुरक्षा कवर को मंजूरी दी है। पवित्र शहर राम जन्मभूमि में 10-सीटर डसॉल्ट फाल्कन 2000 जैसे अल्ट्रा-शानदार निजी जेट से लेकर एम्ब्रेयर 135 एलआर और लिगेसी 650, बीचक्राफ्ट सुपर किंग एयर 200, सेसना और बॉम्बार्डियर उतरने वाले हैं।

सूत्रों ने कहा कि चार्टर्ड उड़ानों को अयोध्या हवाई अड्डे पर लैंडिंग की अनुमति दी गई है लेकिन पार्किंग की मंजूरी नहीं दी गई है। एकमात्र विमान पार्किंग स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान रहेगा। सूत्रों ने बताया, महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्याधाम केंद्रीय बल के विशेष विमानन सुरक्षा समूह (एएसजी) की संरक्षण में आने वाला देश का 68वां नागरिक हवाई अड्डा टर्मिनल है। प्रधानमंत्री दिसंबर 2023 में हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। हवाई अड्डे को सीआईएसएफ आतंकवाद विरोधी और तोड़फोड़ विरोधी से सुरक्षा प्रदान करेगा। सूत्र ने यह भी कहा कि अयोध्या हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा एक डिप्टी कमांडेंट-रैंक अधिकारी की कमान के तहत 150 से अधिक सीआईएसएफ (शेष पेज 9)

कांग्रेस की यात्रा के लिए मणिपुर ने रखी शर्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/इंफाल

शुरू में अनुमति देने से इनकार करने के बाद मणिपुर सरकार ने बुधवार को कांग्रेस की 14 जनवरी से प्रस्तावित भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सीमित संख्या में प्रतिभागियों के साथ शुरू करने के लिए स्थान की मंजूरी दे दी। मणिपुर सरकार की तरफ से यह मंजूरी कांग्रेस द्वारा यहां हट्टा कांगजेइबुंग मैदान से यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए संपर्क करने के आठ दिन बाद मिली। पिछले दो दिनों के दौरान कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के बाद, मणिपुर सरकार ने 'सीमित संख्या में प्रतिभागियों के साथ' ही सही 14 जनवरी को प्रस्तावित भारत जोड़ो न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए स्थान को मंजूरी दे दी। इंफाल पूर्वी जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, 'प्रतिभागियों की संख्या और नाम पहले ही इस कार्यालय को प्रदान किए जाएंगे। सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाएं।' (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस नेता जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल। फोटोः रंजन डिमरी

हीटर के बढ़ते इस्तेमाल से बढ़ी बिजली की खपत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

बर्फीली शुष्क उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलते राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को हाड़ कपा देने वाली शीत लहर का सितम जारी है। इसका अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि राजधानी में सर्दियों में बिजली की अधिकतम मांग बुधवार की सुबह 5611 मेगावाट के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। बुधवार सुबह अधिकतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के सामान्य से चार डिग्री कम है, जबकि न्यूनतम तापमान गिरकर 7.1 डिग्री सेल्सियस हो गया। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में मध्यम कोहरा छाया रहा। वहीं जाफरपुर में अधिकतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस होने के साथ सबसे ठंडे क्षेत्र के रूप मे दर्ज किया गया, जो मौसम के सामान्य तापमान से सात डिग्री कम है। अधिकतम तापमान में गिरावट और शुष्क बर्फीली हवाओं के कारण राजधानी के अधिकांश हिस्सों में शीत लहर के चलते भीषण सर्दी और गलन महसूस किया जा रहा है।

स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) दिल्ली के रियल टाइम आंकड़ों के अनुसार, सुबह 11.08 बजे अधिकतम बिजली की मांग 5,611 मेगावाट थी। जो सर्दी के दिनों में अभी तक सबसे अधिक है, इससे पहले अधिकतम मांग 5 जनवरी को 5,559 मेगावाट थी। इस वर्ष, 2 जनवरी को छोड़कर, जनवरी में प्रत्येक दिन दिल्ली की अधिकतम बिजली मांग 5000 मेगावाट से ऊपर रही है। डिस्कॉम अधिकारियों के अनुसार,

बिजली की मांग में बढ़ोतरी मुख्य रूप से हीटिंग उद्देश्यों के लिए उपभोक्ताओं द्वारा बिजली के बढ़ते उपकरणों के उपयोग के कारण है। बीएसईएस के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी डिस्कॉम बीआरपीएल (बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड) और बीवाईपीएल (बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड) ने सफलतापूर्वक वितरण के अपने संबंधित क्षेत्रों में 2,350 मेगावाट और 1,174 मेगावाट की मांग को पूरा किया। बीएसईएस के अनुसार, पिछले साल तक सर्दियों के महीनों के दौरान अधिकतम बिजली की मांग 5526 मेगावाट थी, जो 6 जनवरी, 2023 को दर्ज की गई थी। इस साल सर्दियों में दिल्ली की अधिकतम बिजली मांग 5700 मेगावाट को पार करने की उम्मीद है। डिस्कॉम के एक प्रवक्ता ने कहा कि टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) ने उत्तर पश्चिम भारत में चल रही शीत लहर के बीच बिना किसी नेटवर्क बाधा के 1,753 मेगावाट की रिकॉर्ड चरम बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया। कंपनी को उम्मीद है कि इस सीजन में सर्दियों की अधिकतम मांग 1,800 मेगावाट के आंकड़े को पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि इसने मांग को पूरा करने के लिए दीर्घकालिक बिजली का प्रबंधन किया गया है। इसके साथ ही टीपीडीडीएल ने कम तापमान और कोहरे की स्थिति में अपने बिजली उपकरणों की विश्वसनीयता सुनिश्चित किया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा, राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को मुख्य रूप से आसमान साफ रहने के साथ गंभीर ठंडे दिन की स्थिति बनी रहेगी। आईएमडी के मुताबिक, पालम में अधिकतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड में 14.7 डिग्री सेल्सियस, रिज में 14.5 डिग्री सेल्सियस, आयानगर में 15 डिग्री सेल्सियस, नरेला में 13.7 डिग्री सेल्सियस, पूसा में 14.2 डिग्री सेल्सियस, पीतमपुरा में 15 डिग्री सेल्सियस और एसपीएस मयूर विहार में दर्ज किया गया। (शेष पेज 9)

एक दिन में उद्योगपतियों को 19,768 वर्गमीटर जमीन आवंटित

औद्योगिक एवं अवस्थापना विकास आयुक्त ने नोएडा में नए उद्योग लगाने के लिए शुरू की नई साक्षात्कार नीति

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी के नाम से प्रसिद्ध नोएडा शहर में मंगलवार को एक नया रिकॉर्ड बना है। यहां नोएडा प्राधिकरण ने लगातार 11 घंटे तक 220 उद्योगपतियों के इंटरव्यू लेकर 11 उद्योगपतियों को एक ही दिन में 19,768 वर्ग मीटर जमीन आवंटित कर दी है।

नोएडा में नए उद्योग लगाने के लिए शुरू की गई नई साक्षात्कार नीति के तहत यह आवंटन किया गया है। नोएडा शहर के अलग-अलग औद्योगिक सेक्टरों में 11 उद्योगपतियों को 11 ग्यारह प्लॉट आवंटित किए गए हैं। आपको बता दें कि नोएडा शहर एक औद्योगिक नगरी है। नोएडा अपने छोटे-बड़े उद्योगों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। इस शहर की पूरी व्यवस्था नोएडा प्राधिकरण संचालित करता है।

नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा शहर में उद्योग लगाने के लिए हाल ही में अपनी अलॉटमेंट पॉलिसी आंवटन प्रक्रिया में बदलाव किया है। यह बदलाव नोएडा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक एवं अवस्थाना विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह के निर्देश पर किया गया।

अब नोएडा में फैक्ट्री लगाने के लिए उद्योगपतियों को प्लॉट लेने के लिए ड्रॉ अथवा ई.नीलामी की प्रक्रिया के झमेले में नहीं फंसना पड़ता है। अब सीधे इंटरव्यू लेकर उद्योगपतियों को प्लॉट अलॉट किया जाता है। इसी योजना के तहत मंगलवार को 220 उद्योगपतियों के इंटरव्यू लेकर ग्यारह 11 उद्योगपतियों को फैक्ट्री लगाने के लिए प्लॉट आवंटित किए गए हैं। नोएडा प्राधिकरण की औद्योगिक भूखंड आवंटन योजना के तहत 11 घंटे तक चले साक्षात्कार के बाद 11 लोगों को आवंटन के लिए सुपात्र मानते हुए उनका चयन किया गया।

साक्षात्कार प्रात 11.00 बजे से रात तकरीबन 10.00 बजे तक चला। जिन लोगों को भूखंडों के आवंटन के लिए सुपात्र माना गया है उसमें एसएवीएस फ्युचरिस्टिक प्रालि को सेक्टर-164 में 17700 वर्गमीटर का भूखंड आवंटित किया गया है।

वहीं यूनाइटेड एकता इंजीनियरिंग उद्योग प्राइवेट लिमिटेड को सेक्टर-164 में 1000 वर्ग मीटर, अल्केमी डिजाइंस को सेक्टर-164 में 1000 वर्गमीटर, नीर इंफ्रो सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को इसी सेक्टर में 1000 वर्ग मीटर, तथा सेक्टर-164 में ही हांग गुआंग डी टेक्नोलॉजी इंडिया प्रालि को 1000 वर्ग मीटर का भूखंड आवंटित किया गया।

एक्सोटिक मिली प्राइवेट लिमिटेड को सेक्टर-80 में 3210 वर्ग मीटर, दि प्रोफेशनल हेयर सैलून एंड स्पा इंडिया प्रालि को सेक्टर.8 में 204 वर्ग मीटर, मैक्सपोस्चुर लिमिटेड को सेक्टर-8 में 204 वर्गमीटर, लुरोप्लास्ट सोल्यूशंस प्रालि को सेक्टर.80 में 802 वर्गमीटर, आरएमएसी को सेक्टर-80 में 500 वर्ग मीटर तथा आशीष फोइल्स प्रालि को सेक्टर-158 में 450 वर्ग मीटर भूखंड आवंटित हुआ है। औद्योगिक एवं अवस्थापना विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने सभी आवेदकों का सेक्टर-18 स्थित रेडीसन ब्लू होटल में साक्षात्कार लिया था।

इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम भी मौजूद थे। यह साक्षात्कार दो चरणों में प्रात 11.00 बजे से रात तकरीबन 10.00 बजे तक चला। 14 भूखंडों के लिए हुए साक्षात्कार में सिर्फ 11 लोगों को ही सुपात्र माना गया।

दो चरणों में 110-110 आवेदनकर्ताओं का साक्षात्कार किया गया था। इस योजना के लिए 31 दिसंबर 2023 तक कुल 220 लोगों ने आवेदन किया था। इस साक्षात्कार के दौरान सेक्टर-7 में 405.62 वर्गमीटर, सेक्टर-8 में 1218.23 वर्गमीटर तथा सेक्टर-8 में ही 110.89 वर्गमीटर भूखंड के लिए कोई भी आवेदक सुपात्र नहीं पाया गया।

रवि काना अदालत की शरण में पहुंचा, मांगी अग्रिम जमानत

● स्क्रैप माफिया की तलाश में छापेमारी कर रही है नोएडा पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सक्रिय स्क्रैप माफिया रवि काना पुलिस को लगातार चकमा दे रहा है। अब रवि काना ने नया पैंतरा अपनाया है। गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे रवि काना ने ग्रेटर नोएडा स्थित जिला कचहरी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में अपने वकील की मार्फत अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दाखिल की है।

रवि काना की तलाश में नोएडा पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। आपको बता दें कि भाजपा की एक नेत्री के देवर रवि काना पश्चिमी उत्तर प्रदेश का चर्चित स्क्रैप माफिया है। इस स्क्रैप माफिया का कबाड़ स्क्रैप का कारोबार सैकड़ों करोड़ रुपये का है। हाल ही में नोएडा के सेक्टर 39 थाने में रवि काना तथा उसके साथियों के विरूद्ध गैंगरेप का मामला दर्ज हुआ है। बुधवार को रवि काना के वकील हरीराज चौधरी एडवोकेट ने रवि काना की अग्रिम जमानत की अर्जी जिला अदालत में दायक की है। ग्रेटर नोएडा स्थित जिला अदालत जिला कचहरी में तैनात अपर जिला जज द्वितीय श्रीमती प्रियंका सिंह की कोर्ट में जमानत की याचिका सुनवाई की गई। अदालत ने रवि काना की अपराधिक हिस्ट्री की मांग रखी है। इस पर सरकारी वकील ने कहा कि रवि काना की अपराधिक हिस्ट्री अभी उनके पास उपलब्ध नहीं है। अपराधिक हिस्ट्री उपलब्ध ना होने के कारण रवि काना की अग्रिम जमानत की अर्जी पर सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। सुनवाई कर रही एडीजे एफ टीसी 2 ने सुनवाई स्थगित करते हुए जमानत अर्जी पुन पेश करने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को होगी।

पशु सड़क पर मिले तो निगम वसूलेगा जुर्माना

गाजियाबाद। पशुओं को शहर में छोड़ना होगा और भी आसान। इसके लिए एक नई पॉलिसी तैयार होने जा रही है। इसके लिए जल्दी ही एक प्रस्ताव तैयार कर लागू करेगा। पशु कल्याण विभाग की ओर से यह पॉलिसी लागू होगी।

अभी तक अगर कोई पशु पकड़ा जाता है तो केवल करीब एक हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। मगर कोई पशु शहर में छोड़ा जाता है तो पकडने् पर पहली बार दस हजारकी वसूली की जाएगी। नगर निगम के पशु कल्याण विभाग का कहना है कि दूसर बार पशु पकड़ने पर बीस हजार और तीसरी बार पकड़ने जाने पर तीस हजार रुपये वसूली की जाएगी।

नगर निगम के पशु कल्याण विभाग की ओर से इस पॉलिसी को तैयार किया गया है। इस पॉलिसी के लागू होने के बाद नगर निगम की सभी जोन में नई पॉलिसी को लागू किया जाएगा। इसे नए वित्तीय वर्ष में इस पॉलिसी को लागू किया जाएगा। सबसे अधिक फायदा यह होगा कि आवारा पशुओं की संख्या कम होगी।

जेवर एयरपोर्ट के पास बनेगा लॉजिस्टिक पार्क

● प्राधिकरण ने लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग के लिए नए सेक्टरों को चिन्हित किया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में बन रहे जेवर एयरपोर्ट का काम तेजी से चल रहा है। जेवर एयरपोर्ट यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। संभावना जताई जा रही है कि इसी साल के फरवरी माह में जेवर एयरपोर्ट से फ्लाइट उड़ान भरना शुरू कर देगी। ऐसे में जेवर एयरपोर्ट पर आने वाले देश के विदेश के यात्रियों को अन्य सुविधाएं देने की दिशा में भी काम तेजी से चल रहा है।

इसी क्रम में जेवर एयेरपार्ट के पास लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने की योजना पर भी काम शुरू कर दिया गया है। जेवर एयरपोर्ट के पास लॉजिस्टिक पार्क बनाने के लिए सर्वे की प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। आपको बता दें कि जेवर एयरपोर्ट से फरवरी 2024 में फ्लाईट उड़ान का ट्रॉयल शुरू हो जाएगा।

जेवर एयरनपोर्ट के निर्माण कार्य को परखने के लिए पिछले दिनों प्रदेश के मुख्य सचिव ने भी यहां का दौरा किया था और काम को समय से पूरा करने के निर्देश दिए थे। प्राधिकरण एसीईओ विपिन जैन के अनुसार, जेवर एयरपोर्ट के नजदीक लॉजिस्टिक पार्क पहले चरण में विकसित किया जाएगा। एयरपोर्ट के निकट होने के कारण मल्टी परपज एवं औद्योगिक सेक्टर में लॉजिस्टिक पार्क के लिए अच्छी संभावनाएं है। पार्क में सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए अधिकारी जल्द नागपुर के निकट मिहान जाएंगे। उन्होंने बताया कि अलीगढ़ जिले के टप्पल में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क के लिए जमीन अधिग्रहण में हो रही देरी को देखते हुए प्राधिकरण ने पहले चरण में एयरपोर्ट के नजदीक इसे विकसित करने का फैसला किया है। नागपुर के निकट मिहान में विकसित किए मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का निरीक्षण करने यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों की टीम जल्द जाएगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यात्री सेवाओं के साथ दुनियाभर के देशों में कार्गो भी जाएगा। एयरपोर्ट को कार्गो का बड़ा केंद्र बनाने की योजना है। इसकी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए प्राधिकरण ने लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग के लिए नए सेक्टरों को नियोजित किया है।

इन सेक्टरों को एयरपोर्ट के नजदीक प्रस्तावित किया गया है। लॉजिस्टिक पार्क से कार्गो टर्मिनल तक सामान की आवाजाही सुगम होगी। प्राधिकरण ने सेक्टर की जमीन अधिग्रहण से पहले सर्वे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह सर्वे इस माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। इस सर्वे में यह जानकारी एकत्र की जाएगी कि अधिगृहित होने वाली जमीन की भौतिक स्थिति क्या है, उस जमीन पर किस तरह का निर्माण आदि है।

ट्रक और पिकअप वैन की टक्कर में दो लोगों की मौत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक और पिकअप वैन की टक्कर हो गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात दो बजे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर गांव नौरंगपुर के पास हुई जब ट्रक और पिकअप वैन टकरा गए।

दनकौर थाने के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया, वैन में सवार अब्दुल (35) तथा नरसीराम सैनी (38) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दुर्घटना के चलते एक्सप्रेसवे पर यातायात बाधित रहा और क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाया गया।

महिला ने 6 माह की बच्ची के साथ 16वीं मंजिल से कूदकर दी जान

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर जिले की एक सोसाइटी में एक महिला ने अपनी छह माह की बच्ची के साथ 16वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। घटना मंगलवार देर रात बिसरख थाना क्षेत्र में ला रेजिडेंसिया सोसाइटी की है।

बिसरख थाना के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने कहा, हमें सोसाइटी में एक महिला अपनी छह माह की बच्ची के साथ 16वीं मंजिल से कूदने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। मृतका की पहचान सारिका (33) के रूप में हुई है और आत्महत्या के कारण का पता नहीं चला है। कुमार के अनुसार महिला के भाई ने बताया कि वह काफी समय से बीमारी थी और संभवत: इससे परेशान होकर उसने ऐसा कदम उठाया।

एक अन्य घटना में, थाना बिसरख क्षेत्र की ऐस सिटी सोसाइटी में अपने मालिक के यहां रहने वाली एक घरेलू सहायिका ने कथित तौर पर पंखे से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका की पहचान स्वामी (20) के रूप में हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

20 गांव के किसानों ने घेरा जीडीए का ऑफिस

● बोले- अधिगृहित जमीन को 10 फीसदी विकसित कर किसानों को दें

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में बुधवार को 20 गांव के किसानों ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण घेर लिया। किसानों का आरोप था कि प्राइवेट बिल्डर जिन्होंने उनकी जमीन खरीदी अधिग्रहण की है, उन्होंने उनके साथ धोखा किया है। बड़ी संख्या में किसानों को देखकर भारी पुलिस फोर्स मौके पर लगाया गया था। प्राधिकरण के अधिकारी और किसानों के बीच बातचीत चल रही है।

गाजियाबाद में जिला संघर्ष समिति डासना के अध्यक्ष आनंद नागर ने बताया की 2011 से पुराने भूमि अधिग्रहण बिल के तहत वेव सिटी और सनसिटी ने 20 गांव के किसानों की जमीन का अधिग्रहण करना और खरीदना शुरू किया था। आनंद नगर के मुताबिक उस समय भूमि अधिग्रहण बिल के मुताबिक सर्किल रेट पर किसान से जमीन ली जाती थी। बदले में 6 प्रतिशत डेवलप एरिया दिया जाता था। लेकिन 2014 में सरकार नया भूमि अधिकरण बिल ले आई। जिसके बाद सर्किल रेट का चार गुना किसान को मिलता था। साथ ही 16 फीसदी डेवलप एरिया भी किसान को मिलता था। आनंद नागर के मुताबिक 2011 में जब किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई, तब जमीन की कीमत 2224 मीटर थी, जिसके एवज में महज 1100 रुपए मीटर का मुआवजा मिला।

आनंद नागर के मुताबिक इसको लेकर हमारा विरोध है। दूसरा विरोध है कि जो जमीन ले चुके हैं उसमें से 10 फीसदी डेवलप करके किसानों को दी जाए। साथ ही जो जमीन के आश्रित थे या गांव के भूमिहीन थे, उनको भी 120 वर्ग मीटर का प्लाट दिया जाए। आनंद नगर के मुताबिक 2014 में नया भूमि अधिकरण बिल आने के बाद अब बिल्डर भेदभाव के साथ किसानों से जमीन खरीद रहा है। आनंद नागर ने आरोप लगाया कि जिसकी पहचान है, उसे बिल्डर महंगी जमीन ले रहा है और जिसकी नहीं है उसको कम पैसों में निपटा रहा है।

PUBLIC NOTICE

It is notified that the following documents standing in the name of **Sh. Pradip Kumar Pal** of Flat-706, The Mass CGHS Ltd. (Mass Apartments), Plot-24, Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075 have been reported Lost/Destroyed in a fire incident of 09th June, 2023 in the said flat and that Application for issue of Duplicates of these documents has been made with the Society: (1) Share Certificate No-165 dated 29-08- 2000, (2) Allotment Letter dated 23-03-2003, and 3)Possession Letter dated 16-05-2003. Anybody having any objection against issue of the Duplicates of these documents to Sh. Pradip Kumar Pal S/o Late Dr. S.P. Pal, may convey his/their objection in writing to the Society, within 15 days of Publication of this Notice.

For on behalf of The **Mass CGHS Ltd** (H.S. Bomrah) Secretary.
Dated : 09th January, 2024. Place : New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public at large that Mr. Manoj Prabhakar S/o Mr. Hari Chand, R/o House No. 88/2, Near by Ambedkar Chowk, Village Agwanpur, Faridabad, Sector-91, Faridabad, Haryana-121013 is the owner of Plot of land measuring 268 sq. yds. falling in Khewat No. 174, Khatouni No. 305, Mustatil No. 34, Killa No. 10 (8-0), Mustatil No.35, Killa No. 6/2 (1-16), Village Agwanpur, Tehsil and Distt. Faridabad, Haryana. "Said Property" by virtue of Sale Deed dated 13.10.2023 executed by Mr. Sanjay Kumar and Mr. Anil Garg (Attorney of Mr. Dhirender Kumar Awana) in favour of Mr. Manoj Prabhakar in respect of the said property,duly registered as Doc No. 7254, Book 1, dated 13.10.2023, in SRO Faridabad. The following paper have been lost **1. Original** Sale Deed dated 27.10.2005 executed in favour of Mrs. Jyoti and Mrs. Aruna in respect of the said property **2. Original** Sale Deed dated 14.02.2011 executed by Mrs. Jyoti and Mrs. Aruna in favour of Mrs. Murti Devi in respect of the said property (Doc. No. 17034)
The F I R has been lodged by Mr. Manoj Prabhakar S/o Mr. Hari Chand vide LR No. 1304915/2024, dated 03.01.2024 Further Aditya Birla Finance Ltd. (STSL+) is intending to create a registered/equitable mortgage over the said properties. In case any Person/Financial Institute/Bank/Authority/Board or any other entity has any objection or vested interest over the said property, they may contact the undersigned within 7 days of this publication. It may be further noted that after the lapse of the aforesaid period no claim in any manner shall be entertained and the same will be considered as waived or abandoned.
New Delhi, Dated: 11.01.2024
Mohd. Gulfam, Advocate
D/8779/2019
Office: Gadi & Associates, A-4, West End Colony, New Delhi-110021, +91-8800002244

PUBLIC NOTICE

Mr. Som Parkash Sethi (Aadhaar No. 2587-8547-9456 & Pan No. ABYPS3902L) S/O **Late Sant Ram Sethi, R/O H. No-30, Ishwar Nagar, New Friends Colony S.O, South Delhi, Delhi-110025** has expired on dated: 26.11.2017 and his legal heirs are:
Mr. Aman Sethi S/O Late Sh. Som Parkash Sethi
Mr. Pawan Sethi S/O Late Sh. Som Parkash Sethi
Mr. Raman Sethi S/O Late Sh. Som Parkash Sethi
On request of the legal heirs of **Late Sh. Som Parkash Sethi,** the provisional transfer of the plot was allowed by HSIIDC in favor of Mr. Divyansh Goel S/O Sh. Mr Arun Goel Resident of House No A-1 /437, 3rd Floor Sushant Lok -2 ,Sector 55 Gurgaon Sector 56 Haryana 122011, vide PTL No.: HSIIDC: 3029 dated: 04/01/2024.
After the consent of the above mentioned successors of Late Sh. Som Parkash Sethi his stake in the immovable Property Plot/ Building No 21, Electronic City Sector 18, Gurgaon, Haryana is being transferred in the name of Mr. Divyansh Goel S/o Sh. Mr Arun Goel
Therefore, this public notice has been published that if anyone has any objection, than they may convey their objection in writing along with documentary proof through the registered post to General Manager (Estate), HSIIDC, HSIIDC Office Complex, Udyog Vihar, Phase: V, Gurugram, within a period of **30 days** from the date of issuance of this notice failing which the Corporation will proceed with the transfer of plot in favor of Mr. Divyansh Goel S/o Sh. Mr Arun Goel Resident of House No A-1 /437, 3rd Floor Sushant Lok-2, Sector 55 Gurgaon Sector 56 Haryana 122011
For and on behalf of
General Manager (Estate)
HSIIDC, Udyog Vihar, Gurugram

सार्वजनिक सूचना

सर्वप्रिय महाजन कोआपरेटिव ग्रुप हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड,202,वर्धमान एवन शॉपिंग प्लाजा,एल.एस.सी, सी-ब्लाक मार्केट,सरस्वती विहार,पीतमपुरा,दिल्ली-110034 डी.सी.एस. नियम 2007 की धारा 19(2) का अनुसरण करते हुए जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि सर्वप्रिय महाजन सी.जी.एच.एस. लिमिटेड (पंजि न०1384) के नेहा अरोडा (सदस्य सं. 592) ने सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है तथा श्री अतुल छाबडा (सदस्य सं. 577) की सदस्यता को RCS आदेश F.47/1384/GH/Expulsion/RCS /2022/4142-4148 dated 27.03.2023. द्वारा समाप्त / निष्काषित कर दिया गया है। इन दोनो को इनकी सभी जमा राशी RTGS द्वारा लौटा दी गयी हैं,यदि किसी को भी कोई आपत्ति हो तो RCS, संसद मार्ग, नई दिल्ली या सोसायटी आफिस202,वर्धमान एवन शॉपिंग प्लाजा,एल.एस.सी,सी-ब्लाक मार्केट,सरस्वती विहार,पीतमपुरा,दिल्ली-110034 में इस नोटिस के छपने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ति दर्ज कराए।
सचिव-सर्वप्रिय महाजन सी.जी.एच.एस लिमिटेड

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Khursheed is in process to avail the LAP against his Freehold Industrial Plot No. 25, area measuring 100 sq. yds. i.e. 83.61 sq. mtrs., out of Khasra No. 219, Situated at Rup Nagar Industrial Area, Village Dharoti Khurd, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad (U.P.) (availing loan from Piramal Capital & Housing Finance Limited) acquired the same vide Sale Deed dated 15.05.2013 executed by Mr. Akhil Kumar Gupta (Doc. No. 21241), he confirmed that he is not having the below documents pertaining to the property in question :
● Original Sale Deed dated 12.07.2000 executed by Mr. Nafees Chaudhary in favour of Mr. Nawab Khan and Mrs. Guddo Doc. No. 8518
● Original Registered GPA (doc. No. 378), ATS and Will dated 20.02.2003 executed by Mr. Nawab Khan and Mrs. Guddo in favour of Mr. Akhil Kumar Gupta
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. **Kamal Kant Gupta (Advocate)**
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल रहीसुद्दीन पुत्र सरदार पता–म. नं. 210, गली नंबर 9, ब्लॉक जी., संगम विहार, नई दिल्ली–110080 ने अपने पुत्रों रहीम, दाऊद व चाँद और उनकी पत्नी यासमीन, शाहीन व रुखसार को गलत आचरण व गलत दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उनके किसी कार्य के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नही होगें।
हस्ता/–
अधिवक्ता
दिलीप कुमार

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रीना कुमारी, संपत्ति Property Bearing No. 28, (Pvt Plot Bearing No. 11) Land area measuring 215 Sq. yds. i.e. 179.74 sq. mtrs (Consisting of GF, FF, SF & TF with roof) situated in the Layout Plan of Lawrence Road Industrial Area, Lawrence Area, Delhi 110035, की बिक्री विलेख दिनांक 21.07.2016 पंजीकृत द्वारा प्रपत्र संख्या 9461 (भूतल), बिक्री विलेख दिनांक 21.07.2016 पंजीकृत द्वारा प्रपत्र संख्या 9462 (पहली मंजिल), बिक्री विलेख दिनांक 21.07.2016 पंजीकृत द्वारा प्रपत्र संख्या 9459 (दूसरी मंजिल), बिक्री विलेख दिनांक 21.07.2016 पंजीकृत द्वारा प्रपत्र संख्या 9458 (तीसरी मंजिल) के द्वारा उपरोक्त संपत्ति की मालिक हैं तथा उपरोक्त संपचि मेरे मुवक्किल यानि एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित व बंधक प्रस्तावित है और श्रीमती रीना कुमारी ने घोषणा की है कि उपरोक्त संपत्ति सभी प्रकार की बाधाओं से मुक्त है और किसी भी अदालत में या किसी व्यक्ति, सरकारी निकाय या वित्तीय संस्थान आदि के साथ संपत्ति के शीर्षक से संबंधित किसी भी प्रकृति का कोई विवाद लंबित नहीं है। यदि किसी व्यक्ति (ओं) को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दावा हैं, तो हमे इस नोटिस की तारीख से 7 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।
राघव कुमार तिवारी, अधिवक्ता
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.:+91-8076188328

सार्वजनिक सूचना

ड्युम एंटरप्राइजेज एलएलपी,
पता– डब्ल्यू 2, बेसमेंट, ग्रीन पार्क मेन, दक्षिणी दिल्ली, दिल्ली, भारत, 110016
इस सार्वजनिक सूचना के साथ सूचित किया गया है कि, एलएलपी अपना पंजीकृत कार्यालय दिल्ली से हरियाणा, शॉप नंबर 11, एडमॉन्टन मॉल, सेक्टर–28, गुरुग्राम, हरियाणा – 122002 में बदलने जा रहा है।
कोई भी व्यक्ति जिसका अधिकार या हित प्रभावित हो रहा है वह नीचे दिए गए नंबर पे नोटिस के 21 दिन तक सूचित कर सकता है संपर्क: 8588086172

सार्वजनिक सूचना

ड्युम एग्रो एलएलपी,
पता– डब्ल्यू 2, बेसमेंट, ग्रीन पार्क मेन, दक्षिणी दिल्ली, दिल्ली, भारत, 110016
इस सार्वजनिक सूचना के साथ सूचित किया गया है कि, एलएलपी अपना पंजीकृत कार्यालय दिल्ली से हरियाणा, शॉप नंबर 11, एडमॉन्टन मॉल, सेक्टर–28, गुरुग्राम, हरियाणा – 122002 में बदलने जा रहा है।
कोई भी व्यक्ति जिसका अधिकार या हित प्रभावित हो रहा है वह नीचे दिए गए नंबर पे नोटिस के 21 दिन तक सूचित कर सकता है संपर्क: 8588086172

सार्वजनिक सूचना

ड्युम कंसल्टेंसी सर्विसेज एलएलपी,
पता– डब्ल्यू 2, बेसमेंट, ग्रीन पार्क मेन, दक्षिणी दिल्ली, दिल्ली, भारत, 110016
इस सार्वजनिक सूचना के साथ सूचित किया गया है कि, एलएलपी अपना पंजीकृत कार्यालय दिल्ली से हरियाणा, शॉप नंबर 11, एडमॉन्टन मॉल, सेक्टर –28, गुरुग्राम, हरियाणा – 122002 में बदलने जा रहा है।
कोई भी व्यक्ति जिसका अधिकार या हित प्रभावित हो रहा है वह नीचे दिए गए नंबर पे नोटिस के 21 दिन तक सूचित कर सकता है संपर्क: 8588086172

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that I Arun Nath S/o late Mr. Gopeshwar Nath am filing application in L&DO for substitution of the property no. A-219, Shivalik, New Delhi-110017 in the name of Arun Nath, on the grounds of Court Will Probate. If there are any objections / claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO with supporting documents through registered post or by visiting L&DO at Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at ldo@nic.in, within 30 days of publication of this notice.
Name : Arun Nath
Address : A-219, Shivalik, New Delhi-110017
Phone : 9811155273

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर– 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005.

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह–कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	विकास सक्सेना/ अनु सक्सेना/ LBDEL00001978459	फ्लैट नंबर ए 2105, 21वीं मंज़िल एवीजे हाइट्स, प्लॉट नंबर जीएच–12/2 पर स्थित, सेक्टर जीटा 1 ग्रेटर नोएडा/ जनवरी 07, 2024	अगस्त 28, 2023 रु. 27,27,890/–	दिल्ली/ एनसीआर
2.	अमित शर्मा/ लक्ष्मी शर्मा/ LBGUR00003503031	फ्लैट नंबर 704, छठी मंज़िल, टॉवर एस, सुपरटेक इको सिटी, जीएच–03, सेक्टर 137, नोएडा/ जनवरी 07, 2024	सितम्बर 26, 2023 रु. 38,62,154/–	दिल्ली/ एनसीआर
3.	सुरिंदर कुमार रस्तोगी/ संतोष रस्तोगी/ राहुल रस्तोगी/ LBNOD00002375713	फ्लैट नंबर सैट 4–912, 9वीं मंज़िल ब्लॉक 4, ब्लॉसम जेस्ट, जीएच–02 पर स्थित, सेक्टर 143, नोएडा/ जनवरी 07, 2024	सितम्बर 27, 2023 रु. 16,82,784/–	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक : जनवरी 11, 2024
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड
TATA POWER-DDL
टाटा पावर एवं दिल्ली सरकार का संयुक्त उपक्रम
रजि. आफिस : एनडीपीएल हाउस, हडसन लाइन, किंग्सवे केम्प, दिल्ली–110009
फोन : 66112222, फैक्स : 27468042, ईमेल : TPDDL@tatapower-ddl.com
CIN No. : U40109DL2001PLC111526, वेबसाइट : www.tatapower-ddl.com

निविदा सूचना आमंत्रित Jan 11, 2024

टाटा पावर–डीडीएल निम्न मदों के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है:

निविदा पूछताछ सं. कार्य का विवरण	अनुमानित लागत/धरोहर जमा राशि (रु)	बोली दस्तावेज की बिक्री	बोली जमा कराने की अंतिम तारीख और समय/ निविदा खोलने की तारीख और समय
TPDDL/ENGG/ENQ/200001625/23-24 Purchase of Disk based Backup & Recovery solution	80 Lacs/ 2,00,000	11.01.2024	01.02.2024;1600 Hrs/ 01.02.2024;1630 Hrs

शुद्धिपत्र / निविदा तिथि विस्तार

निविदा पूछताछ सं. कार्य का विवरण	पूर्व प्रकाशित दिनांक	संशोधित निविदा तिथि/बोली जमा कराने की तिथि/बोली खोलने की तिथि
TPDDL/ENGG/ENQ/200001613/23-24 SITC of 33kV AIS switching station at BBM, Delhi	11.12.2023	11.01.2024 at 1600 Hrs/ 11.01.2024 at 1630 Hrs

सम्पूर्ण निविदा एवं शुद्धिपत्र दस्तावेज हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध
website **www.tatapower-ddl.com** → Vendor Zone → Tender / Corrigendum Documents
Contracts - 011-66112222

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भीमताल (नैनीताल)
दूरभाष कार्यालय:– 05942-247895 Email eecd.btl@gmail.com

पत्रांक : 139/535/2 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक : 10.01.2024

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पेयजल निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा दैवीय आपदा के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबंद निविदा, दिनांक 25.01.2024 अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी कार्यदिवस में अपरान्ह 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यालय में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। उक्त दिनांकों में अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस को डाली / खोली जायेगी।

क्र0 सं0	विकासखण्ड	योजना का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	भीमताल	अधौडा–कून पेयजल योजना में क्षतिग्रस्त श्रोत का पुर्ननिर्माण एवं तत्संबंधी कार्य।	3500.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%
2		ग्राम देवीधूरा में तल्ला जमीरा पेयजल योजना के क्षतिग्रस्त कार्यों का पुर्ननिर्माण एवं तत्संबंधी कार्य।	3500.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%
3		स्यूड़ा–बड़ेत पम्पिंग पेयजल योजना में क्षतिग्रस्त कार्यों का पुर्ननिर्माण एवं तत्संबंधी कार्य।	3500.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%
4		ढाकाखेत सड़ियाताल पेयजल योजना में क्षतिग्रस्त श्रोत का पुर्ननिर्माण एवं तत्संबंधी कार्य।	3500.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%
5		हरिनगर सलडी पेयजल योजना में क्षतिग्रस्त कार्यों का पुर्ननिर्माण एवं तत्संबंधी कार्य।	3500.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%
6	हल्द्वानी	पनियाली पेयजल योजना के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त श्रोत का पुर्ननिर्माण एवं तत्संबंधी कार्य।	3500.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%
7		पनियाली पेयजल योजना के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त श्रोत–2 का पुर्ननिर्माण एवं तत्संबंधी कार्य।	3500.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%
8		पनियाली पेयजल योजना के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त पाईपलाईन का पुर्ननिर्माण एवं तत्संबंधी कार्य।	3500.00	1 माह	500+ जी0एस0टी0 18%

नोट :– 1. नियम एवं अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक कार्यालय या नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।
2. ठेकेदार / फर्म द्वारा **पाईप लाइन कार्य श्रेणी डी एवं उच्चतर श्रेणी** में पंजीकृत होना अनिवार्य है।
अधिशासी अभियन्ता

"जल संचय –जीवन संचय" "कृपया जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये"
"जल स्त्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये" "जल स्त्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है"

'आप-कांग्रेस में 12 को सीट बटवारें पर चर्चा'

● कांग्रेस को तीन सीटों की पेशकश करने वाली चर्चाएं गलत : अरविन्दर लवली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में एक साथ लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे पर मुख्यरूप से चर्चा संभवता अगली बैठक में यानी 12 जनवरी को होगी। लवली ने कहा कि आठ जनवरी को हुई पहली बैठक में सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई। यह भी पहली बार था कि दिल्ली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी बातचीत के लिए एक साथ आए हैं।

अरविंदर सिंह लवली ने कहा, सीट-बंटवारे पर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। आप द्वारा कांग्रेस को तीन सीटों की पेशकश करने वाली चर्चाएं गलत हैं। तीन दिन पहले हुई बैठक पहली बार थी जब हम चर्चा के लिए एक साथ आए थे और चुनाव लड़ने के

अरविन्दर लवली

लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की गई थी। उन्होंने कहा, सीट-बंटवारे पर अगली बैठक में चर्चा होने की संभावना है।

आम आदमी पार्टी ने पंजाब सहित पांच राज्यों में कांग्रेस के साथ गठबंधन में लोक सभा चुनाव लड़ने पर अपना रुख बरकरार रखा है और पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने मंगलवार को कहा कि अब तक चर्चा सकारात्मक रही है। राय ने संवाददाता सम्मेलन से इतर मीडिया से बातचीत में कहा, दोनों दलों के बीच गठबंधन पर बातचीत शुरू हो गई है। उन्होंने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गोवा और गुजरात में गठबंधन में चुनाव लड़ने पर अपना रुख रखा। अब तक सकारात्मक चर्चा हुई है जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए बातचीत शुरू हुई, यह स्पष्ट नहीं था कि अन्य राज्यों में भी कोई सहयोग होगा या नहीं।

राय ने संवाददाता सम्मेलन से इतर कहा कि दोनों दलों के बीच गठबंधन पर बातचीत शुरू हो गई है। हमने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गोवा और गुजरात में गठबंधन में चुनाव लड़ने पर अपना रुख रखा। अब तक सकारात्मक चर्चा हुई है। अभी यह साफ नहीं है कि अन्य राज्यों में भी कोई सहयोग होगा या नहीं। इंडिया गठबंधन का एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी से मुकाबला करने के लिए आगामी आम चुनाव साथ मिलकर लड़ने का फैसला किया है। इंडिया गठबंधन की की पिछली बैठक में राय बनी थी कि सभी पार्टियों की जगह-जगह संयुक्त सभाएं और रैलियां होंगी। कब से होंगी, यह तय नहीं हुआ। इस बीच आम आदमी पार्टी ने गुजरात से चुनावी रैलियों की शुरुआत कर दी। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस 28 सदस्यीय गठबंधन में अपनी भूमिका निभाते हुए आक्रामक हो रही है। पार्टी शुक्रवार को सीट बंटवारे को लेकर होने वाली बातचीत के दौरान मायावती की बसपा को इंडिया गठबंधन में शामिल करने पर भी जोर दे रही है। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सभी 500 लोकसभा समन्वयकों को 11 जनवरी को दिल्ली बुलाया है ताकि उन्हें देश भर में आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी के बारे में निर्देश दिया जा सके। इस संबंध में एआईसीसी संगठन एक पदाधिकारी ने बताया कि हमने चुनाव तैयारियों पर चर्चा करने और उन्हें उचित निर्देश जारी करने के लिए हाल ही में नियुक्त सभी 500 लोकसभा समन्वयकों को 11 और 12 जनवरी को आमंत्रित किया है।

मालूम हो कि 2012 में आम आदमी पार्टी की स्थापना करने के एक साल के भीतर हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 28 सीटें जीती थीं। ये सीटें सरकार बनानेके लिए नाकाफी थीं। तब कांग्रेस ने आप को सरकार बनानेके लिए समर्थन दिया था। अरविंद केजरीवाल ने पहली बार मुख्यमंत्री की शपथ ली थी। हलांकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का साथ ज्यादा दिन नहीं चला।

केजरीवाल को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का नहीं मिला निमंत्रण

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अभी तक कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला है। आप नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री को कुछ दिन पहले एक पत्र मिला था जिसमें कहा गया था कि 22 जनवरी को वह अपना कोई कार्यक्रम निर्धारित नहीं करे तथा विवरण के साथ एक औपचारिक निमंत्रण दिया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार अभी तक कोई अगला औपचारिक निमंत्रण नहीं आया है। विश्व हिंदू परिषद के एक शीर्ष पदाधिकारी ने दावा किया कि कुछ दिन पहले केजरीवाल को एक निमंत्रण पत्र भेजा गया था। शीर्ष पदाधिकारी ने कहा, वह इसकी पुष्टि नहीं कर सकता कि यह उन्हें व्यक्तिगत रूप से दिया गया था या डाक के माध्यम से अथवा डिजिटल रूप से, लेकिन उन्हें समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है।

सर्दी से बचने के लिए जलाई थी अंगीठी, दंपति की मौत

● घटना में बचे मासूम बच्चे का अस्पातल में चल रहा इलाज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

द्वारका इलाके के पोचनपुर गांव में कड़कड़ाती सर्दी से बचने के लिए कमरे में जलाई गई अंगीठी एक परिवार के लिए काल बन गई।

अंगीठी से निकली जहरीली गैस से दम घुटने से एक दंपति की मौत हो गई जबकि हादसे में इनका दो माह का मासूम बच्चा बच गया। मृतकों की शिनाख्त मानव और उनकी पत्नी नेहा के रूप में हुई है। मासूम को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि दंपति के पड़ोसी ने सुबह साढ़े नौ बजे इस घटना के बारे में द्वारका सेक्टर 23 थाने को सूचना दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार फोन करने वाले ने पुलिस को बताया कि उन लोगों को एक बच्चे के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी जिसके बाद उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। तब पड़ोसी खिड़की तोड़कर कमरे के अंदर दाखिल हुए और उन्होंने पति-पत्नी को बेहोश पाया। उन्हें इंदिरा गांधी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मानव और नेहा मजदूरी करते थे।

पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया जांच से यह सामने आया कि बंद कमरे में रखी कोयले की अंगीठी से निकलने वाली जहरीली गैस से दम घुटने से दोनों की जान चली गई। मृतक उत्तर प्रदेश के महोबा कि रहने वाले थे। इनके परिजनों को खबर देकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सफाईकर्मियों का निगम मुख्यालय पर धरना

● नियमित करने और बकाया भुगतान की मांग को लेकर पहुंचे सिविक सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सिविक सेंटर के बाहर प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी।

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सफाई कर्मचारियों ने नियमितीकरण और बकाया भुगतान की मांग को लेकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। एमसीडी ऑल यूनियंस कोर कमेटी के बैनर तले लगभग 500 सफाई कर्मचारी सिविक सेंटर के द्वार पर एकत्र हुए और प्रदर्शन किया।

प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए कई सफाई कर्मचारियों ने कड़ाके की ठंड के बीच अपनी कमीज उतार दी। पुलिस अवरोधक के बीच सफाईकर्मियों ने सड़क यातायात रोकने की भी कोशिश की। प्रदर्शनकारियों में कई दिव्यांग और बुजुर्ग भी शामिल थे। वे सभी सड़क पर ही धरना पर बैठ गए जिससे मिंटो रोड पर एमसीडी मुख्यालय के पास यातायात जाम हो गया।

नियमितीकरण और बकाया भुगतान के अलावा, कर्मचारी कोविड-19 महामारी के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों के लिए स्थाई नौकरी की भी मांग कर रहे हैं। यूनियन ने मांगें पूरी नहीं होने पर पूरी दिल्ली में व्यापक प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

निगम सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर रहा है : लवली

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली निगम कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन में सम्मलित हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि निगम में अस्थाई रुप से कार्यरत कर्मचारियों की 240 हाजिरी लगाने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से पक्का करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन न करके निगम सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर रहा है।

लवली ने कहा कि आप ने चुनाव में अस्थाई कर्मचारियों को पक्का करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी। लेकिन आज तक न केवल सफाई कर्मचारियों को पक्का किया बल्कि डीटीसी, जल बोर्ड, होमगार्ड, सिविल डिफेंस कर्मी भी बेहाल है।

कर्मचारियों का हो रहा है शोषण : राजा इकबाल

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मेयर राजा इकबाल सिंह ने निगम में सफाई कर्मचारियों के हो रहे शोषण के खिलाफ आप सरकार पर निशाना साधा है। राजा इकबाल ने कहा कि एक तरफ तो महापौर साफ सफाई का जायजा लेने के लिए दौरे कर रही हैं वहीं दूसरी तरफ सफाई कर्मचारी शोषण के खिलाफ आवाज उठाते हुए धरना दे रहे हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि शुरु से ही आप सरकार की कार्यप्रणाली कर्मचारी विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि आप पिछले दरवाजे से निगम में ठेकेदारी प्रथा को लाकर अपने चहेते ठेकेदारों को अनुचित लाभ दिलाना चाह रही है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि एक तरफ तो आप पार्टी ढिंढोरा पीट रही थी कि वह कच्चे कर्मचारियों को पक्का करेंगे।

एलजी ने दिल्ली माल और सेवा कर विधेयक को दी मंजूरी

विधान सभा ने 18 दिसंबर को विधेयक पारित किया था, केंद्रीय और राज्य के बीच एकरूपता सुनिश्चित होगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी दी। इससे इस विषय पर केंद्रीय और राज्य के बीच एकरूपता सुनिश्चित होगी। विधान सभा द्वारा 18 दिसंबर 2023 को विधेयक पारित किया गया था।

विधेयक में दिल्ली वस्तु एंव सेवा कर 2017 में संशोधत किया था ताकि था ताकि 28 और 29 जून को आयोजित 47वीं बैठक में जीएसटी परिषद की सिफारिशों के अनुसार गुड्स शब्द के संदर्भ में कुछ निश्चित समय सीमा और इनपुट टैक्स क्रेडिट के प्रावधान किए जा सकें। 48वीं बैठक 17 दिसंबर, 2022 को और 49वीं बैठक 18 फरवरी, 2023 को

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना

आयोजित की गई थी। विधेयक विधान सभा द्वारा 18 दिसंबर को पारित किया गया। इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 की धारा 22 के तहत उपराज्यपाल की पूर्व सिफारिशों के साथ विचार के लिए विधानसभा में पेश किया गया था। उपराज्यपाल कार्यालय के एक अधिकारी के अनुसार, जीएसटी परिषद ने अपनी 47वीं, 48वीं और 49वीं बैठक में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) अधिनियम, 2017 के प्रावधानों में विभिन्न संशोधनों की सिफारिश की और वित्त अधिनियम, 2023 के माध्यम से केंद्र सरकार ने सीजीएसटी अधिनियम, 2017 में संशोधन किया। डीजीएसटी अधिनियम, 2017 में संशोधन 31 मार्च, 2023 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित वित्त अधिनियम, 2023 के अनुरूप है।

सीजीएसटी अधिनियम, 2017 और डीजीएसटी अधिनियम, 2017 के बीच एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए, जहां भी आवश्यक हो, राज्य विशिष्ट अधिसूचना बनाने के बाद राज्य विधानमंडल द्वारा दिल्ली कानून में संशोधन की आवश्यकता थी।

निम्नलिखित प्रावधानों में संशोधन किया गया है

ई-कॉमर्स के माध्यम से माल की आपूर्ति से संबंधित धारा 10, धारा 16 ब्याज देने वाले के साथ कर के भुगतान और इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने से संबंधित है, छूट प्राप्त आपूर्ति पर कर क्रेडिट को उलटने से संबंधित धारा 17, पंजीकरण से छूट से संबंधित धारा 23, पंजीकरण को रद्द करने के लिए समय सीमा, शर्तों और प्रतिबंधों से संबंधित धारा 30, सरकार द्वारा एक पंजीकृत व्यक्ति द्वारा बाहरी आपूर्ति का विवरण पेश करने के लिए 3 वर्ष की समय सीमा के विस्तार से संबंधित धारा 37 और 39, वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए 3 वर्ष की समय सीमा के विस्तार।

अवैध हथियार रखने और खुद को गैंगस्टर बताने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। अपने आप को गैंगस्टर के रूप में पेश करने के लिए कथित रूप से अवैध हथियार रखने और उनके साथ फोटो खींचकर उन्हें सोशल मीडिया पर डालने को लेकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार पैसे के लेन-देन का धंधा करने वाला प्रशांत राठी (24) फिल्मी गैंगस्टर शैली से प्रभावित हो गया था और वह अपने लेनदारों एवं प्रतिद्वंदियों के सामने खुद को गैंगस्टर के रूप में पेश करना चाहता था। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि वह सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के साथ तस्वीरें एवं वीडियो डाला करता था।

युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या

● पांच आरोपियों में तीन नाबालिग शामिल, गश्त कर रही पुलिस ने सभी को दबोचा

● घायल होने के बाद पीड़ित को घसीट रहे थे हमलावर

पायनियर समचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के बदरपुर इलाके में 22 वर्षीय एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में तीन किशोरों को पकड़ा और दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने कहा कि मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को मीट चौक के पास गश्त लगा रही पुलिस की एक टीम ने देखा कि कुछ लोग बुरी तरह से घायल एक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में घसीट रहे थे।

उन्होंने बताया कि जब आरोपियों ने पुलिस को देखा तो वे घायल व्यक्ति को सड़क पर छोड़कर बीआईडब्ल्यू कॉलोनी की ओर भाग गए। पुलिस उपायुक्त ने कहा, हमारे पुलिसकर्मियों ने उनका पीछा किया और उनमें से तीन को बीआईडब्ल्यू कॉलोनी के गेट नंबर एक के पास पकड़ लिया। पुलिस ने इस सिलसिले में 16 और 17 साल के दो किशोरों को हिरासत में ले लिया और अरमान (18) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि निजी दुश्मनी को लेकर उनका गौरव (22) से झगड़ा हुआ था और झगड़े के दौरान उन्होंने उस पर कई बार चाकू से हमला किया

जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बाद में दो अन्य लोगों- एक किशोर और शाहिद (18) को भी पकड़ लिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के आईपीसी की धारा 302 और 34 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि हत्या में इस्तेमाल किया गया खून से सना हथियार बरामद किया गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

गणतंत्र दिवस परेड अभ्यास के चलते यातायात हुआ प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस परेड के अभ्यास के चलते बुधवार को मध्य दिल्ली में इंडिया गेट के पास यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यातायात पुलिस ने इस बारे में सोशल मीडिया मंच एक्स पर लोगों को सूचित करते हुए उन्हें विजय चौक, रफी मार्ग-कर्तव्य पथ चौराहे, जनपथ-कर्तव्य पथ चौराहे और मान सिंह मार्ग-कर्तव्यपथ चौराहे की तरफ यात्रा करने से बचने की सलाह दी। यातायात पुलिस ने पोस्ट कर कहा, गणतंत्र दिवस परेड के अभ्यास के कारण 10 जनवरी को सुबह सात

बजे से 11 बजकर 30 मिनट तक विजय चौक, रफी मार्ग-कर्तव्यपथ चौराहे, जनपथ-कर्तव्यपथ चौराहे और मान सिंह मार्ग-कर्तव्यपथ चौराहे की तरफ यात्रा करने से बचें।

इस बीच, राजनगर पुल पर एक क्रेन के खराब होने के कारण रिंग रोड के मोती बाग से सफदरजंग की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया।

उमर खालिद की जमानत पर सुनवाई 24 तक स्थगित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने फरवरी 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली में दंगों की साजिश में संलिप्तता के आरोप में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई बुधवार को 24 जनवरी तक स्थगित कर दी।

न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने खालिद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के स्थगन के अनुरोध के बाद मामले को स्थगित कर दिया। सिब्बल ने यह कहकर अदालत से स्थगन का अनुरोध किया था कि वह संविधान पीठ के मामले में व्यस्त हैं।

सरकार ने मरीज को लौटाने पर जीटीबी अस्पताल को भेजा नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है,साथ ही कुछ दिन पहले हुई घायल व्यक्ति की मौत के मामले में एक वरिष्ठ रेजिडेंट डाक्टर की सेवाओं को समाप्त करने को कहा है। घायल व्यक्ति को कथित तौर पर चार अलग-अलग अस्पतालों ने भर्ती करने से इनकार कर दिया था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नशे की हालत में एक महिला के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में गिरफ्तार किए गए प्रमोद (47) को जब तीन जनवरी को पुलिस वैन से ले जाया जा रहा था तो उसने चलती वैन से छलांग लगा दी थी बाद में उसकी मौत हो गई थी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि साजोसामान नहीं होने के कारण दिल्ली सरकार द्वारा संचालित तीन अस्पतालों सहित चार सरकारी अस्पतालों ने उसे कथित तौर पर भर्ती करने से इनकार कर दिया था। इस कारण बताओ नोटिस में कथित घटना को लेकर प्रकाशित खबरों का भी उल्लेख किया गया है। नोटिस में कहा गया, पूरी घटना यह दिखाती है कि चिकित्सा अधिकारियों में समानुभूति और पेशेवर रुख की कमी है।

बजट में मानसिक स्वास्थ्य को मिले अधिक धन

नई दिल्ली। मानसिक स्वास्थ्य के लिए काम करने वाली संस्था की 'मनस्थली' की फाउंडर डायरेक्टर डॉ. ज्योति कपूर ने उम्मीद जताई है कि केंद्र सरकार 2024-2025 के बजट में मानसिक स्वास्थ्य के लिए अधिक धन आवंटित करेगी।

बजट में मानसिक स्वास्थ्य के लिए फंड जारी होने से न केवल वर्तमान मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान मिलेगा बल्कि इससे एक लचीले और मानसिक रूप से स्वस्थ समाज का निर्माण भी होगा। डा. ज्योति कपूर कहती हैं कि अभी भी मानसिक बीमारी को स्वीकारने के लिए जनता को जागरूकता और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षित करने की आवश्यकता है।

सीएम आवास के रखरखाव के खर्च की जांच कराएं : सचदेवा

● प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने एलजी से किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उपराज्यपाल विनय सक्सेना से सीएम आवास में रखरखाव कार्यों के लिए ठेकेदारों को 29.56 करोड़ रुपये भुगतान किए जाने की जांच भ्रष्टाचार निरोधक शाखा या सतर्कता विभाग से कराने का अनुरोध किया है।

उपराज्यपाल को लिखे पत्र में सचदेवा ने कहा कि कहा सरकार की चुप्पी से एक बात तो तय हो गई है कि आरटीआई में रकम के आंकड़ों के अलावा उसमें लिखे ठेकेदारों के नाम भी सही हैं। सचदेवा ने कहा कि आरटीआई रिपोर्ट जो मीडिया और सोशल मीडिया में प्रसारित हो रही है और जिसकी प्रामाणिकता से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार ने अब तक इनकार नहीं किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि हाल ही में 29 दिसंबर 2023 को जारी की गई आरटीआई के अनुसार है कि 31 मार्च 2015 से 27 दिसंबर 2022 के बीच रुपये 29.56 करोड़ की राशि दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा सीएम आवास में रखरखाव कार्यों के लिए 4 ठेकेदारों को भुगताई गई है।

बजट सत्र में सांसदों का स्वागत करेंगे ट्यूलिप के फूल

सजावट: पहली बार, नए संसद भवन परिसर में 3000 ट्यूलिप बल्ब लगाए गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बजट सत्र के दौरान ट्यूलिप के फूल सांसदों और आगंतुकों का स्वागत करेंगे। राष्ट्रपति भवन के बाद अब पहली बार नवनिर्मित संसद भवन के परिसर में ट्यूलिप खिलेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई, जिससें एलजी ने नई संसद परिसर में ट्यूलिप की कलाइयां लगाए जाने का अनुरोध किया था। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने संसद सचिवालय को 3000 ट्यूलिप बल्ब उपलब्ध कराए हैं। फरवरी में जब संसद बुलाई जाएगी, तो ट्यूलिप के फूल खिलने की उम्मीद है।

उपराज्यपाल कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने इस वर्ष रिकॉर्ड 3,00,000 ट्यूलिप बल्ब मंगाए हैं, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में दोगुने हैं।

फाइल फोटो

इनमें से 2 लाख ट्यूलिप बल्बों को एनडीएमसी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लगाया जाएगा और अन्य 1 लाख ट्यूलिप बल्बों का इस्तेमाल दिल्ली विकास प्राधिकरण बांसेरा और असिता के अलावा विभिन्न पार्कों में लगाएगा। राज निवास परिसर में भी पहली बार 500 ट्यूलिप बल्ब लगाए गए हैं। ट्यूलिप के पीले, संतरी, बैंगनी, नीले, गुलाबी और लाल रंग के फूल समेत मौसमी फूलों जैसे- पेटुनिया, साल्विया, सिनेरेरिया, एंटिरहिनम, पॉपी, वर्बेना, डायन्थस, हॉलीहॉक, नास्टर्टियम, कोरोक्रिसस, पैंसी, लियानम आदि के फूल भी जल्द ही राजधानी में प्रमुख स्थानों पर लोगों के दीदार के लिए खिले दिखाई देंगे।

ट्यूलिप के पौधे राष्ट्रीय राजधानी में 65 स्थानों पर लगाए जाएंगे और सर्दी में खिलने वाले अन्य फूल राजधानी के 91 स्थानों पर लगाए जाएंगे। ट्यूलिप के पौधे प्रमुख स्थानों जैसे शांति पथ के डिप्लोमेटिक एरिया, तालकटोरा गार्डन, विंडसर प्लेस, सेंट्रल पार्क (कनॉट प्लेस), मंडी हाउस, अकबर रोड, चाणक्यपुरी, लोधी गार्डन और नेहरू पार्क, राम मनोहर लोहिया अस्पताल के गोल चक्कर आदि में लगाए गए हैं।

विकसित भारत के निर्माण युवा करें योगदान: कुलपति

● डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय में पुस्तक मेले का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विकसित भारत के निर्माण में युवा छात्र अपना 100 फीसदी योगदान करें इससे सशक्त राष्ट्र के साथ आपका भी भविष्य उज्ज्वल होगा। यह अपील बुधवार को डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक मेले के उद्घाटन के अवसर पर कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर ने छात्रों से की।

विश्वविद्यालय में दिल्ली के हिंदी विभाग द्वारा 10 एवं 11 जनवरी 2024 को 'विश्व हिंदी दिवस' एवं विकसित भारत : 2047' के अवसर पर पुस्तक मेला एवं भारतीय सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया।

पुस्तक मेले का उद्घाटन बुधवार को कुलपति प्रो.अनु सिंह लाठर ने किया। इस अवसर पर लंदन की विख्यात प्रवासी साहित्यकार जय वर्मा और दूरदर्शन के वरिष्ठ अधिकारी विश्वमोहन भी मौजूद थे। कुलपति ने युवा छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत को बनने में अपनी भूमिका निभाएं। युवा पीढ़ी विकसित भारत को तैयार करने में सहयोग करें।

हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सत्यकेतु सांकृत के निर्देशन में आयोजित इस पुस्तक मेले में देशभर से तीस प्रकाशक शामिल हुए। पुस्तक मेले का मुख्य बिंदु 2047 का भारत, हिंदी और रोजगार, भारतीय भाषाएं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा भारतीय ज्ञान परंपरा है। दो दिवसीय इस पुस्तके मेले में स्किल इंडिया के तहत कला, संस्कृति के विभिन्न पक्षों को प्रदर्शित करने वाले दस कलाकृतियों का भी स्टॉल लगाया गया है। पुस्तक मेले और सांस्कृतिक महोत्सव में आए लोगों ने मिलेट्स, कुल्हड़ वाली चाय, लिट्टी चोखा आदि का भी आनंद लिया।

दर्द से लड़ने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में ओजोन ग्रुप लाएगा नई क्रांति

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

औषधि निर्माण क्षेत्र में प्रयासरत ओजोन ग्रुप ने ओजोन-दर्द प्रबंधन में ओजोन का जुनून नामक विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें संस्थान से जुड़े पदाधिकारी व चिकित्सा विशेषज्ञ भी शामिल हुए।

संस्थान के समूह निदेशक सौरव बनर्जी ने कहा कि क्लालिनॉमिक्स के द्वारा ओजोन का लक्ष्य दुनिया भर में दर्द से लडने के लिए स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाना है, जिसके लिए पहल भी शुरु कर दी गई है, जो दर्द को खत्म करने के लिए कंपनी के समर्पण को रेखांकित करते हुए मील का पत्थर साबित होगी। डॉ. निवेदिता मुकुंटे ने संस्थान की उभरती जरूरतों के अनुरूप, दर्द प्रबंधन के लिए ओजोन के अपरंपरागत दृष्टिकोण की सराहना की। ओजोन दर्द प्रबंधन में ओजोन का जुनून की सराहना की। उन्होंने कहा कि ओजोन अपनी विशिष्टता को अपनाता है और उद्योग की सबसे तेजी से बढ़ती कंपनियों में से एक के रूप में उभर रहा है। ओजोन का लक्ष्य दुनिया भर में अग्रणी दर्द प्रबंधन कंपनी बनने की अपनी यात्रा में उम्मीदों पर खरा उतरना है। कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के एससी सहगल ने बहुआयामी विकास के लिए प्रतिष्ठान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

नोटिस के बाद भी प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं कराने वालों की संपत्ति होगी नीलाम

निगमायुक्त बांगड़ ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने बुधवार को निगम कार्यालय में अधिकारियों के साथ मासिक समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रॉपर्टी टैक्स, मुख्यमंत्री शहरी निकाय स्वामित्व योजना, जनसंवाद, पीएम स्वनिधि व स्वच्छता संबंधी विषयों की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निगमायुक्त ने कहा कि ऐसे प्रॉपर्टी मालिक जिन्होंने नोटिस के बावजूद अभी तक प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान नहीं किया है,

गुरुग्राम नगर निगम अधिकारियों की बैठक लेते निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़।

उनकी प्रॉपर्टीज को अटैच, सील व नीलामी में शामिल करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के टॉप डिफॉल्टरों की सूची तैयार करके उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। जल्द ही उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जानी है। प्रॉपर्टी टैक्स की समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार से संबंधित प्राप्त होने वाली आपत्तियों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी आवेदन आरटीएस से बाहर लंबित ना होने पाए। जो आवेदन सिटीजन को वापिस भेजे जाते हैं, उनके बारे में निगमायुक्त ने कहा कि संबंधित सिटीजन से फोन पर संपर्क करके आपत्तियों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही सभी संयुक्त आयुक्त अपने-अपने जोन से संबंधित रिजेक्ट आवेदनों में से 50-50 आवेदनों की जांच स्वयं करें तथा अगर किसी कर्मचारी की कोताही पाई जाती है, तो उस पर कार्रवाई करें। उन्होंने यही प्रक्रिया अपनाने के लिए नगर परिषद व नगर पालिका के अधिकारियों को भी निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिन प्रॉपर्टी मालिकों के परिवार पहचान पत्र बने हुए हैं, वे एनडीसी पोर्टल पर अपना नाम व मोबाइल नंबर संबंधी ब्यौरा स्वयं ठीक कर सकते हैं।

प्रॉपर्टी डाटा को स्व-प्रमाणित करना अनिवार्य

निगमायुक्त ने गुरुग्राम के प्रॉपर्टी मालिकों से आह्वान किया कि वे एनडीसी पोर्टल पर जाकर अपने प्रॉपर्टी डाटा को स्व-प्रमाणित जरूर करें। क्योंकि हरियाणा सरकार द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स में दी जा रही ब्याज माफी तथा 15 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रॉपर्टी डाटा को स्व-प्रमाणित करना अनिवार्य है। बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त अमरदीप सिंह, संयुक्त आयुक्त अखिलेश यादव, डा. नरेश कुमार, विजय यादव, सुमित कुमार व संजीव सिंगला, विजय सिंगला, सीएमओ डा. आशीष सिंगला सहित नगर निगम गुरुग्राम, नगर परिषद सोहना व पटौदी मंडी तथा नगर पालिका फर्रुखनगर के अधिकारीगण उपस्थित थे।

दिव्या पाहुजा हत्याकांड में वांछितों का लुक आउट सर्कुलर जारी

संदिग्धों व शव की जानकारी देने पर 50 हजार रुपये का ईनाम घोषित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गैंगस्टर संदीप गाड़ौली महिला मित्र रही दिव्या पाहुजा की हत्या के बाद उसके शव का कुछ पता नहीं चल पाने को लेकर गुरुग्राम पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच पुलिस ने दिव्या की हत्या केस में तीन आरोपियों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किए हैं। साथ ही इन संदिग्धों व दिव्या के शव की जानकारी देने के लिए 50 हजार रुपये का ईनाम भी घोषित किया है।

बता दें कि तीन जनवरी 2024 को थाना सेक्टर-14 में बस अड्डे के निकट सिटी प्वायंट होटल में एक महिला की हत्या होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पता चला कि होटल में दिव्या निवासी बलदेव नगर गुरुग्राम (27) की हत्या कर बॉडी को ठिकाने लगाने के लिए कहीं बाहर ले जाया गया है। मृतिका की बहन की शिकायत पर

दिव्या पाहुजा। फाइल फोटो।

आरोपी बलराज गिल व रवि बंगा।

थाना सेक्टर-14 में केस दर्ज किया गया। गुरुग्राम पुलिस द्वारा इस केस में हत्या करने वाले मुख्य आरोपी अभिजीत सहित हेमराज, ओमप्रकाश व मेघा नामक युवती को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस टीम द्वारा जांच में सामने अया है कि इस हत्याकांड में दिव्या पाहुजा की हत्या करने की वारदात को अंजाम देने में बलराज सिंह गिल निवासी सेक्टर-5 पंचकूला व रवि बंगा निवासी गुरुद्वारा रोड मॉडल टाउन हिसार भी शामिल रहे हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच की 6 टीमों द्वारा हर सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं।

गुरुग्राम पुलिस द्वारा उपरोक्त दोनों वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए विभिन्न टीमें लगाई गई हैं। गुरुग्राम पुलिस द्वारा उपरोक्त दोनों वांछितों के बारे में सूचना देने वाले को हरियाणा पुलिस की तरफ से 50-50 हजार रुपयों का ईनाम देने की घोषणा की गई है। सूचना देने वाले का नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी। इन दोनों वांछित अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए हर प्रयास कर रहे हैं। वे गिरफ्तारी से बचने के लिए विदेश भी भाग सकते हैं। इसलिए गुरुग्राम पुलिस दोनों वांछितों के लुक आउट सर्कुलर करवाया गया है, ताकि दोनों आरोपी देश छोडक़र विदेश ना भाग सके। दिव्या पाहुजा का शव अभी तक बरामद नहीं हो पाया है, इसलिए गुरुग्राम पुलिस द्वारा मृतिका के शव के बारे में सूचना देने वाले को भी 50 हजार रुपयों का ईनाम देने की घोषणा की है।

अंसल में अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान हुआ रद्द

सोहना। नगर परिषद का अरावली अंसल में बुधवार की जाने वाली अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई पुलिस फोर्स न मिलने के कारण अस्थाई रूप से रद्द कर दी गई। नगर परिषद अधिकारियों की टीम को भोंडसी थाना परिसर में फोर्स लेने के लिए करीब साढ़े तीन घंटा इंतजार करना पड़ा।

करीब चार माह के बाद नगर परिषद ने रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी में अवैध निर्माण के खिलाफ बुधवार को अभियान चलाने की योजना बनाई थी। लेकिन नगर परिषद की योजना को उस समय करारा झटका लगा। जब भोंडसी थाना ने करीब साढ़े तीन घंटा के बाद फोर्स न होने को लेकर हाथ खड़ें कर दिए। नगर परिषद अधिकारी और कर्मचारियों का जत्था सुबह 10 बजे फोर्स लेने के लिए भोंडसी थाना में पहुंच गया था। दोपहर बाद करीब डेढ़ बजे परिषद टीम को फोर्स उपलब्ध होने के बाद बुधवार को अभियान को स्थागित करना पड़ा। नगर परिषद के एसडीओ खटाना ने बताया कि 14 जनवरी के बाद फिर से दिन निर्धारित किया जाएगा। जिसके लिए पुलिस को 48 घंटा पहले अवगत करा दिया जाएगा।

गैर पंजीकृत नर्सरियों से पौधों का जब्त कर किया जा रहा नष्ट

एनएचबी से पंजीकृत नर्सरियों से ही पौधे खरीदने की सलाह

जिला बागवानी विभाग ने शुरू किया निरीक्षण अभियान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला बागवानी विभाग ने जिला में गैर पंजीकृत नर्सरियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पटौदी व फर्रूखनगर खंड में गैर पंजीकृत नर्सरियों में विभिन्न प्रजाति के पौधे को नष्ट किया है। वहीं गुरुग्राम व सोहना की नर्सरियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। जिला बागवानी अधिकारी डॉ. नेहा यादव ने बताया कि डीसी निशांत कुमार यादव के मार्गदर्शन में जिला बागवानी विभाग निरन्तर जिला की गैर पंजीकृत नर्सरियों का निरीक्षण कर रहा है।

निरीक्षण दौरे में ऐसे सभी फलदार पौधे जो ना तो ट्रू टू टाइप हैं व कीड़े सहित अन्य रोगों से ग्रस्त है। ऐसे सभी पौधों को मौके पर ही जब्त कर नष्ट किया जा रहा है। डॉ. नेहा ने बताया कि गुरूग्राम जिले में किसी भी नर्सरी के पास फरूट लाइसेंस नहीं है।

ये नर्सरियां किसानों व शहरी ग्राहकों को धोखाधड़ी कर अज्ञात वंशावली के पौधे तीन से चार गुणा रेट पर बेच रही हैं। ऐसे में जिला बागवानी विभाग द्वारा सभी नर्सरियों को पंजाब फरूट एक्ट-1961 के तहत नोटिस जारी किए जा रहे है। इसके उपरांत भी यदि किसी नर्सरी में फलदार पौधे पाए जाते है तो उनके खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। डॉ. नेहा ने कहा कि बागवानी की खेती में सबसे अहम खर्च पौधे का होता है। ऐसे में जिला के किसान किसी भी प्रकार के आर्थिक नुकसान से बचने के लिए नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड व पंजीकृत नर्सरियों से ही फलदार पौधे खरीदकर बाग लगाएं। उन्होंने बताया कि नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड से पंजीकृत नर्सरियों का विवरण वेबसाईट पर उपलब्ध है।

पटौदी खंड के गांव ऊंचा माजरा में गैर पंजीकृत नर्सरी में निरीक्षण करते हुए जिला बागवानी अधिकारी डॉ. नेहा यादव व उनकी टीम।

22 जनवरी को राम नाम के 5 दीपक अवश्य जलाएं: बोधराज

5 लाख 24 हजार पहुंचा हनुमान चालीसा पाठ का आकंडा

गुरुग्राम। बोधराज सीकरी की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ श्री श्याम मंदिर न्यू कॉलोनी के प्रांगण में हुआ, जिसकी आयोजक वयोवृद्ध माताजी उषा गांधी रही। गजेंद्र गोसाई द्वारा मंगलाचरण उपरांत ओम् की तीन बार ध्वनि की गई। पंडित भीमदत्त द्वारा शंख नाद समापन पर राम-राम नाम का 108 बार माला जाप किया गया। गोसाई ने मानव जन्म अनमोल रे के संपुट से सभी भक्तों को नचाया। इस मंदिर में पांचवीं बार पाठ किया गया।

श्री श्याम मंदिर में 150 साधकों द्वारा 21-21 बार पाठ किया गया। इससे पहले 182 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 519,716 पाठ 37,301 साधकों ने किए थे। इस मंगलवार के पाठ को मिलाकर 187 स्थानों पर 37,611 साधकों द्वारा 524,246 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। बोधराज सीकरी ने 22 जनवरी के लिये सभी से आग्रह किया कि इसे उत्सव की भांति मनाएं। समय पर अपने नजदीकी के मंदिर में जाएं और दीपावली की भांति आयोजन करें। शाम को पांच दीपक जलाएं। दो दीपक घर के प्रांगण में दो दहलीज में और एक दीपक तुलसी के आगे। इस अवसर पर अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, रणधीर टंडन, जगदीश रखेजा, मदन सतीजा, तिलक चानना, सतपाल नासा, रमेश मुंजाल, रमेश कामरा, द्वारका नाथ मक्कड़, रुपेश चौधरी आदि उपस्थित रहे।

हिंदू संगठनों ने कार सेवकों के परिवारों को किया सम्मानित

श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सब कुछ न्यौछावर करने वालों को दिया निमंत्रण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए चली आंदोलन की बयार में अपना सर्वस्व दांव पर लगाने वाले कार सेवकों को हिंदू व सामाजिक संगठनों ने सम्मानित किया। मौजिज लोगों ने कार सेवकों को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की राह प्रशस्त करने वाली सेना के सदस्य बताकर उन्हें नमन किया। सभी कार सेवकों को निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर का सजीव चित्र भी विशेष तौर पर भेंट किया गया।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ व कई दूसरे सामाजिक संगठनों की गुरुग्राम जिले की टीम ने वर्ष 1990 में कार सेवा के लिए जाने वाले लोगों के प्रयासों को मान देने के लिए विशेष अयोजन किया। इसके तहत उच्च पदाधिकारियों की टीम कार सेवकों के घर पहुंची। टीम के सदस्यों ने परिजनों की मौजूदगी में कार सेवकों को राम नाम अंकित अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। अयोध्या से आए पूजित अक्षत, निर्माणाधीन मंदिर का सजीव चित्र, पांच दीए व पत्रक समेत कई सामग्री परिजनों को सौंपी।

इस मौके पर शिक्षाविद पूर्व वाइस चांसलर डॉक्टर अशोक दिवाकर ने कहा कि राम मंदिर निर्माण कार सेवकों के अपरिमित प्रयासों की नींव पर खड़ा किया जा रहा है। महानगर संघचालक जगदीश ने कहा कि कार सेवकों के मंदिर बनने के अटूट विश्वास और मंदिर निर्माण के प्रयासों में अपना सर्वस्व दांव पर लगा देने के जज्बे के कारण ही आज हिंदुस्तान ही नहीं, पूरे विश्व

गुरुग्राम में लोगों को पूजित अक्षत, निर्माणाधीन मंदिर का सजीव चित्र, पांच दीए व पत्रक भेंट करते सदस्य।

का मंदिर बनते देखने का सपना साकार हो पाया है। विभाग प्रचार प्रमुख अनिल कश्यप ने बताया कि इलाके के अधिकांश कार सेवक मुरादाबाद व गाजियाबाद की अस्थाई जेल में रखे गए थे। इन्हें बिना किसी कारण एक पखवाड़े से अधिक बंद रखा गया। उनके अनुसार जो कार सेवक अब हमारे बीच मौजूद नहीं हैं, उनके घर विशेषतः पहुंचकर उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। मास्टर रति राम ने बताया कि राम मंदिर आंदोलन के समय विपरीत परिस्थितियों में राम भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। कार सेवक रहे मास्टर रतिराम, गोपीचंद गहलोत (पूर्व डिप्टी स्पीकर), सरपंच सुभाष त्यागी, ब्रह्मदत्त वशिष्ठ, ऋषि त्यागी, बिनेश त्यागी, टीसी मित्तल, सरपंच सुभाष मित्तल, प्रेमपाल सलूजा, राज निर्भीक, अजय सिंघल और स्वर्गीय देवेंद्र वशिष्ठ, स्वर्गीय सुनील वशिष्ठ, स्वर्गीय कंवरभान बजाज व स्वर्गीय रमन रोहिला के परिजनों को भी सम्मानित किया गया।

गुरुग्राम के शिव मंदिर में चोरी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सोहना में इस समय चोरों का जमकर आतंक है। चोर मंदिरों को निशाना बना रहे हैं। चोरों ने गांव जखौपुर शिव मंदिर को अपना निशाना बनाया। मंदिर का दानपत्र को तोड़कर नगदी व अन्य सामान लेकर फरार हो गए। हालांकि यह पूरा मामला सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लगातार बढ़ रही चोरियों से पुलिस की रात्रि गस्त पर भी सवालिया निशान उठने लगे हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन रात्रि गश्त व सुरक्षा का दावा तो करती है लेकिन चोरों के हौसले पूरी तरह से बुलंद है । मंदिर के पुजारी श्योराज ने बताया कि बीती रात करीब 11:30 बजे मंदिर में एक अज्ञात चोर ने दान पात्र को तोड़कर उसमें चोरी की यह सारा मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिसमें देखा जा सकता है कि एक युवक मंदिर में प्रवेश कर दान पात्र को तोड़कर उसमें से नगदी निकाल रहा है। वहीं जो मूर्तियां रखी हुई है उसमें भी उसमें छेड़खानी की है। मंदिर से भगवान शिव के त्रिशूल को भी हटाया गया।

शास्त्रीय संगीत के प्रति रूचि जगाने में कारगर होगा कला कार्यक्रम

डीसी ने कलाग्राम सोसायटी की वार्षिक आम सभा की बैठक को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला प्रशासन द्वारा जिला के सरकारी स्कूलों में पढ़ले वाले विद्यार्थियों में कला एवं संस्कृति के प्रति रूचि जगाने के लिए कला शिक्षा की अभिनव पहल की जाएगी। जिला प्रशासन तथा नगर निगम गुरुग्राम के समन्वय से गठित कलाग्राम सोसायटी तथा शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। इससे पहले भी सरकारी स्कूलों में ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा ऐसी एक पहल की गई थी, जिसके बेहद सकारात्मक नतीजे भी मिले। अब उसी प्रयास को आगे बढ़ाते हुए कला शिक्षा कार्यक्रम

गुरुग्राम के लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में कलाग्राम सोसायटी की वार्षिक आमसभा को संबोधित करते हुए डीसी निशांत कुमार यादव।

चलाया जाएगा। यह बात डीसी निशांत कुमार यादव ने बुधवार को लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में कलाग्राम सोसायटी की वार्षिक आमसभा की बैठक को संबोधित करते हुए कही।

निशांत कुमार यादव ने कहा कि कला शिक्षा कार्यक्रम से जिला के सभी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को जोड़ा जाए। इसके लिए एक वार्षिक कैलेंडर भी तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि कला शिक्षा कार्यक्रम के तहत भारतीय शास्त्रीय संगीत व पारंपरिक नृत्यों के प्रति विद्यार्थियों में रूचि जगाई जाएगी। इसके लिए इन विधाओं में पारंगत विशेषज्ञ समय-समय पर स्कूलों में वर्कशॉप लगाएंगे तथा भागीदारी करने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे। डीसी ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने के लिए खेल व कला का महत्वपूर्ण योगदान है। जिसमें कला शिक्षा एक बेहद कारगर कार्यक्रम साबित होगा। उन्होंने कलाग्राम सोसायटी के सदस्यों के साथ व्यापक चर्चा करते हुए प्ले स्कूलों में कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए कला-संस्कृति को लेकर विशेष सत्र आयोजित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही खेल विभाग में प्रशिक्षण लेने वाले नवोदित खिलाड़ियों के लिए ऐसे सत्र आयोजित किए जाए। उन्होंने कलाग्राम सोसायटी द्वारा लघु सचिवालय परिसर में एक कॉर्नर के सौंदर्यकरण के कार्य की भी प्रशंसा की और इस कार्य को आगे बढ़ाने की बात भी कही।

उन्होंने कहा कि कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए कला सम्मान अवार्ड देने की परंपरा को यथावत जारी रखा जाए। कलाग्राम सोसायटी की डायरेक्टर शिखा गुप्ता ने पीपीटी के माध्यम से संस्था की वार्षिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। वर्ष 2019 में अपने गठन के उपरांत कलाग्राम सोसायटी के समन्वय से 200 से ज्यादा कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहन से जुड़े आयोजन हो चुके हैं। इस सोसायटी का प्रयास है कि गुरुग्राम आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का भी केंद्र बने। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष चाय चौपाल, समर कैंप व स्कूलों में सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन कराया गया। इस बैठक में कलाग्राम सोसायटी के सदस्यों व प्रशासनिक अधिकारियों ने आगामी कार्यक्रम को लेकर अपने सुझाव भी दिए। डीसी ने ध्यानपूर्वक सभी सुझावों को सुना और उन सुझावों को अमल में लाने की बात कही।

इस अवसर पर सीटीएम दर्शन यादव, जिला शिक्षा अधिकारी इंदू बोकन, जिला खेल अधिकारी संधू बाला, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी नेहा दहिया, कलाग्राम सोसायटी की वर्किंग कमेटी (मानद) के सदस्य डा. मीनाक्षी पांडेय, स्पिक मैके की पूर्व अध्यक्ष शिल्पा सोनल, विनीता जेरथ, डा. लोकेश शर्मा, ख्याति प्राप्त आर्टिस्ट गोपाल नामजोशी व वान्या दुग्गल सहित संस्था से जुड़े अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

दुनियाभर से पर्यटक हवा में ले सकेंगे ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर का आनंद

देहरादून में शुरू हुई होराइजन स्काई एक्सपीरियंस

पायनियर समाचार सेवा। दिल्ली

अगर आप वीकेंड तथा छुट्टी के दिनों में कुछ अलग अंदाज में बिताना चाहते है तो एक जगह आपको जरूर जाना चाहिए। दुनियाभर के पर्यटक स्थलों में सैलानियों की छुट्टियों को रोमांचकारी और यादगार बनाने के लिए अब कुछ नए प्रयोग किए जा रहे हैं और अब उन्हें कुछ नया देखने को मिल रहा है जिससे हर किसी का ध्यान आकर्षित हो रहा है। चाहे वो रोलर कोस्टर राइड (roller coaster ride) हो, विशाल फेरिस व्हील राइड (Ferris wheel), बंजी जम्पिंग (bungee jumping), स्काई डाइविंग (sky diving) या फिर अंडर वाटर राइड (underwater ride)। सैलानियों को छुट्टियों और उनकी ट्रिप को यादगार बनाने के लिए अब ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा, दिल्ली एनसीआर से लगभग 250 की दूरी पर स्थित देहरादून में मिलेगा मस्ती करने का मौका। दिल्ली एनसीआर से काफी संख्या में लोग उत्तराखंड, हिमांचल एवं अन्य पहाड़ी इलाकों का रुख करते रहते है और खासकर सर्दी के मौसम में।

अगर आप भी ऐसा कुछ प्लान बना रहे है है तो तो वीकेंड हो या छुट्टियों का दिन तो देहरादून स्थित होराइजन स्काई एक्सपीरियंस में एक अच्छी जगह है। जैसा की सर्दी का मौसम अपने चरम सीमा पर है और अब स्काई एक्सपीरियंस राइड लोगों की मौज-मस्ती के लिए आकर्षित कर रहा है। हो भी क्यों न क्योंकि अब देहरादून में भी रोमांच से भरी ये राइड शुरू हो चुकी है। देवी प्रसाद गौड़, डायरेक्टर, विनदेव ग्रुप कहते हैं, हम हमेशा अनुभवों को फिर से परिभाषित करने के लिए नए तरीकों को तलाशते रहते हैं। होराइजन स्काई एक्सपीरियंस हमारे मेहमानों को उनकी यादों में रहने वाले अविस्मरणीय पल प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

एसएसबी अस्पताल में हुआ हृदय के ट्यूमर का सफल इलाज

डॉक्टरों ने न्यूनतम इनवेसिव तकनीक से 20 वर्षीय महिला का किया उपचार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एसएसबी अस्पताल में 20 वर्षीय महिला के हृदय से न्यूनतम इनवेसिव तकनीक से ट्यूमर का सफल इलाज किया। एसएसबी अस्पताल में 20 वर्षीय महिला सांस फूलने व दर्द की शिकायत से पीड़ित थी।

ईको और सीटी एंजियोग्राफी की जांच करने पर मरीज के दिल के राइट अटरियम में एक गांठ नजर आई। हृदय और लंग्स का सीटी एंजियोग्राफी करने पर ऐसा लग रहा था कि दोनों लंग्स के कई हिस्सों में

खून के थक्के हैं, क्योंकि इतनी छोटी उम्र में हृदय का ट्यूमर होने का चांस कम होता है। इसलिए खून के थक्के को पिघलाने की दवाई दी गई। 48 घंटों के बाद दोबारा से जांच हुई पता चला तो गांठ कम नहीं हुई, और न ही फेफड़ों के थक्के, जिससे हृदय में ट्यूमर की संभावना बढ़ गई और ऑपरेशन करना एक मात्र इलाज था।

मरीज की कम उम्र और भविष्य के शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए डॉक्टरों ने सर्जरी की एक खास मिनिमल इनवेसिव तकनीक का इस्तेमाल किया। सामान्य मध्य रेखा चीरे की बजाय छाती के दाहिने हिस्से में निशान कम दिखने वाला चीरा लगाकर गांठ का पूरा ऑपरेशन किया गया। जांच में गांठ एक प्रकार का ट्यूमर मिक्सोमा निकला। जिसके छोटे-छोटे टुकडे फेफड़ों में टूट कर जा रहे थे और फेफड़ों को ब्लड प्रेशर बहुत बड़ गया था, जिसकी जिसके वजह से मरीज का सांस फूल रहा था।

ऑपरेशन के बाद आईसीयू में जल्दी से मरीज का स्वास्थ्य ठीक होना शुरू हो गया और पांचवें दिन मरीज स्वस्थ्य होकर घर चली गयी। डॉ. एसएस सिद्धू चीफ हार्ट सर्जन एसएसबी हार्ट एंड मलटीस्पेशयलिटी अस्पताल फरीदाबाद की विशेषज्ञता और न्यूनमत इनवेसिव तकनीक के इस्तेमाल से न केवल युवा 20 वर्षीय महिला का जीवन बचाया गया, बल्कि उनके शरीर पर कम से कम निशान भी रहे।

डॉ. एसएस बंसल ने कहा यह एक अलग तरह का ट्यूमर है, जिसके कई टुकड़े फेफड़ों में जा रहे थे। जिसका मिनिमल इनवेसिव तकनीक से सफल ऑपरेशन एसएसबी अस्पताल में हो गया है। डॉ. एसएस सिद्धू ने कहा कि हम इस मरीज के सफल इलाज के लिए बहुत खुश हैं। मरीज अब पूरी तरह से ठीक है और वह अपने सामान्य जीवन में लौट गई है।

स्वरोजगार व मोटिवेशन कैंप 16 जनवरी को पलवल आईटीआई में

पलवल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पलवल के प्रधानाचार्य सुधीर कुमार ने बताया कि 16 जनवरी को सुबह 11 बजे आईटीआई में एक स्वरोजगार व मोटिवेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस मोटीवेशन कैंप में विभिन्न विभाग तथा बैंक अपनी-अपनी योजनाओं की जानकारी से विद्यार्थियों को जागरूक करेंगे। उन्होंने आईटीआई के छात्र एवं छात्राओं को स्वरोजगार के लिए मोटिवेट करने के उद्देश्य से सरकार के विभिन्न विभागों और बैंकों के अधिकारियों को इस कैंप में मौजूद रहने के लिए आमंत्रित किया है।

बदमाशों ने वर्कशॉप में घुसकर संचालक को थिनर डाल जलाया

घायल की शिकायत पर 15 के खिलाफ केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

वर्कशॉप संचालक पर वर्कशॉप के अंदर घुसकर मारपीट कर उसके ऊपर थिनर व स्पिरिट डालकर आग लगाने का मामला प्रकाश में आया है। कैंप थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर दो नामजद सहित 15 के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के अनुसार, डाढ़ोता गांव निवासी जतिन कौशिक ने दी शिकायत में कहा है कि उसने कैलाश नगर में सबमर्सिबल मैन्युफैक्चरिंग की वर्कशॉप लगाई हुई है। वर्कशॉप पर पीड़ित व उसका फोरमैन धर्मेंद्र काम कर रहे थे। उसी दौरान वर्कशॉप का गेट बजने की आवाज आई। फोरमैन धर्मेंद्र ने गेट खोला तो गेट पर दीपक व राहुल दोनों भाई खड़े हुए थे। दोनों ने वर्कशॉप के अंदर घुसते ही उस पर ईंट-पत्थरों व लोहे की रॉड

से हमला कर दिया। मारपीट के बाद आरोपियों ने वर्कशॉप में थिनर व स्पिरिट से भरी हुई पांच लीटर की कैन को उसके ऊपर छिड़क कर आग लगा दी। जिससे पीड़ित का पैर, पैन्ट, कुर्सी व अन्य सामान जल गया। इसी बीच जब उसके फोरमैन ने उसे बचाने का प्रयास किया तो 12-13 अन्य युवक मुंह पर कपड़ा बांधे हुए वर्कशॉप के अंदर आ गए।

जिन्होंने फोरमैन की कनपटी पर देशी कट्टा लगाते हुए कहा कि दूर रहो नहीं तो मारे जाओगे। झगड़े का शोर सुनकर जब पड़ोसी आने लगे तो दीपक ने देशी कट्टा जतिन की कनपटी पर रखकर कहा कि यदि इस बारे में कोई कानूनी कार्रवाई की तो तुझे और तेरे पूरे परिवार को जान से खत्म कर दूंगा। अन्य आरोपियों ने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ था। लोगों को आता देख आरोपी वहां से गलियों में भाग गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दो नामजद सहित 15 के खिलाफ केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है।

योजनाओं के लाभ को मेरी फसल मेरा ब्योरा पर पंजीकरण जरूरी

पलवल में 14 हजार 279 किसानों ने कराया रजिस्ट्रेशन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

किसानों को अपनी फसल बेचने के साथ-साथ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। केवल पंजीकृत किसानों की रबी फसलों को सरकार निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। इसलिए किसी भी असुविधा से बचने व रबी फसलों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए किसान अपनी फसलों का पंजीकरण समय रहते जरूर करवा लें।

डीसी नेहा सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा 12 नवंबर 2023 से मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल को किसानों के लिए अपनी फसलों का पंजीकरण करवाने के लिए खोला गया था। अभी तक जिला पलवल के केवल 14 हजार 279 किसानों द्वारा 81 हजार 287 एकड़ भूमि का ही पोर्टल पर पंजीकरण करवाया गया है, जोकि जिला की कुल कृषि योग्य भूमि का मात्र 21 प्रतिशत है। कृषि उप निदेशक डॉ. बाबूलाल ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिला के सभी किसान समय रहते अपनी फसल का पंजीकरण पोर्टल पर जरूर करवा लें।

मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण के लिए ओटीपी आधार से जुड़े हुए मोबाइल नंबर पर ही आ रहा है। इसलिए समय रहते हुए किसान अपने आधार लिंक मोबाइल नंबर को अपडेट करा लें, जिससे किसानों को मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाने में परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही पोर्टल पर जमीन से संबंधित आने वाली परेशानी के लिए राजस्व विभाग से संपर्क कर अपनी जमीन का ब्योरा पोर्टल पर सही करवा लें।

पूर्व में किसानों द्वारा एक से अधिक गांवों या 15 एकड़ से अधिक जमीन का पंजीकरण कराने पर डीसी पलवल द्वारा लगाए गए अवरोध को हटवाने के लिए लघु सचिवालय में तृतीय तल पर स्थित एनआईसी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। यात्रा कार्यक्रमों में भी किसानों का पंजीकरण कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

एसडी कॉलेज में जिलास्तरीय भाषण प्रतियोगिता आयोजित

पलवल। गोस्वामी गणेशदत्त सनातन धर्म महाविद्यालय पलवल में बुधवार को नेहरू युवा केंद्र पलवल एवं महाविद्यालय की युवा रेडक्रॉस इकाई के तत्वावधान द्वारा प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 पर आधारित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा मेरा भारत विकसित भारत विषय पर जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ. नरेश कामरा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. नरेश कैमरा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि इस भाषण प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जिससे वह अपना सर्वांगीण विकास करे व उनके विचार विकसित भारत की परिकल्पना में सहयोग दे। इस आयोजन में पलवल जिले के पांच महाविद्यालयों से 20 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण कुमार वर्मा, हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. केडी शर्मा एवं अंग्रेजी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एनके गोयल ने निभाई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या प्रतिभा सिंगला, डॉ. सत्यवीर सैनी, डॉ. वनिता सपरा, भावना व सोनिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में यूवा रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रुचि शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया। इस जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का परिणाम 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर घोषित किया जाएगा। महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कालड़ा, उपाध्यक्ष मनोज मंगला, सचिव बंशीधर मखीजा एवं कोषाध्यक्ष निलेश मंगला ने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं युवा रेडक्रॉस इकाई को इस सफल आयोजन की बधाई दी तथा आगे भी ऐसे आयोजन करने के लिए प्रेरित किया।

ग्रीवेंस कमेटी की मासिक बैठक कल

पलवल। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि हरियाणा के सहकारिता व जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल की अध्यक्षता में 12 जनवरी को लघु सचिवालय पलवल के द्वितीय तल पर स्थित सभागार में सुबह 11 बजे जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तिथि व समय पर बैठक में उपस्थित रहने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

वालीबॉल व कैरम प्रतियोगिता का आयोजन होगा

पलवल। महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए अखिल भारतीय सिविल सेवा वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 22 फरवरी तक महाराष्ट्र के पुणे में स्थित श्री शिवतृसि स्पोर्ट्स कांपलेक्स बलेवाड़ी में करवाया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य की ओर से भाग लेने वाले वालीबॉल खिलाड़ियों के लिए 15 जनवरी को पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों का चयन जिला करनाल में किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए अखिल भारतीय सिविल सेवा कैरम प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 15 फरवरी तक पाटलीपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पटना में करवाया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अधिकारियों अथवा कर्मचारियों का चयन 11 जनवरी को अंबाला छावनी के वारहिरोज मैमोरियल स्टेडियम में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक अधिकारी अथवा कर्मचारी इस चयन स्पर्धा में सुबह 10 बजे तक निर्धारित स्थान पर पहुंचना सुनिश्चित करें। जिला पलवल के सभी विभागों में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों को इन चयन स्पर्धाओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को निर्धारित की गई तिथि, समय व स्थान पर पहुंचना होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रमाणपत्र देना होगा कि वे अमुक विभाग के कार्यालय में अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं तथा इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए जाने व वापिस आने का किराया संबंधित विभाग अथवा खिलाड़ी द्वारा वहन किया जाएगा।

सरस्वती कॉलेज में कविता पाठ का आयोजन हुआ

पलवल। सरस्वती महिला महाविद्यालय में बुधवार को हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मूल विषय हिंदी-पारंपरिक ज्ञान व कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जोड़ना निश्चित किया गया है। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं के बीच रचनात्मक कौशल को विकसित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉक्टर वंदना त्यागी रहीं। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य, हिंदी विभाग अध्यक्ष अनीता देवी, सहायक प्राध्यापिका डॉ. अमरावती व देवीका शर्मा द्वारा सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।

सिक्किम मिनी जंबूरी के लिए पलवल की टीम रवाना

पलवल। सिक्किम राज्य के रेंगपो शहर मे 12 से 16 जनवरी तक आयोजित पूर्वोत्तर स्काउट गाइड मिनी जंबूरी के लिए जिला शिक्षा अधिकारी पलवल अशोक बघेल द्वारा हरी झंडी दिखाकर पलवल रेलवे स्टेशन से टीम को रवाना किया। टीम को शुभकामनाएं देते हुए अशोक बघेल ने कहा जिले कि टीम स्काउट गाइड के क्षेत्र में निरंतर परचम लहरा रही है। जिला संगठन आयुक्त योगेश सौरोत के नेतृत्व में राजकीय मॉडल संस्कृति होडल, पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिड़ूकी तथा डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के स्काउट-गाइड यूनिट लीडर जिला प्रशिक्षक प्रभु दयाल हंस, वीर सिंह, अनुज चौहान, शारदा यादव, मीणा देवी के मार्गदर्शन में शिविर का आयोजन होगा।

रक्तदान के लिए अपना ब्लड बैंक व एमवीएन करेंगे मिलकर काम

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

एमवीएन विश्वविद्यालय और अपना ब्लड बैंक न्यू सोहना रोड पलवल के बीच एक अनुबंध हुआ है। जिसके बाद अब दोनों मिलकर वालंट्री ब्लड डोनेशन के लिए जागरूकता फैलाई जाएगी। इस क्रम को शुरू करते हुए एमवीएन के वाइस चांसलर डॉ. अरुण गर्ग ने बताया की 22 एवं 23 फरवरी को एनुअल फेस्ट के दौरान एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन अपना ब्लड बैंक तथा ब्लड बैंक सिविल हस्पताल पलवल के माध्यम से किया जाएगा।

इस कड़ी में 14 और 15 मार्च को भी इंटरनेशनल कांफ्रेंस और जॉब फेस्ट के समय भी अपना ब्लड बैंक रक्तदान शिविर का आयोजन करेगा। अनुबंध के समय डॉ. प्रशांत गुप्ता मेडिकल डायरेक्टर अपना ब्लड बैंक ने बताया कि इस क्षेत्र में वालंटिरी रक्तदान के बारे में प्रोत्साहित करने की बहुत आवश्यकता है।

हमें प्रोफेशनल ब्लड डोनेशन को बिलकुल खत्म करने की जरूरत है और हम नहीं चाहते की किसी की मृत्यु ब्लड के आभाव में हो। एमवीएन के डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स नरेंद्र विवेक आहूजा ने बताया कि रक्तदान महादान है और मनुष्य जीवन का सबसे बड़ा यज्ञ है। सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए रक्तदान अत्यंत आवश्यक है। वालंटिरी रक्तदाता को नहीं पता होता कि उसका दान दिया रक्त किस जाति या धर्म के व्यक्ति को दिया जाएगा।

50 लोग एक कमरे में बंद मिले

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

सीएम फ्लाइंग की टीम ने पुलिस व स्वास्थ्य विभाग को साथ अवैध रुप से चल रहे नशा मुक्ति केंद्र पर छापेमारी कर भंडाफोड़ किया। टीम को मौके पर 50 लोग एक कमरे में बंद मिले। मौके पर मिले संचालक के पास नशा मुक्ति केंद्र को चलाने का कोई दस्तावेज मौजूद नहीं मिला। जिसके संबंध में कैंप थाना पुलिस ने डॉ. सरफराज खान की तहरीर पर केंद्र संचालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के अनुसार, नागरिक अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. सरफराज खान ने दी तहरीर में कहा है कि सीएम फ्लाइंग की टीम को सूचना मिली कि प्रकाश विहार कॉलोनी में अवैध रूप से एक नशा मुक्ति केंद्र चलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग टीम ने स्वास्थ्य विभाग व कैंप थाना पुलिस की टीम के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नशा मुक्ति केंद्र पर छापामारी को अंजाम दिया।

छापेमारी के दौरान टीम को नशा मुक्ति केंद्र पर 50 लोग उपचाराधीन मिले। जिन्हें सभी नियमों को ताक पर रखकर एक ही कमरे में रखा हुआ था। टीम ने जब नशा मुक्ति केंद्र के संचालक से नशा मुक्ति केंद्र चलाने का वैध लाइसेंस मांगा तो वह किसी तरह का कोई लाइसेंस पेश नहीं कर पाया।

नशा मुक्ति केंद्र के निरीक्षण पर कोई मनोचिकित्सक, परामर्शदाता, योग चिकित्सक, फार्मासिस्ट व नर्स आदि रखे हुए नहीं पाए गए। नशा मुक्ति केंद्र पर मिले नशे के आदी लोगों ने पूछताछ पर बताया कि इस नशा मुक्ति केंद्र में उन्हें उनके परिवार के सदस्य छोड़कर गए हैं। कागजों की कोई जानकारी नहीं है। हमें यहां जबरन रोका हुआ है और केंद्र संचालक प्रति माह सात से 10 हजार रुपये उनके परिजनों ने नकद लेते हैं।

संकल्प यात्रा नप के लोगों को पहुंचा रही लाभ

रथ यात्राओं में नारी शक्ति वाहिनी एनजीओ बाल विवाह निषेध की दिला रहा है शपथ

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के हर नागरिक को सरकार की योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक करने के लक्ष्य को निर्धारित करके चलाई गई विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्रामीण आंचल के साथ-साथ नगर परिषद के वार्डों को भी कवर कर रही है। यह संकल्प यात्रा अब शहरी क्षेत्र में रह रहे लोगों को भी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्रता पूर्ण पाए जाने पर उन्हें भी योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है।

यह वक्तव्य विधायक दीपक मंगला ने पलवल नगर परिषद के वार्ड नंबर-2, 3, 4, 5, 6, 7, 16, 17, 18 में संकल्प यात्रा के स्वागत में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। इस अवसर पर उनके साथ नगर परिषद पलवल के चेयरमैन यशपाल भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सोमवार से यह यात्रा

नगर परिषद पलवल व होडल के विभिन्न वार्डों को कवर करती हुई अगले वार्डों की ओर आगे बढ़ रही है। मोदी की गारंटी वाली इस गाड़ी का मकसद यही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की लोक कल्याणकारी योजनाओं की शत प्रतिशत जानकारी प्रत्येक जन को मिले और हर एक पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे।

विधायक दीपक मंगला ने कहा कि गांव व वार्डों में मोदी की गारंटी वाली गाड़ी के साथ जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न विभागों के अधिकारी अपनी स्टाल लगाकर लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं और पात्र पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को योजना से जोड़कर लाभान्वित करने का भी कार्य कर रहे हैं। इन संकल्प यात्राओं में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक लोगों के स्वास्थ्य की जांच करके जरूरत अनुसार दवाएं भी दे रहे हैं। नारी शक्ति वाहिनी एनजीओ की ओर से रथ यात्राओं में लोगों को बाल विवाह न करवाने के प्रति शपथ दिला रहे हैं। यह संस्था लोगों को बाल विवाह निषेध के संबंध में निरंतर जागरूक कर रही है।

इसी क्रम में होडल के शहरी क्षेत्र के वार्ड नंबर-7, 8, 9 में नगर परिषद होडल की वाइस चेयरमैन मनीषा तथा वार्ड नंबर-10, 11, 12, 13 में वार्ड पार्षद नीरज व हेतराम ने बतौर मुख्य अतिथि संकल्प यात्रा का स्वागत किया। इसी कड़ी में हथीन खंड के गांव आली ब्राह्मण में पूर्व विधायक केहर सिंह रावत व गांव पचानका, फिरोजपुर राजपूत तथा कलसाडा में आयोजित कार्यक्रमों में विधायक हथीन के प्रतिनिधि सतीश डागर ने संकल्प यात्रा का स्वागत मुख्य अतिथि के रूप में किया।

इन सभी कार्यक्रमों में मुख्य अतिथियों ने उपस्थिति को विकसित व आत्मनिर्भर भारत का संकल्प दिलाया।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005.

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	सुबल जालान/ एक्मे प्रैक्सिस प्राइवेट लिमिटेड/ शालिनी जालान/ जालान ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड/ LBDEL00003788759	यूनिट नंबर 1202, 12वीं मंजिल पर स्थित, ब्लॉक आइकॉनिक टॉवर (मार्वेला), महागुन मॉडर्न, प्लॉट नंबर जीएच-2 पर स्थित, सेक्टर-78, उत्तर प्रदेश, नोएडा/ जनवरी 05, 2024	अगस्त 22, 2023 रु. 3,94,74,632/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	नीरज गुप्ता/ सीमा गुप्ता/ LBGUR00001979938	फ्लैट नंबर 2डी, ब्लॉक-5, दूसरी मंजिल, रीजेंट एन्क्लेव, मौजा- मोंडलगांथी, पुलिस स्टेशन राजारहाट, जिला 24 परगना (उत्तर), पश्चिम बंगाल 24 परगना (उत्तर) 700120 (अपार्टमेंट के साथ, भूमि में अविभाजित हिस्सा और समान हिस्सा) सामान्य क्षेत्र एवं सुविधाएँ/ जनवरी 05, 2024	मई 20, 2023 रु. 73,62,924/-	दिल्ली/ एनसीआर और परगना उत्तर पश्चिम बंगाल
3.	लक्ष्मी देवी/ सुरेश कुमार/ आरजीएस लॉजिस्टिक्स आई प्राइवेट लिमिटेड LBNOD00004938303/ LBDEL00002428416	फ्लैट नंबर पी9 1203, 12वीं मंजिल पर स्थित प्रतीक ग्रैंड सिटी, 4/बीएस-01 और 4/बीएस-05 सिद्धार्थ विहार, गाजियाबाद/ जनवरी 06, 2024	सितंबर 25, 2023 रु. 25,37,955/-	दिल्ली/ एनसीआर
4.	नवनीत वर्मा/ राजेश/ LBNOD00002412525/ LBNOD00002415327	फ्लैट नंबर 2बीए-811, टॉवर-3, 8वीं मंजिल (बिना छत अधिकार) रिवर हाइट्स, नूर नगर, राजनगर एक्सटेंशन एनएच-58, परगना लोनी, गाजियाबाद-201001 (इमारत के नीचे की जमीन में अविभाजित और आंशिक रूप से आनुपातिक हिस्सेदारी के साथ, परिसर में रिज़र्व्ड स्कूटर पार्किंग स्थान के साथ सामान्य सामान्य क्षेत्रों का उपयोग करने का अधिकार)/ जनवरी 06, 2024	अगस्त 10, 2023 रु. 8,63,683/-	दिल्ली/ एनसीआर
5.	वायलेट मेबल फर्टाडो/ रोनाल्ड मेल्विन फर्टाडो/ LBDEL00002364476	फ्लैट नंबर एफ/यूएच-116, प्रथम तल अर्बन होम्स, साहपुर बम्हेटा एनएच-24, पर स्थित, गाजियाबाद/ जनवरी 06, 2024	अगस्त 28, 2023 रु. 6,23,702/-	दिल्ली/ एनसीआर (कर्नाटक)
6.	शशि जैन/ रिशांत जैन/ LBGHZ00001039389	फ्लैट नंबर 102, पहली मंजिल, टाइप ब्लॉक ए-4, कृष्णा अपरा गार्डन, ग्रुप हाउसिंग प्लॉट नंबर 7 पर स्थित, वैभव खंड इंदिरापुरम गाजियाबाद/ जनवरी 06, 2024	सितंबर 14, 2023 रु. 5,68,810/-	दिल्ली/ एनसीआर और मुंबई
7.	आलोक कुमार/ प्रतिमा कुमारी/ LBDEL00000691603	फ्लैट नंबर 1004, 10वीं मंजिल शिप्रा अपार्टमेंट्स कौशाम्बी, खसरा नंबर 222एम और 223एम ग्राम हसनपुर पर स्थित, भोवापुर, गाजियाबाद/ जनवरी 06, 2024	सितंबर 14, 2023 रु. 3,91,305/-	दिल्ली/ एनसीआर और राउरकेला

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : जनवरी 11, 2024
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

दुहरा खतरा

मौसम और कोविड

दिल्ली एनसीआर में कुहरा, भयानक ठंडक तथा कोविड के बढ़ते मामले सतर्कता की मांग करते हैं। हालांकि, जाड़े में शीत लहर पूरे उत्तर भारत को प्रभावित कर रही है, पर दिल्ली एनसीआर के निवासियों को दुहरे खतरे का सामना करना पड़ रहा है। भयानक जाड़े के साथ ही कोविड-19 तथा उसके नए रूप जेएन1 के मामले बढ़ रहे हैं। ये दो चुनौतियां एकसाथ आने के कारण व्यक्तियों तथा सरकार को सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है ताकि लोगों की बेहतरी सुनिश्चित की जा सके। दिल्ली में हांड़ कंपा देने वाली ठंडक असामान्य नहीं है, पर इस साल यह अचानक आई है। इससे राहत में कुछ दिन लगेंगे। मौसम पूर्वानुमान उत्तरी राज्यों के लिए परेशान करने वाला है जिसे सप्ताह के लगभग अंत तक भयानक ठंडक व घने कुहरे का सामना करना पड़ सकता है। इस ठंडक में न केवल आउटडोर गतिविधियां बहुत कठिन हो गई हैं, बल्कि स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा है। खासकर बच्चों, वृद्धों तथा पहले से ही बीमारियों का सामना कर रहे संकटग्रस्त लोगों के लिए खतरा और बढ़ गया है। तापमान में अभूतपूर्व गिरावट के कारण लोगों को उचित सावधानियां बरतनी चाहिए। गरम कपड़े पहनने, हीटरों के समुचित प्रयोग तथा मौसम बहुत खराब होने पर घर में ही रहने की जरूरत है। ये कठोर मौसम से निपटने की प्राथमिक शर्तें हैं। इसके अलावा इस समय दुर्घटनाओं की संभावना अधिक होती है। लगभग शून्य दृश्यता और कुहरे की स्थिति में ड्राइव करना बहुत कठिन है। जाड़े के सवेरों में घना कुहरा आम है, लेकिन यह शीत लहर की चुनौतियों को बढ़ा देता है। सड़कों व राजमार्गों पर दृश्यता की कमी से

दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है तथा ट्रैफिक में बाधा आती है। वाहनचालकों को सावधानी बरतने, ड्राइविंग के समय फॉग लाइटों का प्रयोग करने तथा गति सीमा का कठोरता से पालन करने की सलाह दी जाती है। रेलवे तथा उड्डयन क्षेत्र भी प्रभावित हुए हैं जिनसे उड़ानों में विलंब हो रहा है या वे रद्द हो रही हैं। ऐसे में यात्रियों को समुचित सूचनाओं के आधार पर यात्रा की योजना बनाने तथा उसमें आवश्यक परिवर्तन करने की आवश्यकता है।

कुहरा और शीत लहर के साथ ही हमारे सामने कोविड संकट भी मंडरा रहा है। बहुत खराब मौसम के साथ ही कोविड के मामले भी बढ़ रहे हैं। दिल्ली में खासकर जेएन1 रूप के 24 मामले सामने आए हैं तथा शहर में कोविड के कुल 35 सक्रिय मामले हैं। इसके उभार से लगातार सावधानी बरतने तथा कोविड-उपयुक्त व्यवहार अपनाने की आवश्यकता है। लोगों को अपनी सतर्कता घटानी नहीं चाहिए, हाथों को बार-बार धोना चाहिए, मास्क पहनने चाहिए तथा शारीरिक दूरी बनाए रखनी चाहिए। सभी लोगों के लिए जरूरी है कि लक्षण दिखते ही वे फौरन परीक्षण करायें तथा अलग रहने का व्यवहार अपनायें। सरकार को शीत लहर तथा बढ़ते कोविड मामलों के दुहरे खतरे से निपटने के लिए समुचित कदम उठाने चाहिए। आम जनता की स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के उपयुक्त कदम उठाए जाने चाहिए। सरकार को बेघरों के लिए शरणस्थल उपलब्ध कराने के साथ उनको गरम कपड़े देने चाहिए तथा शीत लहर से निपटने के लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधायें तैयार रखनी चाहिए। इसके साथ ही कोविड टेस्टिंग, कांटैक्ट ट्रेसिंग तथा टीकाकरण प्रयास तेज करने चाहिए ताकि जनता में कोविड वायरस के प्रसार पर लगाम लगाई जा सके। एकसाथ काम कर हम इन संकटों का सामना कर ज्यादा मजबूती से बाहर निकल सकते हैं। पहले भी हमने इस चुनौती पर विजय पाई है।

पैसे का समुचित उपयोग सुनिश्चित

राज्यों को बजट धनराशि का केवल चौथाई जारी की जाती है। बाकी धनराशि पैसे का प्रयोग होने के बाद जारी होती है। अनेक राज्य अपने स्तर पर जिलों, ब्लाकों व ग्रामसभाओं को धन आबंदन में इसका प्रयोग कर रहे हैं।

गोविंद भट्टाचार्जी
(लेखिका, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ हैं)

अतिरिक्त धन होने के बावजूद सरकारों द्वारा अधिक धन लेने की स्थाई समस्या सार्वजनिक वित्त व्यवस्था में बनी हुई है। यह सरकारी लेखों की खास प्रकृति के कारण है। सरकारी एकाउंटिंग व्यवस्था में सभी टैक्स व सरकार द्वारा लिया उधार सरकार की समेकित निधि में जाता है, जबकि सरकार द्वारा प्राप्त की गई अन्य धनराशि में प्रावीडेंट फंड व पेशन फंड में कर्मचारियों के योगदान या पोस्टआफिसों में जमा, आदि शामिल हैं। जहां वितरण समेकित निधि से बजटों के माध्यम से होता है, वहीं सरकारों का सार्वजनिक एकाउंटों में जमा और उनसे निकासी पर ज्यादा नियंत्रण नहीं होता है। सार्वजनिक एकाउंट में आने वाली शुद्ध प्राप्ति तथा सरकार का कैश बैलेंस उसके सकल राजकोषीय घाटे-जीएफडी की पूर्ति में होता है यदि समेकित निधि में प्राप्तियां कम हों। इसके साथ ही सरकार जीएफडी आवश्यकताओं के लिए कैश बैलेंस से निकाल सकती है।

इस प्रकार अतिरिक्त कैश बैलेंस सरकार द्वारा सभी स्रोतों से प्राप्त धन तथा जीएफडी आवश्यकताओं के बीच का अंतर होता है। जहां समेकित निधि से लिए जाने वाले फंड का प्रयोग आवश्यकताओं के आधार पर हो सकता है, सार्वजनिक एकाउंट में अतिरिक्त धनराशि सरकार के नियंत्रण से बाहर होती है। इसी कारण अतिरिक्त पैसे की समस्या पैदा होती है। सार्वजनिक एकाउंट के कैश बैलेंस से विलय के कारण अतिरिक्त पैसे की समस्या पैदा होती है। आरबीआई केन्द व राज्य सरकारों का बैंकर है और हर सरकार को अपने पास न्यूनतम कैश बैलेंस बनाए रखना होता है। यदि वास्तविक कैश बैलेंस किसी दिन न्यूनतम से कम हो जाता है तो इस कमी को सामान्य व विशेष तरीकों से पूरा किया जाता है।

इसका अर्थ आरबीआई से एडवांस या ओवरड्राफ्ट होता है। यदि निधारित कैश बैलेंस किसी राज्य में अधिक हो जाता है तो अतिरिक्त बैलेंस स्वत: ही भारत सरकार के 14 दिवसीय इंटरमीडियट ट्रेजरी बिलों-आईटीबी में निवेश हो जाता है। इसकी वापसी आरबीआई की रेपो दरों से बहुत कम पर तथा सरकार द्वारा बाजार से लिए कर्ज पर ब्याज से बहुत कम होती है। इस प्रकार यह सरकार पर एक नकारात्मक बोझ होता है। सार्वजनिक एकाउंटों का बैलेंस के कैश बैलेंस से विलय के बाद इसे केवल ट्रेज़री बिल में निवेश किया जा सकता है तथा ज्यादा आकर्षक उपकरणों में इसके निवेश का विकल्प उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार सरकार को बाजार से लिए उधार पर ज्यादा ब्याज देना पड़ता है, जबकि उसे अतिरिक्त कैश बैलेंस से बहुत कम आमदनी होती है। केन्द्र इस परिवर्तित खजाना-नियंत्रण खर्च व्यवस्था से अपना कैश बैलेंस अधिकतम बनाए रखने का प्रयास करता है।

राज्यों में अतिरिक्त कैश का सर्वाधिक हानिकारक व अनुमान से परे नतीजा केन्द्रीय वित्त पर पड़ता है क्योंकि सभी ट्रेज़री बिल निवेश स्वत: केन्द्र सरकार को उपलब्ध होते हैं और उस पर वित्तीय दायित्व का हिस्सा होते हैं। इनमें मुद्रास्फीति की संभावना होती है जिसका प्रभाव मैक्रोइकोनोमिक स्थिरता पर पड़ता है। सरकारी वित्त का विस्तार पूरे देश में अनेक एजेंसियों के माध्यम से होता है जिनमें मंत्रालय, विभाग, अधीनस्थ कार्यालय और ग्रांटों द्वारा वित्तपोषित स्वायत्तशासी संस्थायें-एबी शामिल हैं। प्रत्ये अपना कैश बैलेंस सरकारी एकाउंटों में रखती है जिसका प्रबंधन एसबीआई तथा अन्य राष्ट्रीयकृत बैंकों की खास शाखाओं द्वारा किया जाता है। ये आरबीआई के एजेंटों के रूप में काम करते हैं जो सरकार का बैंकर है। इसलिए यह पता करना असंभव है कि सरकार के पास किसी समय खर्च के लिए कितना कैश बैलेंस उपलब्ध है ताकि वह उधार की आवश्यकता न्यूनतम कर उधार पर खर्च घटा सके। 2010 में आईएमएफ के वर्किंग पेपर ने ट्रेज़री सिंगल एकाउंट-टीएसए का सुझाव दिया था। यह विभिन्न देशों में समेकित निधि तथा सरकारी कैश संसाधनों के प्रबंधन के उसके अनुभवों पर आधारित था। 2011 में प्रकाशित आईएमएफ के एक अन्य पेपर में टीएसए के तीन प्रमुख सिद्धान्तों का विवरण था। '1. सरकारी फंडों का समेकन प्रोत्साहित करने तथा किसी समय कैश संसाधनों का पता लगाने के लिए एकीकृत बैंकिंग व्यवस्था। 2. एक्स्क्लूसिव ट्रेज़री ओवरसाइट, यानी वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त कोई सरकारी एजेंसी को स्वतंत्र बैंक एकाउंट नहीं रखने चाहिए। 3. सभी सरकारी उद्यमों के कैश बैलेंस का पूर्ण समावेशन कर समग्र कवरेज ताकि सरकार की कैश स्थिति का समग्र स्वरूप सामने आ सके।'

भारत में टीएसए व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से स्वीकार किया गया जिसकी शुरुआत एबी से हुई। 2015 में खर्च प्रबंधन आयोग ने एबी को टीएसए के अंतर्गत लाने का सुझाव दिया ताकि सरकारी वित्तीय संसाधनों पर समग्र नजर व केन्द्रीकृत नियंत्रण स्थापित हो सके। एबी के लिए टीएसए का अर्थ आरबीआई में एक बैंक खाते से है जहां केन्द्र की सभी ग्रांट प्राप्त की जाएंगी। 2022 तक 200 से अधिक एबी को टीएसए के अंतर्गत लाया गया। इस योजना का विस्तार धीरे-धीरे राज्यों तथा क्रियान्वयन एजेंसियों तक किया गया जो केन्द्रीय क्षेत्र योजनाओं के लिए पैसा प्राप्त करती हैं जिसे केन्द्र तथा केन्द्र प्रायोजित योजनाओं-सीएसएस द्वारा पूरी तरह दिया जाता है। इनकी फंडिंग केन्द्र व राज्यों, दोनों द्वारा होती है। इनमें प्रमुख हिस्सा केन्द्र का होता है तथा क्रियान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों की होती है। 500 करोड़ से ऊपर की सीएस योजनाओं के लिए अब जरूरी है कि फंड ट्रांसफर केवल टीएसए के माध्यम से हो। प्रत्येक योजना एक केन्द्रीय नोडल एजेंसी-सीएनए से जुड़ी होती है तथा इससे जुड़ी प्रत्येक योजना का आरबीआई या उसके एजेंसी बैंक में खाता होता है। इसमें प्रयोग न की जाने वाली कोई धनराशि वित्त वर्ष के अंत में केन्द्र सरकार के पास चली जाती है। वित्त वर्ष 23 में सीएनए माध्यम से कुल 2.75 लाख करोड़ रुपये इन योजनाओं को दिए गए थे। सीएसएस के लिए प्रयुक्त टीएसए माडल को सिंगल नोडल एजेंसी-एसएनए कहा जाता है।

इसमें प्रत्येक राज्य हर सीएसएस के लिए एक एसएनए की घोषणा करता है जो एक वाणिज्यिक बैंक में एक नोडल एकाउंट खोलता है। क्रियान्वयन एजेंसी एसएनए एकाउंट का प्रयोग जीरो-बैलेंस सब्सिडी खाते के रूप में करती है जिसमें पूर्व-निर्धारित निकासी सीमा होती है। प्रत्येक सीएसएस के लिए केन्द्र का हिस्सा आरबीआई द्वारा राज्य के खाते में जारी किया जाता है जिसे बाद में एसएनए के खाते में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इस व्यवस्था से विलंब से मुक्ति मिली है और भुगतान के लिए पैसा 'समय पर' मिल जाता है। लगभग आठ लाख क्रियान्वयन एजेंसियों को जोड़ कर 3,000 से अधिक एसएनए बनाए गए हैं। सीएस व सीएसएस के लिए केन्द्रीय मंत्रालय सीएनए-एसएनए को फौरन पैसा जारी करते हैं जो उसके खाते में न्यूनतम स्तर पर रखा जाता है।

मंत्रालय केवल बजट धनराशि का चौथाई हिस्सा एक समय जारी करते हैं तथा अतिरिक्त धनराशि पहले दी गई धनराशि के 75 प्रतिशत प्रयोग होने के बाद ही जारी की जाती है ताकि बिना खर्च वाली धनराशि एकत्र होने से बचा जा सके। 2022 में शुरू किए गए एसएनए डैशबोर्ड से किसी भी समय फंड की रिलीज़, खर्च, बैलेंस व ब्याज का पता लगाया जा सकता है। इससे निर्णय लेने के लिए समुचित सूचनायें उपलब्ध होती हैं। आरबीआई की एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि कैश प्रबंधन की इस नई व्यवस्था से पहले की विखंडित बैंकिंग व्यवस्थाओं को सुधारने में सहायता मिली है। इससे सीएसएस फंड रखने वाले की संख्या 18 लाख से घट कर केवल 3,300 रह गई है तथा केन्द्र को इससे 2022-23 में 10,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है।

राज्यों को नई व्यवस्था से लाभ हो रहा है। इससे युटिलाइजेशन सार्टीफिकेट जारी होने पर और धन मिलना आसान हो गया है। बिना खर्च हुई धनराशि के डेटा से केन्द्र को राज्यवार स्थिति का पता चल जाता है। अनेक राज्यों ने अपने स्तर पर ऐसी व्यवस्था लागू करनी शुरू कर दी है जिससे वे जिलों, ब्लाकों और ग्राम पंचायतों को फंड जारी करने के पहले पुराने फंड के प्रयोग के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस नई व्यवस्था से डिलीवरी, क्षमता तथा पारदर्शिता में सुधार आया है। इससे लगभग 800 निष्प्रभावी योजनाओं का पता चला है। वित्तीय पारदर्शिता और क्षमता में सुधार के लिए केन्द्र को ऐसी निष्प्रभावी योजनाओं की संख्या में भारी कमी करनी चाहिए।

आम चुनावों में जाति जनगणना का मुद्दा

जाति जनगणना और आरक्षण ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें कोई भी राजनीतिक दल छोड़ नहीं सकता क्योंकि वे जानते हैं कि ओबीसी वोट हासिल करने के लिए ये महत्वपूर्ण हैं।

राजेश कुमार सिंह
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जैसे जैसे लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, जातीय जनगणना पर बहस अब जोर पकड़ने लगी है। अब बीजेपी को भी लगता है कि ओबीसी वोटों पर पकड़ मजबूत करने का यही एकमात्र हथियार है. यही कारण है कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक विधानसभा रैली में कहा कि भाजपा कभी भी जाति जनगणना के खिलाफ नहीं रही है। ऐसा बयान तब आया जब ओबीसी वोट बेस के उसके सहयोगियों ने खुले तौर पर जाति जनगणना के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। बिहार जाति सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में ओबीसी आबादी 63.1प्रतिशत है। मोदी सरकार चिंतित है कि जाति जनगणना प्रतिस्पर्धी मांगों को जन्म दे सकती है, जो उसके नाजुक जाति संतुलन को बिगाड़ सकती है। वहीं, बीजेपी नेताओं को भी धीरे-धीरे इस बात का एहसास हो गया है कि पार्टी इस मुद्दे पर ज्यादा दिनों तक चुप्पी साधे नहीं रह सकती. इससे पहले विपक्ष की महिला आरक्षण के अंदर ओबीसी कोटा की मांग पर भी बीजेपी के कई नेताओं की पैनी नजर है. माना जाता है कि कुछ राज्य भाजपा नेताओं, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार के नेताओं ने, भाजपा के ओबीसी वोट आधार में दरार पैदा करने के विपक्ष के प्रयासों के बारे में गंभीरता व्यक्त की है।

2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद बीजेपी ने आक्रामक तरीके से पिछड़े समुदायों को लुभाना शुरू कर दिया है. इसमें पार्टी ने पिछड़े समुदाय से आने वाले नेताओं को सांसद, विधायक और मंत्री बनाया और उन तक सरकार की बात पहुंचाने की सलाह भी दी. संसदीय समितियों को जम्मू-कश्मीर से लेकर दक्षिण तक पिछड़ी और अनुसूचित जाति-जनजाति तक जानकारी पहुंचाने को कहा गया। बीजेपी नेताओं का दावा है कि, मौजूदा लोकसभा में पार्टी के पास 113 ओबीसी, 53 अनुसूचित जाति (एससी) और 43 अनुसूचित जनजाति (एसटी) सांसद हैं, जो उसके कुल सांसदों का लगभग 70 प्रतिशत है। यह भाजपा की ब्राह्मण-बनिया-प्रभुत्व वाली पार्टी होने की लंबे समय से चली आ रही धारणा से बिल्कुल अलग है। सीएसडीएस-लोकनीति डेटा विश्लेषण के मुताबिक, ओबीसी वोटों में बीजेपी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है. 2014 में बीजेपी को 34प्रतिशत ओबीसी वोट मिले थे और फिर 2019 में ये संख्या बढ़कर 44 प्रतिशत हो गई. जबकि कांग्रेस को 1996 में 25प्रतिशत ओबीसी वोट मिले थे लेकिन 2019 में केवल 15प्रतिशत मिले। सीएसडीएस-लोकनीति विश्लेषण में यह भी पाया गया कि 2014 और 2019 के बीच गरीबों के बीच बीजेपी का वोट शेयर 12प्रतिशत बढ़ गया। गरीबों के बीच बीजेपी का वोट शेयर 12प्रतिशत बढ़ गया , निम्न वर्ग में 5प्रतिशत, मध्यम वर्ग में 6प्रतिशत और उच्च-मध्यम वर्ग में 6 प्रतिशत। वोट शेयर में बढ़ोतरी मुख्य रूप से केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के कारण हुई और लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए सरकारी नीतियों को जिम्मेदार ठहराया गया। हालांकि, अब महंगाई से मोहभंग और बढ़ती बेरोजगारी के कारण कुछ हिस्सा घट भी सकता है।

इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनाव वाले राज्य छत्तीसगढ़ में कहा, बीजेपी ने कभी भी जातीय जनगणना का विरोध नहीं किया है, लेकिन इस पर गहन विचार के बाद ही फैसला लेना होगा। इतना ही नहीं उन्होंने मुलाकात भी की। दिल्ली में कम से कम 10 राज्यों के शीर्ष ओबीसी नेताओं की बैठक आधी रात तक चली, जिसमें पिछड़े समुदायों के बीच भाजपा का समर्थन आधार बनाए रखने की रणनीतियों पर चर्चा हुई।

बीजेपी ने ओबीसी नेता नायब सिंह सैनी को हरियाणा का अध्यक्ष नियुक्त किया. सैनी ने ओम प्रकाश धनखड़ की जगह ली है, जो प्रभावशाली जाट समुदाय से हैं। अमित शाह ने तेलंगाना में ऐलान किया कि अगर बीजेपी राज्य में सत्ता में आई तो पिछड़े वर्ग से किसी नेता को मुख्यमंत्री बनाएगी।

शाह का बयान जाति जनगणना मुद्दे पर भाजपा के रुख से एक बदलाव था, जिसमें पार्टी किसी भी तरह से खुद को प्रतिबद्ध नहीं करने के लिए सावधान थी। ऐसा तब हुआ जब ओबीसी वोट आधार वाले उनके सहयोगी खुलेआम जाति जनगणना के लिए समर्थन की घोषणा कर रहे थे। ऐसी गणना से, सबसे पहले, ओबीसी की संख्या उस आरक्षण के हिस्से से कहीं अधिक होने की उम्मीद है जिसके वे वर्तमान में हकदार हैं।

भाजपा चिंतित है कि जाति जनगणना राज्यों में प्रतिस्पर्धी मांगों को जन्म दे सकती है और कोटा की अन्य भूली हुई मांगों को भी भड़का सकती है, जिससे उसका नाजुक जाति संतुलन बिगड़ सकता है। उन्हें एहसास हो गया है कि पार्टी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे नहीं रह सकती. बीजेपी की नजर इस पर है, वहीं कांग्रेस अपनी भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी को हाशिये पर पड़े लोगों के हितैषी नेता के तौर पर स्थापित करने में काफी सफल रही है।

बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने मध्य प्रदेश के लोगों से जाति जनगणना की कांग्रेस की मांग से गुमराह नहीं होने को कहा। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि आजादी के बाद, कांग्रेस शासन के तहत, काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी। लेकिन कांग्रेस ने उन पर अमल नहीं किया. अमित शाह ने जाति जनगणना के आह्वान का राजनीतिकरण करने की कोशिश की है। इसी तरह, प्रधान मंत्री मोदी ने भी दावा किया है कि गरीब ही एकमात्र जाति है जो प्रासंगिक है।

हालांकि, बिहार जाति सर्वेक्षण के निष्कर्ष जारी होने के तुरंत बाद, वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने दावा किया कि सर्वेक्षण भाजपा का बच्चा था क्योंकि पार्टी उस गठबंधन सरकार का हिस्सा थी जिसने इसे आयोजित करने का निर्णय लिया था। एनडीए के कुछ सहयोगियों ने भी किया है।

आप की बात

नई बैटरियां

माइक्रोसाफ्ट ने कहा है कि बैटरी की दुनिया में नई क्रांति की उम्मीद है। अब तक बैटरी की निर्भरता लीथियम पर थी जिसे कम किया या पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि वैज्ञानिकों की एक टीम ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग से 32.6 मिलियन संभावित बैटरी सामग्रियों का पता लगाया है जिनमें से कई प्रकृति में नहीं पाई जाती हैं। बैटरियों की नई पीढ़ी बनाने के महत्वाकांक्षी प्रयास से जहरीले और पर्यावरणीय रूप से हानिकारक लीथियम पर निर्भरता को 70 प्रतिशत तक कम किया जा सकेगा। वर्तमान समय में इस क्रांतिकारी खोज की सख्त जरुरत थी। वायुमंडल एवं पर्यावरणीय प्रदूषण को दुनिया भर के देश चाह कर भी कम नहीं कर पा रहे हैं। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री भी पशोपेश में हैं कि उनका भविष्य क्या होगा। यदि जीवाश्म ईंधन का उपयोग पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाये तो उसके स्थान पर बैटरियों पर निर्भरता बढ़ जाएगी। लीथियम के भंडार सीमित होने के कारण बैटरियों के निर्माण में अन्य सामग्री के प्रयोग की संभावनायें ऐसी स्थिति में निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। इसके साथ ही वाहनों में प्रयोग करने वाले नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन तलाशने की दिशा में प्रगति होनी चाहिए।

- **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

भारत में शहरी विकास

विश्व की सबसे तेजी से विकास करती अर्थव्यवस्था भारत में शहरी विकास महत्वपूर्ण है। अनुमान है कि भारत के शहर इस दशक के अंत तक देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग सत्तर प्रतिशत योगदान दे रहे होंगे। भारत में शहरीकरण बहुत तेजी से हो रहा है। गांव से पलायन होकर लोग लगातार शहरों में आ रहे हैं। ऐसे में वह लोग शहर से सिर्फ अच्छी सुविधा, अच्छा स्वास्थ्य और अच्छी शिक्षा की मांग करते हैं। लेकिन शहरीकरण से संबंधित बहुत सारी चुनौतियां हैं। इनमें सड़कों पर भीड़, बढ़ रहा प्रदूषण, मालिन बस्तियों का विकास और शहरी प्रवासन, बाढ़ और अवसंरचनात्मक चुनौतियां एवं शहरी स्थानीय निकायों से जुड़ी समस्यायें शामिल हैं। हालांकि सरकार ने अनेक पहलें की हैं। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और अमृत मिशन आदि शामिल हैं। वर्तमान में देश को भारत शहरी आयोग की आवश्यकता है जो समावेशी तरीके से शहरी विकास के लिए उत्तरदाई हो। कई राज्य सरकारों ने नए शहर बनाने तथा छोटे शहरों के समान्वित विकास की योजनायें बनाई हैं। ऐसी योजनाओं को सर्व-समावेशी बनाने की आवश्यकता है।

- **सुदर्शन सोराड़ी,** नानकमत्ता

राहुल की यात्रा

भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी की आगामी भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यात्रा का एकमात्र उद्देश्य वायनॉड सांसद को रिलॉन्च या रिब्रांड कर कांग्रेस को पुनर्स्थापित करने का प्रयास है। इसके बजाय तो इंडिया गठबंधन जोड़ो यात्रा निकाली जानी चाहिए थी। कांग्रेस में पिछले 10 वर्षों में काफी बिखराव आया है। अब उसे जरुरत है एक बड़े संगठन की जो भाजपा से मुकाबला कर सके। विडंबना है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दल अपने-अपने दावे कर रहे हैं। इनसे सीटों पर समझौता फिलहाल खटाई में फंसता दिख रहा है। आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस या अन्य दल अपने-अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारने की बात कह रहे हैं। एक वरिष्ठ जदयू नेता ने भी राहुल की यात्रा के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनको इस समय विपक्षी दलों के बीच समन्वय के लिए दिल्ली में मौजूद रहना चाहिए। उनका मानना है कि यदि सभी विपक्षी दल इस यात्रा में शामिल होते तो भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने में आसानी रहती। लेकिन कांग्रेस तो केवल राहुल की छवि चमकाने में लगी है।

- **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

सोशल मीडिया की दुनिया

भारत में सोशल मीडिया से करोड़ों लोग जुड़े हुए हैं। कुछ लोगों के लिए यह अपने मन की बात कहने या किसी जुल्म को बयां करने का सशक्त माध्यम बन गया है। कई बाथरूम गायकों को अपनी क्षमता सोशल मीडिया पर दिखाने का अवसर मिलता है। लेकिन सोशल मीडिया से जुड़े 50 प्रतिशत से अधिक लोग लगभग निष्क्रिय हैं। वह अपने अकाउंट रेगुलर खोलते नहीं और खोलते भी हैं तो किसी को लाइक करना उन्हें गवारा नहीं। ऐसे लोगों से किसी पोस्ट की तो अपेक्षा करना ही बेकार है। यह निष्क्रिय भीड़ हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को 30 दिन से अधिक निष्क्रिय कंटेंट को बाहर करने का नियम बनाना चाहिए। सोशल मीडिया विज्ञापन का भी बड़ा माध्यम बन गया है। कम दाम में कई बड़ी कंपनियों से लेकर छोटे व्यापारी इसका उपयोग अपना व्यापार बढ़ाने में कर रहे हैं। इसके अलावा यहां साइबर ठगों की भी बन आई है। इस रोकने के लिए भी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को उचित कार्रवाई करनी चाहिए। सोशल मीडिया में निरंतर सुधार जरूरी हो गया है।

- **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

यूरोप से लेकर अमेरिका तक राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की धूम

- अमेरिका के विभिन्न शहरों में निकाली जा रही कार रैली, लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी
- मुस्लिम बाहुल्य देशों में भी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का होगा लाइव टेलीकास्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के भव्य शुभारंभ और श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की सिर्फ उत्तर प्रदेश और देश में ही नहीं बल्कि यूरोप से लेकर अमेरिका तक धूम है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में रामोत्सव को लेकर उत्तर प्रदेश में जो तैयारी शुरू हुई थीं, वो अब धीरे-धीरे पूरे देश और विदेशों तक पहुंच रही हैं। इस आयोजन को लेकर पूरी दुनिया में उत्सव का माहौल बन चुका है। ये उत्सव अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर से लेकर यूरोप के एफ्लि टावर तक देखने को मिलेंगे। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 21 जनवरी को राम रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पूरे यूरोप से एक हजार लोग एकत्रित होंगे। साथ ही एफिल टावर के पास उत्सव मनाया जाएगा। इसी तरह अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर राम मंदिर भूमि पूजन की तर्ज पर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। नॉर्थ अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन व दीपोत्सव के आयोजन का फैसला लिया गया है। यही नहीं अमेरिका में कैलिफोर्निया के साथ ही वाशिंगटन, शिकागो और अन्य शहरों में विशाल कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्राण प्रतिष्ठा भारतीय समयानुसार दोपहर लगभग 12.30 बजे होगी। उस समय पेरिस में सुबह और अमेरिका में देर रात का समय होगा।

हिंदुओं के आराध्य भगवान राम के मंदिर की स्थापना का जो सपना राम भक्तों ने देखा था वो 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अब साकार होने जा रहा है। ऐसे में दुनिया भर के रामभक्त इस अवसर पर अपने-अपने तरीके से जश्न मना रहे हैं। इसी क्रम में 21 जनवरी 2024 को पेरिस में राम रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर पेरिस में रहने वाले अविनाश मिश्रा नाम के यूजर ने राम रथ यात्रा के बारे में डिटेल साझा की है। उन्होंने लिखा है, फ्रांस में रहने वाले हम भारतीय पूरे पेरिस में राम रथ यात्रा और एफिल टावर पर बड़े पैमाने पर उत्सव का आयोजन करके अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण अवसर पर शामिल होंगे। अविनाश ने अपनी पोस्ट में राम रथ यात्रा का पूरा मैप भी शेयर किया है जबकि पेरिस में रहने वाले राम भक्तों से इस आयोजन में सम्मिलित होने का अनुरोध भी किया है। उनकी इस पोस्ट को राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ने भी रीट्वीट किया और लिखा कि अयोध्या में जन्मस्थान पर भगवान श्री रामलला सरकार की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनना सभी रामभक्तों के लिए एक आशीर्वाद है।

हिंदू मंदिर एमपावरमेंट काउंसिल ने नॉर्थ अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन व दीपोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया है। विगत कई हफ्तों में वाशिंगटन, शिकागो और दूसरे अमेरिकी शहरों में राम मंदिर के जश्न में कार रैलियां निकाली गई हैं। आयोजकों ने अब कैलिफोर्निया में कार रैली निकालने की योजना बनाई है। उनका कहना है कि वे अयोध्या नहीं आ सकते हैं लेकिन भगवान राम उनके दिलों में हैं और उनकी घर वापसी में उनकी अटूट श्रद्धा है।

यही नहीं, 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर पर भी किया जाएगा। इससे पहले 5 अगस्त 2020 को राम मंदिर के भूमि पूजन को चिन्हित करते हुए टाइम्स स्क्वायर पर राम मंदिर का एक डिजिटल बिलबोर्ड चलाया गया था। अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन पर न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम ने कहा है कि अगर हम न्यूयॉर्क शहर में हिंदु समुदाय को देखें तो यह कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण है। यह उन्हें जश्न मनाने और अपनी आध्यात्मिकता को ऊपर उठाने का मौका देता है। विश्व हिंदू परिषद ने भी कई देशों में आयोजन की रूपरेखा तैयार की है। इसके अनुसार दुनिया के 50 से ज्यादा देशों में बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन स्थानों पर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लाइव दिखाया जाएगा। अमेरिका में 300, ब्रिटेन में 25, ऑस्ट्रेलिया में 30, कनाडा में 30, मॉरीशस में 100 के अलावा आयरलैंड, फिजी, इंडोनेशिया और जर्मनी जैसे 50 से अधिक देशों में बड़े पैमाने पर रामलला प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा।

पेरिस में 21 जनवरी को निकाली जाएगी राम रथ यात्रा, पूरे यूरोप से जुटेंगे लोग

गोरखपुर महोत्सव की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिखेगी रामोत्सव की छटा

- पर्यटन मंत्री आज करेंगे महोत्सव का शुभारंभ, शनिवार को औपचारिक समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्रीरामोत्सव की छटाएं 11 जनवरी से होने जा रहे गोरखपुर महोत्सव की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भी दिखेगी। मंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अधिकांश प्रस्तुतियां भगवान श्रीराम पर केंद्रित नजर आएंगी। महोत्सव का उद्घाटन गुरुवार को प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह करेंगे जबकि शनिवार को इसके औपचारिक समापन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे।

22 जनवरी को अयोध्या के नव्य-भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रीरामोत्सव का उल्लास पूरे देश में छाया हुआ है। श्रीराम मंदिर को लेकर हुए आंदोलन को निर्णायक दिशा देने वाली गोरक्षपीठ की धरा पर तो इस उल्लास के रंग और चटक हो रहे हैं। गोरखपुर के सांसद और मशहूर सिने स्टार रविकिशन शुक्ल का कहना है कि गोरखपुर महोत्सव का आयोजन भी इसी राममय समय में हो रहा है। ऐसे में चंपा देवी पार्क मैदान में हो रहा यह महोत्सव ज्ञान, मनोरंजन के साथ रामोत्सव के रंग में भी सराबोर होने जा रहा है। महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के इतिहास पर केंद्रित प्रदर्शनी लगाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं। इस प्रदर्शनी में श्रीराम मंदिर आंदोलन और गोरक्षपीठ की भूमिका भी स्वाभाविक रूप से नजर आएगी। चूंकि इस समय पूरे देश में श्रीराम पर आधारित गानों, भजनों की धूम मची हुई है, लिहाजा गोरखपुर महोत्सव में भी स्थानीय से लेकर विख्यात कलाकारों की प्रस्तुतियां राममय ही रहने की उम्मीद है। पहले दिन योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में नाटक राम की लीला और लोकनायक तुलसीदास का मंचन भी श्रीराम के रंग में रंगा होगा।

नहीं थमेगी अयोध्या की रफ्तार बाधाओं को दूर कर रही प्रदेश सरकार

- फाटक बंद, अयोध्या ठप वाली स्थिति से मिलेगी पूरी तरह से निजात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दशकों तक सत्ताधीशों द्वारा सुनियोजित उपेक्षा का शिकार रही अयोध्या नगरी बीते सात साल से सुव्यवस्थित विकास की भी गवाह बनी है। सड़क, वायु और जलमार्ग के जरिए बेहतरीन कनेक्टिविटी की ओर बढ़ रही अयोध्या नगरी में आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की आवाजाही होना तय है। इस दौरान जनपद को जाम के झाम से निजात दिलाने के लिए ना सिर्फ सड़कों के चौड़ीकरण का कार्य तेज गति से किया जा रहा है, बल्कि जगह-जगह मौजूद रेलवे फाटकों पर लगने वाले जाम से भी निजात दिलाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। वर्षों से रेलवे क्रॉसिंग पर फाटक बंद होते ही जाम के झाम से कराहने वाली अयोध्या नगरी को इस साल 5 नये आरओबी की सौगात मिलेगी। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी बुआ रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी का लोकार्पण किया है। वहीं 5 और आरओबी बन जाने से अयोध्या 6 नये रेलवे उपरिगामी सेतुओं वाला जनपद बन जाएगा।

अयोध्या में नेशनल हाईवे 27 बाईपास से रामपथ तक रेल समपार संख्या 111 बी पर आरओबी का निर्माण अप्रैल 2022 को शुरू हुआ। इस आरओबी का निर्माण 31 जनवरी तक पूरा किया जाना है। 638.44 मीटर लंबे फोर लेन रेल उपरगामी सेतु का निर्माण उप्र लोक निर्माण विभाग और भारतीय रेलवे द्वारा किया जा रहा है। इसमें रेलवे भाग की लंबाई 76 मीटर है। वहीं सेतु के कैरज-वे की चौड़ाई 15 मीटर है। इसके दोनों ओर 5ड50 मीटर चौड़ाई में सर्विस रोड का निर्माण भी किया जा रहा है। इसकी लागत 140.63 करोड़ रुपए है। इसी प्रकार एनएच-30 पर दर्शन नगर के समीप समपार संख्या 107 ए/2टी पर आरओबी का निर्माण कार्य भी तेज गति से चल रहा है। फोर लेन इस आरओबी की लंबाई 614.11 मीटर है। इसमें रेलवे भाग की लंबाई 52 मीटर है। 97.26 करोड़ की लागत से इस आरओबी का निर्माण कार्य हो रहा है। इस सेतु के कैरेज-वे की चौड़ाई 15 मीटर है, जबकि इसके दोनों तरफ3.75 मीटर चौड़ाई में सर्विस रोड का निर्माण किया जा रहा है। मई 2022 से शुरू हुए इस प्रोजेक्ट को भी 30 जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य है।

अयोध्या की रफ्तार को ब्रेक ना लगे इसके लिए चौदहकोसी परिक्रमा मार्ग पर सूर्य कुंड के समीप समपार संख्या 105 पर आरओबी का निर्माण कार्य चल रहा है। 675 मीटर वाला ये सेतु 2 लेन का होगा। इसमें रेलवे भाग की लंबाई 168 मीटर है जबकि इसके कैरज-वे की चौड़ाई 7.50 मीटर है। सेतु के दोनों तरफ 3.75 मीटर चौड़ाई में सर्विस रोड का भी निर्माण किया जा रहा है। इसकी लागत 101.57 करोड़ रुपए है, जिसे उप्र लोक निर्माण विभाग एवं भारतीय रेलवे के सहयोग से तैयार किया जा रहा है।

कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए दूसरे जिलों से भी बुलाए गए अफसर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्थानीय निकाय निदेशालय की ओर से अयोध्या में सहायक नगर आयुक्त की लगाई गई ड्यूटी

22 जनवरी को अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर के शुभारंभ के साथ ही श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा को अब महज 12 दिन ही शेष हैं। ऐसे में योगी सरकार ने तैयारियों में तेजी लाने और उनकी निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर दूसरे जनपदों के अधिकारियों को तैनात किया है। इन अधिकारियों को तत्काल अयोध्या में अपनी जिम्मेदारी संभालने के साथ-साथ 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम की व्यवस्था देखने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 22 जनवरी को होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में पीएम मोदी और सीएम योगी समेत देश और दुनिया से करीब 10 हजार मेहमान इसमें हिस्सा लेंगे। ऐसे में योगी सरकार कार्यक्रम में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती है। उत्तर प्रदेश नगर विकास विभाग के तहत नगरीय निकाय निदेशालय की ओर से विभिन्न अधिकारियों को अयोध्या में 22 जनवरी के कार्यक्रम की जिम्मेदारी दी गई है। नगरीय निकाय के निदेशक नितिन बंसल द्वारा इस संबंध में संबंधित अधिकारी एवं उस नगर निगम के नगर आयुक्त को पत्र लिखकर सूचित किया गया है। इसी क्रम में नगर निकाय निदेशालय में संबंद्ध अंगद गुप्ता को अयोध्या में सहायक नगर आयुक्त के रूप में कार्यक्रम के सकुशल संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है और उन्हें तत्काल प्रभाव से अयोध्या में ड्यूटी ज्वॉइन करने के लिए कहा गया है। इसी तरह, नगर निगम कानपुर के अधिशासी अभियंता (ट्रैफिक) आरके तिवारी को अयोध्या में अधिशासी अभियंता (ट्रैफिक) की ड्यूटी पर भेजा गया है। उन्हें नगर आयुक्त, नगर निगम अयोध्या को रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए कानपुर, मुरादाबाद, देवरिया, लखनऊ, सुल्तानपुर, बस्ती, बहराइच, गोण्डा और वाराणसी से भी कई अधिकारियों को अयोध्या में तैनात किया गया है।

मंदिर के निमित्त सौंपा गया 2400 किलो का घंटा

- दस किमी तक जाएगी आवाज, 51 किलो के सात और घंटे भी दिए गए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

एटा के जलेसरवासियों की तरफ से बुधवार को राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट को 2400 किलो का घण्टा सौंपा गया। दावा किया जा रहा है कि एक ही ढलाई में बने इस घंटे की आवाज़ दस किलोमीटर तक जाएगी। इसके साथ ही 51 किलो के सात और घंटे भी सौंपे गए।

पांच सौ रामभक्तों के साथ अयोध्या आए आदित्य मित्तल, मनोज, रिशांक, प्रशांत मित्तल आदि पहुंचे। इन लोगों ने कारसेवकपुरम पहुंचकर मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय, विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश चंद्र, राजेन्द्र सिंह, पंकज आदि को सभी घंटे मंदिर के निमित्त सौंपे।

अयोध्या को तेजी से स्वच्छतम नगरी बनाने के लिए 800 सफाई मित्रों की तैनाती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

- मकर संक्रांति से लेकर 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दृष्टिगत साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था हो रही सुनिश्चित

रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं के बढ़ते आवागमन को देखते हुए सीएम योगी के विजन के अनुसार 800 सफाई मित्रों की तैनाती की जाएगी। मकर संक्रांति पर सरयू के पवित्र घाटों पर डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं की संख्या तथा 22 जनवरी को रामजन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद लगने वाले लाखों श्रद्धालुओं के जमावड़े को देखते हुए अयोध्या नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस संबंध में अयोध्या नगर निगम द्वारा टेंडरिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। इस टेंडरिंग प्रक्रिया के जरिए एजेंसी का निर्धारण होगा जो 800 सफाई कर्मियों की तैनाती के साथ ही उनकी कार्य प्रणाली पर भी नजर रखने का कार्य करेगा तथा सभी सफाई प्रक्रिया को पूर्ण कराने के लिए अयोध्या नगर निगम की टीम संबंधित एजेंसी के साथ संवाद कायम कर प्रक्रिया को पूर्ण कराएगी।

जैसे-जैसे अयोध्या आने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ रही है, शहर को उन सुविधाओं और सेवाओं की बढ़ती मांग का सामना करना पड़ रहा है जो उनकी जरूरतों को पूरा कर सकें। ऐसे में सीएम योगी के विजन के अनुसार अयोध्या नगर निगम का प्रयास है कि मकर संक्रांति से लेकर प्राण-प्रतिष्ठा अवधि के दौरान साफ-सफाई के लिए उचित जनशक्ति सफाई मित्रों की तैनाती से पूरा किया जाएगा। इस जनशक्ति की तैनाती 2 महीने की सीमित अवधि के लिए 24 गुणे 7 होगी। इस दौरान अस्थायी 8 घंटे की परिचालन शिफ्ट में कार्य होगा, जिसमें सुबह छह बजे से दोपहर दो बजे तक पहली शिफ्ट, दोपहर दो बजे से रात्रि 10 बजे तथा रात्रि 10 बजे से प्रात: छह बजे तक आवश्यकतानुसार जनशक्ति को कार्य पर लगाया जाएगा, जिसमें मांग के अनुसार परिवर्तन भी किया जा सकता है। सभी सफाई मित्रों की ड्यूटी केवल सड़क की सफाई, मध्य सफाई, घाट की सफाई, शौचालय की सफाई, कार्यालय, मैदान, सुविधा स्थलों की सफाई आदि तक ही सीमित नहीं होगी। कार्य मुख्य स्वच्छता द्वारा सौंपा जाएगा।

उन्हें नगर निगम के निरीक्षक द्वारा सभी अनिवार्य नियमों की पूर्ति सुनिश्चित करनी होगी और नगर निगम को किसी भी अधिनियम-नियमों की पूर्ति/ गैर-अनुपालन के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी कानूनी/ प्रशासनिक परिणाम से क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी। इन सभी कर्मियों की आयु सीमा सरकारी मानदंडों के अनुरूप होगी तथा ड्यूटी घंटों के दौरान उचित पहचान के साथ पूर्ण वर्दी में रहेंगे। सर्दी और गर्मी के महीनों में उनके लिए अलग-अलग वर्दी का भी प्रावधान किया गया है।

सुरक्षित यातायात और सुसंस्कृत व्यवहार के जरिए पर्यटकों के दिल में जगह बनाएगी अयोध्या

लखनऊ/अयोध्या। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा और उसके बाद आने वाली भीड़ के मद्देनजर योगी सरकार के आह्वान पर 'मेरा चालक, मेरा मान' अभियान का आगाज किया गया। इसके जरिए अयोध्या में सुरक्षित यातायात और सुसंस्कृत व्यवहार की सीख दिलाई गई। सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) ऋतु सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में चालकों, वाहन स्वामियों, विभिन्न व्यवसायिक वाहनों के यूनियन और एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठकें की गई।

फिर जन सम्पर्क कर पैम्पलेट के माध्यम से चालकों में सुरक्षित यातायात और सुसंस्कृत व्यवहार विकसित करने की मुहिम छेड़ी गई। इस अभियान को 'मेरा चालक, मेरा मान' अभियान नाम दिया गया है, जिसके माध्यम से अयोध्या में दर्शनार्थी और पर्यटकों के आने के दृष्टिगत सम्भाग के समस्त चालकों में यह जागरूकता विकसित की जा रही है कि पर्यटकों और अयोध्या आने वाली समस्त जनता व यात्रियों के साथ सौम्य, शिष्ट व मृदुल व्यवहार करें। यात्रा शुरू होने से पूर्व अभिवादन करें।

व्यवसायिक वाहनों के चालक स्वच्छ व नियमानुसार वर्दी धारण करें। वाहन के समस्त प्रपत्र अद्यतन वैध, अपडेट रखें यथा-टैक्स, फिटनेस, परमिट, परमिट अंऑथराइजेशन (जहां लागू हो), लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण रहित प्रमाण पत्र, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट आदि रखें, जिससे पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात भी सुरक्षित हो। महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को यात्रा में कोई असुविधा होने पर उनकी मदद की जाए एवं उनके गन्तव्य स्थान तक पहुंचने में उनकी सहायता की जाए। आगन्तुकों से निर्धारित रेट से अधिक किराया न वसूला जाए। डैशबोर्ड पर वाहन स्वामी, चालक का नाम व मोबाइल नम्बर अवश्य प्रदर्शित हो। चालक धूम्रपान, गुटखा आदि का सेवन न करें व वाहनों को भी साफ-सफाई के साथ रखे। वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगे हों, जिससे रात्रि के समय कोहरा व धुंध में वाहन ठीक से प्रदर्शित हों।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर परिवहन विभाग का टोल-फ्री नम्बर 18001800151 वाहनों पर प्रदर्शित हो। वाहनों पर क्षमता से अधिक यात्री या भार ओवरलोडिंग न की जाए। अन्यथा प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की जाए। वाहन चालक ड्रंकेन ड्राइविंग कदापि न करें। प्रवर्तन अधिकारी अभियान चलाकर चेकिंग करें। निजी वाहनों का कमर्शियल प्रयोग न किया जाए। यात्री व विभिन्न विभाग भी ध्यान रखें कि निजी वाहन का वाणिज्यिक प्रयोग पाये जाने पर ऐसे वाहनों का चालान किया जा सकता है। अत: टैक्सी वाहनों को ही किराये या अनुबन्ध पर लें और असुविधा से बचें। माल वाहनों में सवारियों न ढोई जाएं।

रामलला की किलकारियों के साक्षी रहे दशरथ महल का कायाकल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

- रैन बसेरा, यात्री सहायता केंद्र तैयार, आध्यात्मिक गंगा में डुबकी लगवाएगा सत्संग भवन, नई अनुभूति कराएगा प्रवेश द्वार

चाहे वाल्मीकि रामायण हो, महान कवि तुलसीदास कृत रामचरित मानस हो या चलचित्र के आधुनिक रूपांतरण रामानंद सागर कृत रामायण ही क्यों न हो, रामलला के बाल्यकाल के सुलभ हठए किलकारियां, हंसने-मुसकुराने, रोने-मनाने की लीलाओं का संबंध जिस महल के प्रांगण से था, त्रेतायुग से लेकर आज तक भी वह यथावत है।

22 जनवरी को रामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, तो उसी सुकोमल राजपुष्प के कदमों की आहट एक बार फिर सुनने के पूर्व दशरथ महल का यह प्रांगण भाव विह्वल हो उठा है। उन सरकारों से क्या उम्मीद की जाए, जो कभी सुप्रीम कोर्ट में राम के अस्तित्व पर ही सवाल उठा दिया करती थीं। अखिलेश सरकार में दशरथ महल के जीर्णोद्धार की कोशिशें तो हुईं मगर यह फाइलों में सिमट कर रह गईं। कभी एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर तो कभी एक मेज से दूसरे मेज, कभी बजट का बहाना तो कभी इच्छाशक्ति की कमी। इसका असर यह हुआ कि 31 मार्च 2013 में पहली बार दशरथ महल के जीर्णोद्धार के लिए करीब 2.4 करोड़ का प्रावधान हुआ पर इच्छाशक्ति के अभाव, लालफीताशाही और हीलाहवाली के कारण जीर्णोद्धार का इंतजार बढ़ता गया पर जब महंत योगी आदित्यनाथ सीएम बने तो 16 फरवरी 2021 को लिए गए उनके फैसले ने दशरथ महल से अनदेखी के बादलों को दूर कर नव वैभव की आभा से दैदीप्यमान करने का मार्ग प्रशस्त किया। हम बात कर रहे हैं उसी दशरथ महल की, जहां माता कौशल्या की गोद में पैजनिया पहने ठुमक कर चलते सकल ब्रह्मांड के नायक अपने पिता से चांद पाने का हठ कर लेते हैं और पिता थाली में जल सजाकर दर्पण के रूप में चंद्रमा के प्रतिबिंब को रामलला के लिए साकार कर देते हैं। चंद्रमा को देख पल भर में राम का रुदन पुलकित किलकारियों में परिवर्तित हो गया, जिसकी प्रतिध्वनि से पूरा महल गुंजायमान हो उठता था। क्या माता-क्या पिता, क्या राजा-क्या प्रजा, पुलकित आह्लादित उस सुकुमार के दैदीप्य मुखमंडल पर अपना सब कुछ हार जाने वाली अयोध्या का साक्षी रहा यह खास महल तबसे लेकर अब तक विद्यमान है। इस महल ने त्रेतायुग में साकार राम को देखा और अब कलि काल में भी जल्द ही अपने प्रिय लला को पुनर्प्रतिष्ठित होने की घड़ी देखने वाला है। यह वही दशरथ महल है, जो 500 साल के पराभव काल के दौरान भी मौजूदा रामजन्म भूमि क्षेत्र पर श्रीराम के मंदिर होने के साक्ष्यों की गवाही देता रहा। वर्षों की उपेक्षा के बाद योगी सरकार के प्रयास ने इस महल रूपी मंदिर को गौरवशाली आभा प्रदान की है।

31 मार्च 2013 को पहली बार दशरथ महल के सौंदर्यीकरण का प्रावधान यूपी सरकार ने किया लेकिन 2017 तक प्रक्रिया जटिल कागजी प्रणाली में उलझकर रह गई। कभी एस्टिमेट बनते तो कभी फाइल, एक टेबल से दूसरे टेबल तक जाने का यह क्रम चलता रहा। इस क्रम को बदलने का कार्य किया योगी आदित्यनाथ ने। योगी सरकार ने दशरथ महल के जीर्णोद्धार व सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को अमली जामा पहनाते हुए करीब तीन करोड़ रुपये के जरिए सत्संग भवन, प्रवेश द्वार, रैन बसेरा व यात्री सहायता केंद्र के निर्माण-पुनरोद्धार व सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को मूर्त रूप देना प्रारंभ किया। योगी सरकार ने करीब तीन करोड़ रुपये खर्च कर इसे सुसज्जित कर दिया। दशरथ महल में रैनबसेरा, यात्री सहायता केंद्र, प्रवेश द्वार व सत्संग भवन का कार्य कराने के लिए धन अवमुक्त किया गया था। रैन बसेरा, यात्री सहायता केंद्र का कार्य 2023 में पूर्ण हो चुका है। प्रवेश द्वार भी लगभग पूर्णता की ओर है। पहले यहां सत्संग भवन में केवल संरचना का कार्य पूर्ण हुआ था पर अब यह सत्संग भवन भी 22 जनवरी के पहले बनकर तैयार हो जाएगा। 650 स्कवायर मीटर में बने सत्संग भवन में मिट्टी, लेवलिंग, टाइल्स, फ्लोरिंग, विंडो, दरवाजे लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है। उप्र निर्माण निगम की देखरेख में सत्संग भवन में मंच भी तैयार हो चुका है। एई बीवी निरंजन के मुताबिक सत्संग भवन में लगभग 300 से 350 सत्संगी एक साथ कीर्तन.भजन की गंगा में डुबकी लगा सकेंगे। एक दिसंबर से शुरू हुआ निर्माण कार्य 22 जनवरी के पहले हर हाल में पूर्ण हो जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा व संक्रान्ति के दृष्टिगत चलाया गया सघन चेकिंग अभियान

कानपुर देहात। मकर संक्रान्ति व प्राण प्रतिष्ठा पर्व को सकुशल व शान्ति पूर्वक सम्पन्न कराने के लिये जनपद की खुफ्यि पुलिस ने जनपद के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों, बाजारों व कस्बों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। लोगों को सुरक्षा के लिये डाग स्क्वायड के साथ आश्वस्त किया गया। रामजन्मभूमि पर 22 जनवरी को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन पर अराजक व संदिग्ध तत्वों की कारगुजारी व हरकतों पर लगाम लगाने के लिये एसपी बीबीजी टीएस मूर्ति के निर्देश पर एलआईयू, डाग स्क्वायड, एसओजी की संयुक्त टीमों ने जनपद के झींझक रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान चलाया, टीम ने संदलपुर, डेरापुर, सहित अन्य स्थानों पर भी सघन चेकिंग अभियान चलाया तथा संदिग्ध लोगों से कडाई से पूँछताँछ की। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व मकर संक्रान्ति पर्व को देखते हुये जनपद की पुलिस एलर्ट अवस्था में है, आकस्मिक चेकिंग अभियान के साथ संदिग्धों पर पैनी नजर रक्खी जा रही है।

विशेष सघन चेकिंग अभियान

कानपुर देहात। शासन की शीर्ष प्राथमिकता है कि समाज अपराध मुक्त हो, अपराधियों पर नियंत्रण लगाया जाये और त्वरित कार्यवाही की जायेए इसी दिशा में डीएम व पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देशों व सक्रियता से जनपद में अवैधरूप से भ्रमण कर रहे वाहन बुलेरो नं0 6938 जिस पर मजिस्ट्रेट, नीली बत्ती, हूटर, जिला प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार लिखा हुआ था, जिसका वाहन चालक रामजी यादव पुत्र दीवान सिंह यादव उम्र करीब 26 वर्ष निवासी अन्ने निहुटा थाना शिवली में गिरफ्तार किया गया है। जनपद कानपुर देहात में अपराध नियन्त्रण की दिशा में घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष सघन चेकिंग अभियान के परिणामस्वरूप ही यह घटना प्रकाश में आयी, बैरी तिराहे पर चेकिंग के दौरान समय 08:30 बजे अभियुक्त को वाहन सहित गिरफ्तार किया गया एवं नियमानुसार कार्यवाही करते हुये अभियुक्त व वाहन को थाना शिवली पर दाखिल कर मुअसं 14/2024 अन्तर्गत धारा 420, 170 भादवि पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को नियमानुसार मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। गिरफ्तार अभियुक्त रामजी यादव के विरुद्ध मुअसं 14/2024 धारा 420/170 भादवि के अंतर्गत आपराधिक इतिहास दर्ज है।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत, बाइक का अता पता नही

मौदहा, हमीरपुर। मौदहा क्षेत्र में बुधवार को तड़के डंपर की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक बुरी तरह घायल हो गये जिसमे सीएचसी में भर्ती कराने के बाद मृत घोषित कर दिया गया है। घटना के बाद युवकों की दुर्घटनाग्रस्त बाईक का अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। मौदहा कस्वा निवासी रोहित श्रीवास (25) पुत्र स्वर्गीय कामता प्रसाद व आकाश (28) पुत्र अजय कुमार श्रीवास शरीफउद्दीन उर्फराजा (16) पुत्र रमजान अली नगर के मुस्कान डीजे एवं लाइट के प्रतिष्ठान में काम करते हैं। मंगलवार की देर रात सभी खन्ना से अपना काम निपटा कर बाईक द्वारा मौदहा लौट रहे थे तभी तड़के नरायच गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिसमें शरीफउद्दीन व रोहित के गंभीर चोंटे आने के चलते उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल आकाश को कोतवाली पुलिस की मदद से लहूलुहान हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने उसकी हालत नाजुक देख उसका प्राथमिक उपचार कर उसे मुख्यालय रेफर कर दिया। जब आकाश परिजन उसे ईलाज के लिए कानपुर लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में मौत हो गई। इस घटना की जानकारी होते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद रोहित और शरीफउद्दीन एक जगह पड़े थे जबकि आकाश लगभग 300 मीटर दूर पड़ा हुआ था। पुलिस को घायल युवकों की दुर्घटनाग्रस्त बाईक मौके पर नहीं मिल सकी है। पुलिस को घटनास्थल पर बाईक की सीट व नंबर प्लेट कुछ दूरी पर मिले हैं जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद बाईक दुर्घटना करने वाले वाहन में फंस आगे चली गई होगी हालांकि पुलिस दुर्घटनाग्रस्त बाईक व आरोपी वाहन चालक के तलाश में जुटी हुई है। मृतक आकाश के पिता अजय कुमार की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफमामला दर्ज कर आरोपी वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

किसानों के दल को डीएम ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

● ताकि दोआबा का भी अन्नदाता तकनीक से लैस हो सके

फतेहपुर। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजनांतर्गत राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण सह प्रशिक्षण को किसानों का दल अलग-अलग कृषि अनुसंधान केंद्रों को रवाना हो गया। 55 किसानों का दल भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर एवं चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर भेजा गया। जबकि 60 किसानों का दूसरा दल कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां चित्रकूट व दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट स्थित ग्रामीण उद्यमिता केन्द्र व आरोग्य धाम के साथ बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा को रवाना किया गया। डीएम सी. इंदुमती ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी ने कहा कि गंगा एवं यमुना नदी के दोआबे में होने से जनपद में गेंहू, धान, दलहनी व तिलहनी तथा सब्जी एवं केला तथा विभिन्न प्रकार की औद्यानिक फसलों का उत्पादन होता है। किसानों को कुशलतापूर्वक खेती की तकनीकी की जानकारी के लिए कृषि संस्थानों में भेजा जा रहा है, जिससे किसानों को मृदा सुधार, सिंचाई व मल्चिंग तथा प्राकृतिक कृषि एवं फसलों की विभिन्न प्रजातियों की उन्नतिशील किस्मों व फसलों में रोग कीट नियंत्रण तथा कटाई उपरान्त भण्डारण के साथ ही मूल्य संवर्धन की जानकारी मिलेगी। किसानों की आय में वृद्धि संभव है। इसलिए किसान इन संस्थानों से जानकारी प्राप्त कर अन्य किसानों को भी अपने गांव पडोस में जानकारी दे। उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार ने कहा कि गांव में खाद्य प्रसंस्करण हेतु उत्पाद बनाने के लिए सभी प्रकार के अनाज, मोटे अनाज एवं सब्जी व फल उपलब्ध हैं। उनके प्रसंस्करण एवं साफसफाई तथा पैकिंग कर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है। फसलों के साथ ही मशरूम उत्पादन तथा मधुमक्खी पालन इत्यादि की जानकारी किसानों को दी जायेगी जिससे किसानों एवं उनके परिवार के बेरोजगार युवाओं के आय का स्रोत बन सकता है। प्रज्ञा ग्रामोत्थान सेवा समिति के सचिव उमेश चन्द्र शुक्ल ने कहा कि इन भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम से संस्थानों के फार्म भ्रमण में कृषि की नई तकनीक प्रत्यक्ष देखने को मिलती है।

चार संदिग्ध शस्त्र व उपकरणों सहित गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। थाना मऊदरवाजा पुलिस ने चोरी की योजना बनाते समय चार युवकों को अवैध शस्त्र व उपकरणों सहित गिरफ्तार किया है। बजरिया चौकी इंचार्ज तरुण सिंह दरोगा व दरोगा महेंद्र सिंह की टीम ने बीती मध्य रात के बाद अर्राहपहाड़पुर सब्जी मंडी के निकट भट्टै के खंडहर कमरे में छापा मारा। पुलिस ने वहां मौजूद मोहल्ला मेमरान टैगोर कॉलोनी निवासी गोविन्द यादव पुत्र दीवान सिंह यादव।

ग्राम कुइयांबूट निवासी दीपक पुत्र परमेश्वर दयाल उर्फ रामेश्वर दयाल, मोहल्ला गढ़ी अशरफ अली निवासी शिवकुमार पुत्र रामसागर एवं सर्वेश पुत्र मुन्ना लाल को संदिग्ध हालत में पकड किया। जिनकी जामा तलाशी से गोविन्द यादव से एक देशी अवैध तमंचा 315 बोर मय कारतूस 315 बोर, दीपक से एक कारतूस 315 बोर व चाकू बरामद हुआ। शिवकुमार उ से एक प्लासए चाबी का गुच्छा, सरिया तथा सर्वेश अदद टार्च, हथौड़ी, सरिया बरामद हुयी। पुलिस की कार्रवाई पर विश्वास करें तो इन युवकों ने पुलिस को बताया कि हम चारों लोग मिलकर चोरी करने की योजना बना रहे थे। आपने हमें पकड़ लिया है हमें जो भी कहना है वह न्यायालय में अपने वकील के माध्यम से कहेगे।

बलवंत कांड में आरोपियों के बयान किये गये दर्ज

कानपुर देहात। बहुचर्चित बलवन्त हत्याकाण्ड में मृतक के चाचा वादी अंगद सिंह से आरोपी तत्कालीन शिवली थाना प्रभारी राजेश सिंह व तत्कालीन एसओजी प्रभारी प्रशान्त कुमार गौतम की तरफ जिरह बयान न्यायालय में दर्ज किये गए यह जानकारी वादी पक्ष के अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने दी। गवाह अंगद सिंह जिरह में भी प्रथम सूचना रिपोर्ट व विवेचक को दिये गए बयान का समर्थन किया। अधिवक्ता जितेन्द्र चौहान ने बताया कि न्यायालय का समय न बचने के कारण गवाह से जिरह पूर्ण नहीं हो सकी। जिरह के लिए अगली तारीख 11 जनवरी न्यायालय ने नियत करने का आदेश किया है। जितेन्द्र चौहान ने बताया कि आरोपियों की अपराध में संलिप्तता प्रथम दृष्टया पाते हुए न्यायालय ने पूर्व में, सभी आरोपियों के विरुद्ध भादसं की धारा.147, 304, 147, 504, 149, 506, 149, 201, 149 में आरोप विरचित करने के आदेश पारित कर पूर्व की तारीख को आरोप विरचित किये थे। मामले की सुनवाई अपर जिला जज कक्ष संख्या पांच दुर्गेश की न्यायालय में चल रही है। 6 जनवरी नियत तिथि पर सभी आरोपीगण तत्कालीन शिवली थाना प्रभारी राजेश सिंह तत्कालीन एसओजी प्रभारी प्रशान्त गौतम तत्कालीन मैथा चौकी प्रभारी ज्ञान प्रकाश पाण्डे सहित आठ पुलिस कर्मी जेल से न्यायालय में पेश किए गए। बताया कि आरोपी शोनू यादव के जमानत प्रार्थना पत्र को निरस्त करते हुए उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने मामले की सुनवाई दिन प्रतिदिन के आधार पर कर मामले में एक वर्ष के अन्दर निर्णय आदेश पारित करने का आदेश पारित किया है आदेश की प्रमाणित प्रति वादी अंगद सिंह की तरफसे न्यायालय में पूर्व में दिनांक 23 नवम्बर को दाखिल करते हुए आदेश का अनुपालन कराए जाने का लिखित प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। शिवली क्षेत्र के ग्राम सरैंया लालपुर शिवराजपुर निवासी अंगद सिंह ने थाना रनिया के अन्दर अपने भतीजे बलवन्त सिंह की दिनाँक 12 दिसम्बर को आरोपियों द्वारा पुलिस अभिरक्षा में बेरहमी पूर्वक पिटाई कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट लिखाई थी। मृतक व्यापारी बलवन्त सिंह का कानपुर नगर में डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया था, जिसमे मृतक के शरीर मे 31 चोटें होना, चोटों से खून के अत्यधिक रिसाव से दोनों गुर्दे खून से खाली हो जाने व उसी से मृतक की मृत्यु होने पाया गया थाएजिसमें विवेचना में एसआईटी ने आरोपी तत्कालीन रनिया थाना प्रभारी व एक आरक्षी व जिला अस्पताल के एक चिकित्सक की नामजदगी गलत पाने का लेख लिखते हुए उनके पक्ष में अंतिम आख्या व केस में इरादतन हत्या की धारा 302 के स्थान पर गैर इरादतन हत्या की धारा 304 भादसं में आरोप पत्र प्रेषित किया था। जितेन्द्र चौहान ने बताया कि आठ आरोपी जेल में निरुद्ध है वहीं आरोपी गण तत्कालीन रनिया थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह एसओजी आरक्षी महेश गुप्ता व जिला अस्पताल के चिकित्सक पवन पार्या को केस में तलब करने व मामले में आरोपियों को लूट व धारा 302 आईपीसी सहित अन्य सुसंगत धाराओं में संज्ञान लेने हेतु वादी का प्रार्थना पत्र न्यायालय में दाखिल किया था।

सीमेंट का आर्डर देकर व्यापारी से ठगे 60 हजार रुपए, मामला दर्ज

राठ (हमीरपुर)। दो माह पहले सीमेंट व्यापारी से हुई हजारों रुपए की आनलाइन ठगी का पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। कोतवाली के औड़ेरा गांव निवासी महेंद्र राजपूत पुत्र रामपाल राजपूत ने बताया कि उसकी दुकान रमन सीमेंट एंड आयरन स्टोर के नाम से है। 24 अक्टूबर 23 की शाम उसके फोन पर काल आई। उसने अपना नाम कमल साहू बताते हुए 80 बोरी एसीसी सीमेंट का आर्डर दिया। जब उसने पेमेंट के लिए कहा तो उसने पेटीएम के माध्यम से रुपए देने की बात कही। बताया कि उक्त युवक ने उसके पेटीएम पर एक रुपए भेजा। बताया कि थोड़ी देर बाद पेटीएम के माध्यम से उसके खाते से तीन बार में 60280 रुपए निकल गए। जानकारी करने पर उक्त खाता बब्लू दत्ता पुत्र अनिल दत्ता निवासी वार्ड नंबर 23 वामुनपुरा पश्चिम मेदिनीपुर पश्चिम बंगाल के नाम रजिस्टर्ड है।

क्विक न्यूज

निराश्रित एवं आवारा पशुओं से परेशान हो ग्रामीणों ने पशुओं को किया परिषदीय स्कूल परिसर में बंद

कायमगंज फर्रुखाबाद। निराश्रित आवारा, खासकर गोवंशीय पशु ग्रामीण क्षेत्र में किसानों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। मेहनत से तैयार की गई फैसलें मौका लगते ही यह घुमंतू जानवर उजाड़ कर बर्बाद कर देते हैं। लागत मेहनत के बाद तैयार हुई फसलों को उजड़ा हुआ देखकर बेचारा किसान हाथ मलते हुए रह जाता है। हालांकि शासन ने ग्राम पंचायत स्तर पर हर जगह गौशाला, स्थापित कर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास भी किया। लेकिन यह व्यवस्था केवल औपचारिकता ही साबित होकर रह गई। आज भी आवारा पशु विचरण कर रहे हैं। और वह किसानों की कमाई को बर्बाद भी करते जा रहे हैं। ऐसी ही समस्या से आजिज आ चुके विकासखंड शमशाबाद के गांव गंधिया में ग्रामीणों ने वहां के आवारा पशुओं को घेर कर उन्हें गांव में ही स्थित परिषदीय स्कूल परिसर में लाकर बंद कर दिया। जब इसकी सूचना यहां के ग्राम प्रधान को मिली तो ग्राम प्रधान मौके पर पहुंचे। उन्होंने इसका विरोध किया। जिससे तमतमा, किसानों तथा ग्राम प्रधान के बीच तीखी बहस के साथ नोक झोंक हुई। परेशान किसानों का कहना है कि इस समस्या की शिकायत प्रशासन से की जा चुकी है। लेकिन कोई हल नहीं हुआ। बुधवार को गुस्साए ग्रामीणों ने एक दर्जन से अधिक अन्ना मवेशियो को पकड़ कर पूर्व माध्यमिक विद्यालय गंधिया में लाकर बंद कर दिया और गेट की कुंडी लगा दी। ग्रामीणों ने कहा उनकी कोई अधिकारी नहीं सुनता। प्रधान से भी कहा गया लेकिन उन्होंने भी नहीं सुना। ग्रामीणों का कहना था आखिरकार कब तक नुकसान होता देखते रहें।प्रधान व ग्रामीणो की नोकझोक के बाद मामला ब्लाक के अधिकारियो तक पहुंचा। निराश्रित पशुओं की समस्या का अब तक कोई समाधान नहीं हो सका था। समाचार लिखे जाने तक अन्ना गोवंश को ग्रामीण स्कूल परिसर में ही बंद किए थे।

विद्यालय से लौट रहे छात्र को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

संडीला (हरदोई)। कॉलेज से पढ़कर घर वापस जा रहा एक छात्र अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। इससे आक्रोशित होकर मृतक के परिजन तथा अन्य ग्रामीणों ने रोड जाम कर दियाए जो लगभग 3 घण्टे के बाद खुल सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीजीआर इंटर कॉलेज गौसगंज में कक्षा 12 का छात्र हर्ष विद्यालय से पढ़कर अपने ग्राम कहली वापस जा रहा था। संडीला मल्लावां रोड पर अनियंत्रित गति से आ रहे ट्रक ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी जिससे छात्र उछलकर सड़क पर सिर के बल जा गिरा और उसकी तत्काल मृत्यु हो गयी। इस हादसे के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंनें शव को मार्ग पर रखकर जाम लगा दिया। इस बीच थाना कासिमपुर की पुलिस मौके पर पहुंची और जाम को खुलवाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीणा नहीं माने। सूचना मिलने पर एसडीएम तान्या सिंह तथा पुलिस उपाधीक्षक वंदना शर्मा भी मौके पर पहुंची और मृतक के परिजन तथा अन्य लोगों को काफी समझा बुझाकर मार्ग से शव उठाने के लिए मनाया। मृतक हर्ष के पिता अनिल जायसवाल को आश्वासन दिया कि ट्रक चालक के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। मृत छात्र हर्ष के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के मवइया गांव के समीप अज्ञात वाहन बाइक चालक को टक्कर मारते हुए निकल गया। वाहन की टक्कर लगने से बाइक चालक रोड किनारे लगे पेड़ से जाकर टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था मे उसको उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के बरउन्हा गाँव निवासी दुलारे का 35 वर्षीय पुत्र रामु बाइक पर सवार होकर थाना क्षेत्र के हड़िया गाँव अपनी बहन कुशमा देवी पत्नी अशोक कुमार को खिचड़ी देने आया था। बहन के घर से वापस जाते समय जब वह मवइया गाँव के समीप पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दिया। वाहन की टक्कर लगने से बाइक चालक पेड़ से जाकर टकरा कर गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने जाँच के उपरांत उसे मृत घोषित करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया।

सास बहू को मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज (कन्नौज)। रंजिश के चलते सास बहू के साथ गांव के ही चार लोगों ने अभद्रता व मारपीट कर न सिर्फघायल कर दिया बल्कि धमकी भी दी। क्षेत्र के ग्राम डिल्लियाभूड़ निवासी वेदवती पत्नी ज्ञान शंकर द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि मंगलवार के शाम वह अपने दरवाजे पर बैठी थी। तभी गांव के ही डंपी, बंपी, नंदन, राहुल आए और रंजिश के चलते उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लात घूसों से मारपीट शुरू कर दी। बचाव में आई उसकी बहू अनीता को भी मारपीट कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी।

फर्रुखाबाद समेत 40 जिलों में शीतलहर प्रकोप शुरू

फर्रुखाबाद। प्रदेश का मौसम हर रोज करवट बदल रहा है। घने कोहरे के बीच में लगातार तापमान गिरता ही जा रहा है। प्रदेश में शीतलहर के प्रकोप ने लोगों को घरों में कैद कर दिया है। कोहरे की वजह से गाड़ियों के पहिए थम गए हैं। मौसम विभाग ने और ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना जताई है। अगले दो-तीन दिनों में राजधानी समेत करीब 40 से अधिक जिलों का पारा और गिरेगा।राजधानी में बारिश के आसार तो नहीं दिख रहे,लेकिन बादलों की आवाजाही लगी रहेगी। लखनऊ, अमेठी, औरैया, एटा, इटावा, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, हमीरपुर, हरदोई, जालौन, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, मैनपुरी, प्रतापगढ़, रायबरेली और उन्नाव में गरज चमक का असर दिख सकता है। आगरा, अलीगढ़, अमरोहा, बदायूं, बागपत, बिजनौर, बुलंदशहर, एटा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस, कासगंज, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, संभल, शामली में बुधवार और गुरुवार को शीत दिवस रहने की संभावना है।

नगर की बेटी का पीजीटी में हुआ चयन

पीजीटी में चयनित नन्दा गुप्ता का स्वागत करते पदाधिकारी।

● भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों नें किया स्वागत

गुरसहायगंज (कन्नौज)। भारत विकास परिषद के नगर अध्यक्ष अतुल गुप्ता की बेटी का पीजीटी परीक्षा में चयन होनें पर भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों ने होनहार बेटी को फूल मालायें पहनाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया। नगर की बेटी बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करनें का कार्य करेगी। बुधवार को नगर के जीटी रोड स्थित दीक्षित नेत्र चिकित्सालय में भारत विकास परिषद के तत्वाधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में पदाधिकारियों नें पीजीटी परीक्षा मे चयनित हुई नगर अध्यक्ष अतुल गुप्ता की पुत्री नन्दा गुप्ता को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। भारत विकास परिषद के प्रातीय उपाध्यक्ष डा. सुधीर दीक्षित ने कहा कि बेटी नन्दा गुप्ता शिक्षा की अलख जगाकर नगर व क्षेत्र का नाम रोशन करनें का कार्य करेगी। नगर अध्यक्ष अतुल गुप्ता, अजीत मिश्रा, ठा. ललित मोहन सिंह, मुकेश अग्रवाल, राजेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, गगन गुप्ता, अमित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री आज जिले में

फतेहपुर। जिले की सांसद व भारत सरकार की राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति कल जनपद के कई कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगी। सांसद कार्यालय प्रवक्ता शिव प्रताप सिंह ने बताया कि प्रात: दस बजे औंग के आशापुर स्थित डाक बंगला में कार्यकर्ताओं पार्टी पदाधिकारियों, नागरिकों से भेंट कर जनसमस्याओं का निस्तारण करेंगी। इसके बाद प्रात: 11 बजे ग्राम पंचायत औंग विकास खंड मलवां में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी। अपराह्न साढ़े बारह बजें महाराणा प्रताप डिग्री कालेज करचलपुर विकास खंड देवमई व अपराह्न ढाई बजें संतोष सिंह महाविद्यालय बकेवर में नमो ऐप अभियान कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। अपराह्न चार बजे ग्राम पंचायत मौहार विकास खंड मलवां में आयोजित श्रीराम कथा अमृत महोत्सव कार्यक्रम में भाग लेंगी। इसके बाद सायं 5 बजे ग्राम पंचायत बसावनपुर विकास खंड मलवां में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमदभागवत कथा का शुभारंभ

रूरा, कानपुर देहात। रूरा कस्बे से सटे धनीरामपुर गॉव में मॅगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमदभागवत कथा का शुभारम्भ किया गया। रसूलाबाद से पधारे श्रीमदभागवत व्यास ने अमृतमयी व मोक्षदायिनी कथा का प्रभावी वर्णन कर श्रोताओं को झूमने को मजबूर कर दिया। धनीरामपुर गॉव के जमींदार रहे ब्रम्हलीन सूबेदार पाण्डेय सभापति की दिवॅगत पुत्रवधुओ पूर्व प्रधान स्व. मिथिलेश कुमारी पाण्डेय व स्व. कृष्णा पाण्डेय की परम प्रेरणा व पूर्व सभापति के परिजनों के सहयोग से ग्रामवासी छेदीलाल, विनोद कश्यप सहित अन्य लोगों द्वारा बीते कई वर्षों से गॉव में श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। रसूलाबाद से पधारे व्यास शिरोमणि श्याम जी बाजपेई व उनके सहयोगियों के सानिध्य में कलश यात्रा निकाली, बालाजीधाम मॅदिर के सामने नहर से जल भरकर वापस प्रतिष्ठित पाण्डेय परिवार की जगह पर आयोजित किये

जा रहे भागवत स्थल पर पहुॅची, व्यास ने श्रीमद भागवत कथा के प्रसॅगों का प्रभावी वर्णन किया। पाण्डेय परिवार के पीसी पाण्डेय, सीपी पाण्डेय, एसपी पाण्डेय, प्रदीप पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, नवीन पाण्डेय, विकास पाण्डेय, मनीष पाण्डेय, प्रखर पाण्डेय, शिवॉग पाण्डेय, निश्चल पाण्डेय, विवेक तिवारी एसीसी सीमेण्ट, सोनू अग्निहोत्री धनकुट्टी, पुतुआ अग्निहोत्री द्वारा भरपूर आर्थिक सहयोग दान के रूप में कथा आयोजकों को प्रदान किया गया है।

मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से ईवीएम मशीन का हुआ प्रायोगिक प्रदर्शन

● डीएम ने वोट डालकर मतदान के प्रायोगिक प्रदर्शन का किया शुभारंभ

● जिलाधिकारी ने दिव्यांग मतदाताओं को किया सम्मानित, किया संवाद

लखीमपुर खीरी। मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने एडीएम संजय सिंह संग ष्मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ईवीएम मशीन, वीवीपैड से होने वाले मतदान का प्रशिक्षण/ जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान डीएम ने स्वयं भी वोट डालकर मतदान का प्रयोग किया। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नियमित कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी के तहत ईवीएम डेमोस्ट्रेशन सेंटर कलेक्ट्रेट सभागार में एवं समस्त तहसीलों के सभा कक्ष में मशीन को प्रदर्शित करने के साथ ही आम नागरिकों को ईवीएम में मॉक पोल करवाने का कार्य किया जा रहा। आगामी दिवसों में भी इसी तरह मतदाताओं को ईवीएम मशीन की जानकारी देनेए वोटिंग प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए ईवीएम मशीन का प्रदर्शन जारी रहेगा।

कलेक्ट्रेट स्थित डीएम कार्यालय कक्ष में बुधवार को ईवीएम मशीनए वीवीपैड से होने वाले मतदान का प्रशिक्षण/ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से रखे गए इस प्रदर्शन में सैकड़ों लोगों ने ईवीएम मशीन पर वोट डाले और उनका वोट किस तरहए किस प्रत्याशी को गयाए यह भी उन्होंने देखा। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में दिव्यांग मतदाताओं को माला पहनकर सम्मानित किया। दिव्यांगजनो के लिए सेल्फी प्वाइंट भी बनवाया गयाए जिसमे काफी संख्या में अपनी सेल्फी पोज ली गई। दिव्यांगों की चुनाव प्रक्रिया में पूरे सम्मान के साथ भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग नित नए कदम उठा रहा है। दिव्यांगजन चुनावी लोकतंत्र के आधार और अहम कड़ी हैं। दिव्यांगों ने डीएम की मौजूदगी में वोट डालकर मतदान का प्रशिक्षण/ जागरूकता कार्यक्रम चलता रहा है। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर रेनू मिश्र, राजीव निगमए बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी ओपी अंजोर, जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी अभय कुमार सागर, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी तोसीब अहमद, नायब तहसीलदार सदर अतुल सिंह मौजूद रहे।

दिनदहाड़े बांके से काट कर युवक की हत्या

मितौली खीरी। मितौली थाना क्षेत्र के शहीदपुर गांव में रास्ते व खेत में पानी भर जाने के विवाद में बुधवार को दिनदहाड़े युवक की हत्या कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच जब में जुट गई है। दिनदहाड़े हुए हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई। गांव शहीदपुर निवासी पंकज वर्मा पुत्र रामदीन (35) बुधवार सुबह 11 बजे अपने खेत पर पंपसेट लगाकर वापस आ रहा था। इसी दौरान गांव के ही रहने वाले रामप्रसाद से पंकज की कहासुनी होने लगी। बताते हैं कि एक दिन पहले पंकज ने अपने गन्ने के खेत की सिंचाई की थी। इस दौरान पानी रास्ते व रामप्रसाद के खेत में भर गया था। रास्ते में पानी भर जाने से लोग रामप्रसाद के गेहूं के खेत में होकर निकलने लगे थे, जिससे वह नाराज था। बुधवार सुबह रामप्रसाद अपने खेत में कांटे लगा रहा था। इसी

दौरान पंकज वहां से निकला। रामप्रसाद उस बात का विरोध जताते हुए गाली गलौज करने लगा तथा बांके से उसकी गर्दन पर कई प्रहार कर दिए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिलाधिकारी ने ली आरडीएसएस योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

● अफसर 24 घंटे ऑन रखें मोबाइल फोन, पब्लिक का रिसीव करें फोनः डीएम

लखीमपुर खीरी। केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित रिवैम्पड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम के क्रियान्वयन की डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में समीक्षा की, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य रूप से विधायक विनोद शंकर अवस्थी, सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय, सांसद प्रवक्ता अंब्रीश सिंह मौजूद रहे। जिला विद्युत समिति की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने कहा कि रिवैम्पड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित एक महत्वपूर्ण योजना है। जिसके तहत आने वाले समय में विद्युत वितरण के क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जाएंगे। लाइन हानियों में कमी

लाए जाने के उद्देश्य से सरकार ने इस योजना शुरू किया है। यह योजना किए गए कार्यों के सापेक्ष प्राप्त परिणामों पर पूरी तरह निर्भर है। उन्होंने योजना के तहत चरणबद्ध प्रस्तावितए निर्धारित कामों की जानकारी दी। निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में सुनिश्चित किया जाए।

सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय ने कहा कि बिजली की आपूर्तिए परिचालन क्षमता और वित्तीय स्थिरता की विश्वसनीयता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए यह योजना संचालित की गई है। इसलिए विद्युत विभाग एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण इस योजना की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में आरडीएस योजना के तहत कराए जा कार्य निर्धारित समय अवधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। ताकि भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्रत्येक विद्युत उपभोक्ताओं तक पहुंच सके।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले होगा श्री राम नाम महायज्ञ

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले सरयू तट पर 14 से 25 जनवरी तक श्री राम नाम महायज्ञ का भव्य आयोजन होने जा रहा है। उसके आयोजकों ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि इस वृहद अनुष्ठान के लिए 1008 नर्मदेश्वर शिवलिंग की स्थापना की जाएगी इसके लिए राम मंदिर से दो किलोमीटर दूर सरयू नदी के घाट पर 100 एकड़ में टेंट सिटी बसाई गई है।इस महायज्ञ का नेतृत्व और आयोजन आत्मानंद दास महात्यागी उर्फ नेपाली बाबा करेंगे और इस यज्ञ में नेपाल से 21 हजार पंडित भाग लेंगे। नेपाली बाबा के नेपाल में काफी अनुयाई बताए जाते है।नेपाली बाबा ने पत्रकारों से कहा कि हर दिन 50 हजार भक्तों को ठहरने की व्यवस्था की जा रही है और एक भोज का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रतिदिन लगभग एक लाख भक्तों को भोजन कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि महायज्ञ की समाप्त होने के बाद 1008 शिवलिंग को सरयू नदी में विसर्जित किया जाएगा।नेपाली बाबा ने बताया कि इस समारोह की शुरुआत 14 जनवरी को यजमानों के सिर मुंडन के साथ होगी तथा 17 जनवरी से रामायण के 24 हजार श्लोकों के जाप के साथ हवन शुरू होगा, जो 25 जनवरी तक चलेगा। उनके अनुसार प्रतिदिन 1008 शिवलिंगों का पंचामृत से अभिषेक होगा।उन्होंने कहा, हम मूल रूप से नेपाल के नही है, हम अयोध्या के निवासी है। मेरा जन्म इसी मंदिर नगरी में हुआ था और मै तपस्वी नारायण दास का शिष्य हूं (बाद में मै नेपाल चला गया)। नेपाल के राजा ने वहां एक यज्ञ अनुष्ठान करने के कारण मेरा नाम नेपाली बाबा रखा। उन्होंने कहा कि शिवलिंगों की नक्काशी के लिए मध्य प्रदेश की नर्मदा नदी से पत्थर लाए गए है जिन्हे कारीगर तराश कर शिवलिंग बना रहे है और यह काम 14 जनवरी से पहले पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा, महायज्ञ में रहने वाले ब्राह्मणों और श्रद्धालुओं के लिए सरयू के तट पर एक टेंट सिटी बनाई गई है।

कन्नौज के खास इत्र से महकेंगे रामलला

कन्नौज, एटा। अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर तमाम राम भक्तों के उत्साह के बीच कन्नौज के इत्र कारोबारियों ने रामलला को महकाने के लिए खास सुगंध तैयार की है। आगामी 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त में पूजा के दौरान प्रयोग करने के लिए इसे मंदिर निर्माण न्यास को भेंट किया जाएगा। कन्नौज अतर्स एण्ड परफ्यूम्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन त्रिवेदी ने बुधवार को बताया कि कन्नौज में सभी छोटे-बड़े इत्र व्यवसायियों ने मिलकर कुछ खास खुशबुएं तैयार की है जिन्हे रामलला की सेवा में आज अयोध्या भेजा जाना है। उन्होंने बताया कि एक रथ पर विभिन्न प्रकार के इत्र और सुगन्धित जल को एकत्र करके नगर में भ्रमण कराकर अयोध्या के लिए रवाना किया जाएगा। त्रिवेदी ने बताया कि इन खास तरह के इत्र और खुशबूदार जल को आगामी 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त में पूजा के दौरान प्रयोग करने के लिए मंदिर का निर्माण करा रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भेंट किया जाएगा। उन्होंने बताया, कन्नौज में गुलाब के फूलों से निर्मित गुलाब जल बनाकर तैयार किया गया है जिससे रामलला स्नान करेंगे। उसके बाद रामलला कन्नौज के मशहूर इत्र अतर मिट्टी, अतर मोतिया, रूह गुलाब, चंदन के तेल और हिना से सुगन्धित होंगे। त्रिवेदी ने बताया, इतना ही नही, कन्नौज के इत्र व्यवसायियों ने सर्दी को ध्यान में रखते हुए अपने रामलला के लिए अतर शमामा भी बनाया है जो ठंड से बचाने में मदद करता है। इस खास इत्र को बनाने में जड़ी बूटियों का मिश्रण भी प्रयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि कन्नौज का इत्र सिर्फ रामलला को ही नही बल्कि पूरे मंदिर प्रांगण को भी अपनी खुशबू से महकाएगा। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां जोरशोर से की जा रही है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत अनेक नामी-गिरामी हस्तियों को निमंत्रण दिया गया है। इस बीच, एटा से मिली रिपोर्ट के मुताबिक, घुंघरू और घंटी नगरी कहे जाने वाले जलेसर के लोगों की तरफ से मंगलवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को 2100 किलोग्राम का एक घंटा सौंपा गया है। इस घंटे का निर्माण कराने वाले उद्योगपति विकास मित्तल ने बताया कि रथ यात्रा करते हुए जलेसर से अयोध्या गए करीब 500 रामभक्तों ने मंदिर ट्रस्ट के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें यह घंटा सौंपा। उन्होंने दावा किया कि एक बार बजाने पर इस घंटे की आवाज 10 किलोमीटर दूर तक सुनाई देगी। उन्होंने बताया कि इस घंटे का निर्माण अष्टधातु से किया गया है और इसकी कीमत लगभग 25 लाख रुपए है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन को दिवाली की तरह मनाएं

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा

रांची। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने बुधवार को झारखंड के लोगों से अपील की कि वे अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन यानी 22 जनवरी को दिवाली की तरह मनाएं। उन्होंने राज्य के लोगों से आह्वान किया कि वे स्वयं को अयोध्या में मानकर अपने आसपास के मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन करें। विहिप प्रवक्ता ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट द्वारा जिन लोगों को 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है उन्हें ही उस दिन अयोध्या जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उस पावन दिन 50 देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने का कार्यक्रम है। बंसल ने कहा कि वह 22 जनवरी को अयोध्या नहीं जाएंगे और अपने घर के पास के मंदिर को अयोध्या का राम मंदिर मानकर दर्शन पूजन करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित लोगों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर बंसल ने कहा कि विभिन्न देशों के अनुमानित 100 प्रतिनिधियों सहित करीब 7000 लोग समारोह में सम्मलित होंगे। झारखंड के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को आमंत्रित करने के सवाल पर बंसल ने कहा कि अगर मंदिर न्यास द्वारा तय अर्हता को मुख्यमंत्री पूरा करते हैं तो उन्हें निमंत्रण मिलेगा। बंसल के मुताबिक किसी राजनीतिक दल के नेता को आमंत्रित नहीं किया है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि अर्हता में बदलाव किया जा सकता है।

राम मंदिर के लिए देश-विदेश से भेजे जा रहे विशेष उपहार

नई दिल्ली।अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले राम मंदिर के लिए भेजे गए विशेष उपहारों में 108 फुट लंबी अगरबत्ती, 2,100 किलोग्राम का घंटा, ।,100 किलोग्राम वजन का एक विशाल दीपक, सोने के खड़ाऊं, 10 फुट ऊंचा ताला तथा चाबी और आठ देशों का समय एक साथ बताने वाली घड़ी शामिल हैं। इन अनोखे उपहारों को बनाने वाले कलाकारों को उम्मीद है कि इनका इस्तेमाल भव्य मंदिर में किया जाएगा। देश के सभी हिस्सों और यहां तक कि विदेशों से भी उपहार प्राप्त हो रहे हैं। नेपाल के जनकपुर में सीताजी की जन्मभूमि से भगवान राम के लिए 3,000 से अधिक उपहार अयोध्या पहुंचे हैं। आभूषण और कपड़ों सहित उपहारों को इस सप्ताह नेपाल के जनकपुर धाम रामजानकी मंदिर से लगभग 30 वाहनों के जरिए अयोध्या ले जाया गया। श्रीलंका का एक प्रतिनिधिमंडल भी अशोक वाटिका से एक विशेष उपहार के साथ अयोध्या पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने महाकाव्य रामायण में वर्णित अशोक वाटिका से लाई गई एक शिला भेंट की।

रामायण के अनुसार अशोक वाटिका वही जगह है, जहां रावण ने माता सीता का अपहरण करने के बाद उन्हें रखा था। राम मंदिर का पहला चरण पूरा होने वाला है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी को मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेंगे। भव्य समारोह से

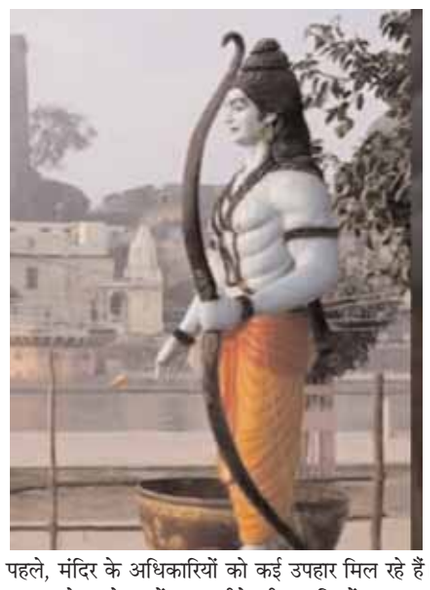

पहले, मंदिर के अधिकारियों को कई उपहार मिल रहे हैं। गुजरात के वडोदरा में छह महीने की अवधि में 108 फुट लंबी अगरबत्ती तैयार की गई है, जिसका वजन 3,610 किलोग्राम है और यह लगभग 3.5 फुट चौड़ी है। अगरबत्ती तैयार करने वाले वडोदरा निवासी विहा भरवाड ने पीटीआई-भाषा को बताया, यह अगरबत्ती पर्यावरण के अनुकूल है और लगभग डेढ़ महीने तक जलेगी और कई किलोमीटर तक अपनी सुगंध फैलाएगी। उन्होंने कहा कि इस अगरबत्ती के लिए 376 किलोग्राम गुग्गुल, 376 किलोग्राम नारियल गोला, 190 किलोग्राम घी, ।,470 किलोग्राम गाय का गोबर, 420 किलोग्राम जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल किया गया है। भरवाड और 25 अन्य भक्त एक जनवरी को विशाल अगरबत्ती के साथ वडोदरा से रवाना हुए और उनका काफिला 18 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगा। गुजरात ने दरियापुर में अखिल भारतीय दबगर समाज द्वारा तैयार किया गया एक नगारू (मंदिर का वाद्ययंत्र) भी भेजा है। मंदिर के प्रांगण में यह नगारू स्थापित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी ताला बनाने वाले सत्य प्रकाश शर्मा ने 10 फुट ऊंचाई, 4.6 फुट चौड़ाई और 9.5 इंच मोटाई वाला 400 किलोग्राम वजन का ताला और चाबी तैयार की है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, यह दुनिया का सबसे बड़ा ताला और चाबी है। मैंने इसे ट्रस्ट को उपहार में दिया है ताकि इसे मंदिर में प्रतीकात्मक ताले के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। उत्तर प्रदेश में एटा के जलेसर में अष्टधातु से बना 2,100 किलोग्राम वजन का घंटा तैयार किया गया है। घंटा तैयार करने में शामिल एक कारीगर ने कहा, इसे तैयार करने में दो साल लग गए। सभी अनुष्ठानों को करने के बाद धूमधाम के साथ घंटे को अयोध्या भेजा जा रहा है। लखनऊ के एक सब्जी विक्रेता ने विशेष रूप से एक ऐसी घड़ी तैयार की है जो एक ही समय में आठ देशों का समय बताती है। अनिल कुमार साहू (52) ने कहा कि उन्होंने 75 सेमी व्यास वाली घड़ी मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को उपहार में दी है। साहू ने कहा कि उन्होंने पहली बार 2018 में घड़ी बनाई थी, और इसे भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया था। उन्होंने बताया कि यह घड़ी भारत, टोक्यो (जापान), मॉस्को (रूस), दुबई (यूएई), बीजिंग (चीन), सिंगापुर, मेक्सिको सिटी (मेक्सिको), वाशिंगटन डीसी और न्यूयॉर्क (अमेरिका) का समय दर्शाती है। नागपुर के शेफ विष्णु मनोहर ने घोषणा की है कि वह प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले भक्तों के लिए 7,000 किलोग्राम राम हलवा तैयार करेंगे। मथुरा का श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान अयोध्या में यज्ञ के लिए 200 किलोग्राम लड्डू भेजने की तैयारी कर रहा है।तिरूपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के संरक्षक, तिरुमला तिरूपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भी घोषणा की है कि वह इस खास दिन के लिए भक्तों को वितरण के वास्ते एक लाख लड्डू भेजेगा। सूरत के एक हीरा व्यापारी ने 5,000 अमेरिकी हीरे और दो किलोग्राम चांदी का उपयोग करके राम मंदिर की थीम पर एक हार बनाया है।

जयपुर से अयोध्या के लिए तेल के 2100 पीपे रवाना

जयपुर(भाषा)। जयपुर से अयोध्या की सीता रसोई के लिए तेल के 2100 पीपे भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को यहां चांदपोल स्थित गंगा माता मंदिर से अयोध्या की सीता रसोई के लिए तेल के 2100 पीपे और राम दरबार शोभायात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, सीता रसोई के लिए सामग्री भेजना सौभाग्य की बात है। आराध्य भगवान श्री राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं। एक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बन गया है। अयोध्या महोत्सव के साक्षी बनने वाले भक्तों के लिए सामग्री भेजने के पुण्य कार्य में जयपुरवासी सहभागी बने हैं, इसके लिए उन्हें साधुवाद देता हूं। यह कार्यक्रम धर्मयात्रा महासंघ राजस्थान एवं श्री श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति जयपुर की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जयपुर शहर सीट से सांसद रामचरण बोहरा और हवामहल सीट से विधायक बालमुकुन्दाचार्य भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा, सीता रसोई के लिए सामग्री भेजना सौभाग्य की बात है। आराध्य भगवान श्री राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं। एक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बन गया है। अयोध्या महोत्सव के साक्षी बनने वाले भक्तों के लिए सामग्री भेजने के पुण्य कार्य में जयपुरवासी सहभागी बने हैं, इसके लिए उन्हें साधुवाद देता हूं। यह कार्यक्रम धर्मयात्रा महासंघ राजस्थान एवं श्री श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति जयपुर की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जयपुर शहर सीट से सांसद रामचरण बोहरा और हवामहल सीट से विधायक बालमुकुन्दाचार्य भी मौजूद थे।

पेज एक का शेष...

उद्धव सेना....

ने बाद में 40 विद्रोही सेना विधायकों की ताकत जुटाई और फड़नवीस के नेतृत्व वाली भाजपा के साथ मिलकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी को गिरा दिया तथा जून 2022 के अंतिम सप्ताह में अपनी सरकार बनाई। शिंदे और 15 अन्य पार्टी विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका में शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया था कि पार्टी व्हिप के बावजूद ये 16 विधायक जून 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल होने में विफल रहे, जो कि पार्टी विरोधी गतिविधि और नियमों के अनुसार अयोग्यता। विधायकों की अयोग्यता मामले में फैसला देने में देरी पर सवाल उठाते हुए शिवसेना (यूबीटी) ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके बाद 11 मई, 2023 को सुप्रीम कोर्ट की एक संवैधानिक पीठ ने स्पीकर से शिंदे समेत 16 बागी सेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसला करने को कहा था। अन्य बातों के अलावा शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह सेना के 16 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं करेगी और अध्यक्ष को 'उचित अवधि के भीतर' इस पर निर्णय लेना होगा। अन्य बातों के अलावा अध्यक्ष ने अपने आदेश में, इस आधार पर वैध नेतृत्व संरचना का निर्धारण करने में शिवसेना के संविधान के महत्व पर जोर दिया कि यह आंतरिक शासन का आधार बनता है। 2018 में शिवसेना संविधान में संशोधन किया गया था, लेकिन इसे आधिकारिक तौर पर दर्ज नहीं किया गया था। इसलिए भारत के चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत 1999 के संविधान को वैध माना गया। अध्यक्ष ने अपने आदेश में, 2018 में संगठनात्मक चुनावों की अनुपस्थिति पर ध्यान दिया, जिसने बाद के नेतृत्व संरचनाओं की वैधता पर सवाल उठाए। हालांकि 2018 के नेतृत्व ढांचे में संविधान ने 'पक्ष प्रमुख' को सर्वोच्च पद के रूप में स्वीकार किया, लेकिन यह मान्यता पार्टी के संविधान के प्रावधानों के अनुरूप नहीं थी। शिवसेना के 1999 के संविधान में सर्वोच्च अधिकार 'पक्ष प्रमुख' के बजाय राष्ट्रीय कार्यकारिणी को दिया गया है। संविधान ने 'पक्ष प्रमुख' को पूर्ण अधिकार नहीं दिया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें बड़े फैसले लेने के लिए पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से परामर्श करना होगा।

राममंदिर...

के निमंत्रण के लिए आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद को भी धन्यवाद दिया था। साथ ही पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख अजय राय और राज्य प्रभारी अविनाश पांडे सहित उत्तर प्रदेश के लगभग 100 कांग्रेस पदाधिकारी 15 जनवरी को मकर संक्रांति पर अयोध्या जाएंगे। पवित्र शहर की अपनी यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता सरयू नदी में डुबकी लगाएंगे और फिर राम मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन करेंगे। पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी और पीएल पुनिया का भी अयोध्या जाने का कार्यक्रम है। कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि अभिषेक समारोह के लिए नियोजित विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान लगभग 100 कांग्रेस पदाधिकारियों का शहर का दौरा करने का कार्यक्रम है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि वह इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं राम मंदिर पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। यह न तो पहला उद्घाटन है और न ही आखिरी। हमने पहले भी उद्घाटन देखे हैं। यदि आप इसमें राजनीति लाना चाहते हैं तो यह आप पर निर्भर है, मैं इस मुद्दे पर राजनीति नहीं कर रहा हूं।' यह पूछे जाने पर कि निमंत्रण मिलने पर क्या वह मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यकीन है कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं कि मैं जाऊंगा या नहीं? बिन बुलाए कौन जाता है? मैं जानता हूं कि मुझे आमंत्रित नहीं किया जाएगा। जिन्हें निमंत्रण देना था, उन्हें निमंत्रण मिल चुका है। उद्योगपति, क्रिकेटर, फिल्मी सितारे और अन्य। उनके नाम तो हर कोई जानता है। क्या आपने सूची में मेरा नाम देखा है? नहीं, जब उनका मुझे आमंत्रित करने का कोई इरादा नहीं है तो हम अगर-मगर में क्यों पड़ें?' भाजपा ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा निमंत्रण अस्वीकार करने के बाद कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि वे त्रेता युग में रावण की तरह अपना दिमाग खो चुके हैं।

अगले.....

और देश हरित ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तीन गुना बढ़ी है और सौर ऊर्जा क्षमता में 20 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, 10 साल में सस्ते फोन और डेटा ने डिजिटल समावेश की एक नई क्रांति ला दी है। हर गांव तक ऑप्टिकल फाइबर का विस्तार और 5जी का विस्तार आम भारतीय के जीवन को बदल रहा है। हम दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र हैं। मोदी ने कहा कि भारत में हो रहे बदलाव नागरिकों के जीवन में सुगमता ला रहे हैं और उन्हें सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार के पांच साल के कार्यकाल में 13 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं और महिला कार्यबल की भागीदारी के साथ लोगों की औसत आय बढ़ी है, जो भारत के भविष्य के लिए बहुत अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि सरकार लॉजिस्टिक्स और परिवहन में सुगमता के लिए काम कर रही है। इसी का नतीजा है कि पिछले 10 वर्षों में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 149, राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना और मेट्रो ट्रेन नेटवर्क तीन गुना हो गया है। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए खुशी की बात है कि मेरे भाई महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। मुख्य अतिथि के तौर पर उनका उपस्थित होना भारत और यूएई के दिनों-दिन मजबूत होते आत्मीय संबंधों का प्रतीक है। कुछ देर पहले हमने उनके विचार सुने। भारत को लेकर उनका विश्वास, उनका सहयोग, बहुत ही गर्मजोशी से भरा हुआ है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया कई तरह की अनिश्चितताओं से घिरी हुई है, तब भारत दुनिया में विश्वास की एक नई किरण बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था में भारत विश्व मित्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। भारत ने दुनिया को उम्मीद दी है कि हम साझा लक्ष्य तय कर सकते हैं और उन्हें हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले भारत दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में 11वें स्थान पर था, जबकि आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया की हर प्रमुख रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि भारत अगले कुछ वर्षों में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शुमार हो जाएगा। उन्होंने कहा, आज तेजी से बदलते हुए वर्ल्ड ऑर्डर (विश्व व्यवस्था) में भारत विश्वमित्र की भूमिका में आगे बढ़ रहा है। आज भारत ने विश्व को ए भरोसा दिया है कि हम साझा लक्ष्य तय कर सकते हैं, अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

अयोध्या में...

कर्मियों की एक सशस्त्र टुकड़ी को मंजूरी दी गई है, जिसे स्वीकृत 821 एकड़ भूमि में बढ़ाया जाएगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हवाई अड्डे की क्षमता का क्रमशः विस्तार किया जाएगा। पहले चरण में, हवाई अड्डा 65,000 वर्ग फुट में फैला होगा। इसकी क्षमता हर घंटे दो से तीन उड़ानें संचालित करने की होगी। सिंधिया ने संवाददाताओं से कहा था, वर्तमान में 2,200 मीटर का रनवे बनाने का काम जारी है। जिससे आने वाले दिनों में बोइंग 737 और एयरबस 319 और 320 हवाईअड्डे पर उतर सकेंगे। शुरुआत में आठ विमानों के लिए यह हवाईअड्डा है। सिंधिया ने पिछले महीने हवाई अड्डे के उद्घाटन के समय यह भी कहा था कि दूसरे चरण के लिए जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी ली जाएगी। दूसरे चरण में, जैसा कि मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) पहले ही कह चुके हैं, रनवे की लंबाई 2,200 मीटर से बढ़ाकर 3,700 मीटर की जाएगी। दूसरे शब्दों में रनवे की लंबाई लगभग चार किलोमीटर होगी, ताकि बोइंग 787 और बोइंग 777 जैसे अंतरराष्ट्रीय विमान अयोध्या में उतर सकेंगे। मंत्री ने कहा था कि हवाई अड्डे का दूसरा चरण 50,000 वर्ग मीटर को कवर करेगा।

कांग्रेस की...

आदेश में आगे बताया गया कि इंफाल पूर्वी जिले के पुलिस अधीक्षक ने एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें कहा गया है कि कार्यक्रम स्थल पर भारत जोड़ो न्याय यात्रा के उद्घाटन समारोह के दौरान भारी भीड़ होने की उम्मीद है। राज्य में मौजूदा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए भारी भीड़ से कानून एवं व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। इसमें कहा गया है कि 'इसके अलावा इंफाल पूर्वी जिले में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा भी लागू है।' इससे पहले कांग्रेस ने यात्रा स्थान को अनुमति देने अस्वीकार करने के राज्य सरकार के फैसले को 'लोगों के अधिकारों का उल्लंघन' करार दिया था। दिन की शुरुआत में राष्ट्रीय राजधानी में एआईसीसी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और के सी वेणुगोपाल ने यात्रा पर एक पुस्तिका और एक वेबसाइट लॉन्च की। वेणुगोपाल ने कहा कि मणिपुर सरकार ने इंफाल के पैलेस मैदान से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस मणिपुर से यात्रा शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है और कहा कि पार्टी ने इंफाल में किसी अन्य स्थान से मार्च शुरू करने की अनुमति मांगी है। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने इंफाल में सीएम सचिवालय में एन बीरेन सिंह से मुलाकात की।

हीटर...

इसी तरह, गुरुग्राम में अधिकतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस, गाजियाबाद में 13 डिग्री सेल्सियस और नोएडा में 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंडे मौसम के बीच राजधानी में बेघर लोगों को आश्रय प्रदान करने के रैन बसेरे पूरी तहर से भरे हुए हैं। यहां निराश्रित लोगों के लिए कंबल, बिस्तर, गर्म पानी और भोजन की व्यवस्था होती है। दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित एक रैन बसेरे के केयरटेकर ने बताया कि सड़क किनारे रहने वाले लोगों को रैन बसेरा तक पहुंचाने के लिए एक बचाव दल को तैनात किया गया है। दिल्ली में सोमवार को इस महीने का अब तक का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया, जब न्यूनतम तापमान गिरकर 5.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। शहर में सुबह 9 बजे एक्यूआई में सुधरकर 269 सूचकांक खराब श्रेणी में पहुंच गया। आईएमडी के सात दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार, 16 जनवरी तक मौसम की स्थिति आंशिक रूप से बादल छाए रहने और तापमान सामान्य सीमा में रहने की उम्मीद है। अगले सात दिनों में किसी अधिक सर्दी पड़ने की उम्मीद नहीं है। मौसम की स्थिति के कारण दिल्ली आने वाली 18 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। इस बीच, बीएसईएस ने एक बयान में कहा कि सर्दी के महीनों के लिए बिजली संयंत्रों से दीर्घकालिक समझौतों के अलावा, 2000 मेगावाट से अधिक हरित बिजली बीएसईएस उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें एसईसीआई से 840 मेगावाट सौर ऊर्जा, 540 मेगावाट जल विद्युत, 500 मेगावाट पवन ऊर्जा, 940 मेगावाट अपशिष्ट-से-ऊर्जा और 9160 मेगावाट पूर्वी, मध्य दिल्ली, दक्षिण, पश्चिम दिल्ली की छतों पर स्थापित सौर ऊर्जा शामिल है। वास्तव में, बीएसईएस क्षेत्र में 3600+ मेगावाट तक की अधिकतम शीतकालीन बिजली मांग का 60 फीसदी तक हरित ऊर्जा से पूरा किया जाएगा। इनके अलावा, बीएसईएस डिस्कॉम बैंकिंग, पावर एक्सचेंज जैसे तरीकों का उपयोग कर रही है। ताकि अधिक बिजली की मांग के लिए पर्याप्त स्पिनिंग रिजर्व सुनिश्चित करने के साथ-साथ विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही गर्मी के महीनों के दौरान बिजली प्राप्त करने की व्यवस्था भी कर रहे हैं। आईएमडी ने ठंड के मौसम के बीच उत्तर-भारतीय राज्यों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। पिछले कुछ दिनों में देश के उत्तरी क्षेत्र में शीत लहर तेज हो गई है और अधिकतम तापमान सामान्य सीमा से नीचे चल रहा है, जबकि रात का तापमान भी कुछ स्थानों पर सामान्य से नीचे चल रहा है। कई राज्य घने कोहरे के कारण कम दृश्यता की समस्या से जूझ रहे हैं, खासकर सुबह और रात के समय, जिसके कारण कई उड़ानें और ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

एनआईए ने 2010 में केरल के प्रोफेसर का हाथ काटने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया

भाषा। कन्नूरानई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 13 साल पहले कथित तौर पर ईशनिंदा के लिए केरल में एक प्रोफेसर का हाथ काटने के मामले में अंतिम और मुख्य आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। इडुक्की जिले के थोडुपुझा में न्यूमैन कॉलेज के प्रोफेसर टी जे जोसेफ का दाहिना हाथ चार जुलाई, 2010 को प्रतिबंधित कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कार्यकर्ताओं ने काट दिया था। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि मामले का मुख्य आरोपी सवाद पिछले 13 वर्षों से फरार था और उस पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि सवाद को बुधवार सुबह कन्नूर के मट्टनूर से गिरफ्तार किया गया। जोसेफ ने कहा कि उन्हें इस मामले में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है क्योंकि उनका अब भी मानना है कि मुख्य अपराधी, उन पर हमले के पीछे के मास्टरमाइंड अभी भी छिपे हुए हैं। जोसेफ ने राज्य के इडुक्की जिले के थोडुपुझा में अपने आवास के बाहर संवाददाताओं से कहा, जांच उन तक नहीं पहुंची है। यह इंगित करता है कि हमारी कानूनी प्रणाली उस हद तक विकसित नहीं हुई है।

प्रोफेसर ने कहा कि गिरफ्तारी पुलिस के लिए राहत की बात हो सकती है, लेकिन इस मामले में उनकी दिलचस्पी किसी अन्य व्यक्ति जितनी ही है। जोसेफ ने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि किसी आरोपी की गिरफ्तारी या सजा से पीड़ितों को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, इसका परिणाम केवल देश के कानून के कार्यान्वयन में होता है। यह पीड़ितों या उनके परिवारों की बदला लेने की आस को भी पूरा कर सकता है। हालांकि, जैसा कि मैंने पहले कहा है इससे खोई हुई चीज वापस नहीं मिलेगी। इससे पीड़ित को न्याय नहीं मिलने वाला। यह पूछे जाने पर कि क्या वह सवाद को पहचान सकते हैं, जोसेफ ने कहा कि वह ऐसा कर सकते हैं क्योंकि उन्हें अभी भी मुख्य आरोपी द्वारा किया गया हमला याद है।

पिछले साल जुलाई में केरल की एक एनआईए अदालत ने मामले में दोषी ठहराए गए छह लोगों में से तीन को यह कहते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी कि यह आतंकवादी कृत्य था जिसके लिए दोषी किसी भी नरमी के लायक नहीं हैं। मामले में अपराधियों को शरण देने के लिए बाकी तीन दोषियों को तीन साल की सजा सुनाई गई थी। सुनवाई के दूसरे चरण में अदालत ने छह लोगों को दोषी ठहराया था। मुकदमे के पहले चरण में 10 लोगों को गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (यूएपीए) के साथ-साथ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था तथा तीन अन्य को अपराधियों को शरण देने का दोषी पाया गया था। यह हमला तब हुआ जब प्रोफेसर एर्नाकुलम जिले के मुवत्तुपुझा में एक चर्च में रविवार की प्रार्थना सभा में भाग लेने के बाद अपने परिवार के साथ घर लौट रहे थे। हमला करने वाले सात लोगों के एक समूह ने प्रोफेसर को वाहन से बाहर खींच लिया, उनके साथ मारपीट की और फिर मुख्य आरोपी सवाद ने उनका दाहिना हाथ काट दिया। जांच करने वाले पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी न्यूमैन कॉलेज में बी कॉम सेमेस्टर परीक्षा के लिए निर्धारित प्रश्नपत्र में एक धर्म के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणियों के लिए जोसेफ को मारना चाहते थे।

सिक्किम से भाजपा के डी टी लेप्चा का राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना तय

गंगटोक। भाजपा के वरिष्ठ नेता डी टी लेप्चा का सिक्किम से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना तय है, क्योंकि दस्तावेज की जांच के दौरान उनका नामांकन पत्र सही पाया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच रिटर्निंग ऑफिसर, अतिरिक्त रिटर्निंग ऑफिसर, पर्यवेक्षक और अन्य अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की गई। अधिकारियों ने कहा कि 66 वर्षीय भाजपा नेता लेप्चा 30 वर्षों में राज्य से किसी राष्ट्रीय पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाले दूसरे राज्यसभा सदस्य होंगे। उन्होंने बताया कि कर्मा गोल्डन ने 30 मार्च 1988 से 24 फरवरी 1994 तक कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था। लेप्चा, हिशे लाचुंगपा का स्थान लेंगे, जिनका राज्यसभा में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के सदस्य के रूप में दूसरा कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है।

व्यवधान, विरोध प्रदर्शन केरल में सत्तारूढ़ वामपंथ के संस्कारों में शामिल: राज्यपाल

मलाप्पुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को राज्य में सत्तारूढ़ वामपंथियों पर निशाना साधते हुए कहा कि व्यवधान, अपमान और विरोध उनके संस्कारों में शामिल हैं और यही कारण है कि वे सत्तारूढ़ होने के बावजूद आंदोलन में शामिल रहते हैं। खान ने यहां पोन्नानी के रास्ते में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें दिखाए गए काले झंड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है। पार्टी के जो सदस्य राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं, वे सड़कों पर व्यवधान पैदा कर रहे थे।

सीपीआई (एम) और उसकी छात्र शाखा एसएफआई एवं युवा शाखा डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने यहां पोन्नानी में राज्यपाल को उस वक्त काले झंडे दिखाए जब वह कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। खान ने राज्य में वामपंथी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, अगर किसी एलियन जो इस जगह को नहीं जानता है, वह भी पूछे कि वे (प्रदर्शनकारी) कौन हैं तो आप क्या जवाब देंगे? वे उस पार्टी के सदस्य हैं जिसे केरल में सरकार चलाने के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा, अगर वे सत्ताधारी दल के हैं तो विरोध कैसे कर पा रहे हैं? क्या आपने कभी किसी सत्ताधारी दल को विरोध करते हुए सुना है? इसका जवाब यह होगा कि उनके संस्कार व्यवधान, अपमान और विरोध के हैं और वे इसमें इतने अभ्यस्त हैं कि वे भूल जाते हैं कि उन्हें राज्य में सरकार चलाने के लिए चुना गया है। यह अफसोस की बात है।

खान ने कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से कहा, यहां हर कोई जानता है कि उन्होंने अतीत में कितनी हिंसा की है। इसलिए, इसमें कुछ भी नया नहीं है और मैं उन्हें कोई महत्व नहीं देना चाहता। राज्यपाल को काले झंडे दिखाने से पहले एसएफआई ने दिवंगत कांग्रेस नेता पी. टी. मोहन कृष्णन की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए खान के आगमन से कुछ घंटे पहले पोन्नानी में जगह-जगह बैनर लगाए जिन पर लिखा था, श्रीमान कुलाधिपति आपका यहां स्वागत नहीं है और श्रीमान कुलाधिपति यह वह जगह है जहां के बहुत से लोगों को आप खूनी अपराधी कहते हैं, सावधान रहें। खान को व्यापारियों के संगठन केरल व्यापारी व्यवसाई एकोपना समिति द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लेने के लिए इडुक्की जिले के थोडुपुझा की यात्रा के दौरान भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा से जुड़े विभिन्न युवा संगठनों ने राज्यपाल का विरोध किया था।

नक्सली संबंधों के आरोप में किसान नेता दर्शन पाल को निष्कासित किया

नई दिल्ली। भाकपा (माओवादी) ने संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के संयोजक और वरिष्ठ किसान नेता दर्शन पाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों और गुटबाजौ को लेकर पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने नक्सलियों से कथित संबंध उजागर होने के बाद यह कदम उठाया है। विभिन्न किसान संघों के समूह एसकेएम ने अब निरस्त हो चुके तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल तक प्रदर्शन किया था। पाल क्रांतिकारी किसान यूनियन के अध्यक्ष भी हैं।

भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति को सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित कर दिया था। भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति ने हाल ही में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कॉमरेड जोसेफ (दर्शन पाल) और संजीत (अर्जुन प्रसाद सिंह) को "पार्टी विरोधी गतिविधियों और गुटबाजी" के कारण उनकी सदस्यता रद्द करते हुए, उन्हें सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर पार्टी से "बर्खास्त" करने की घोषणा की।

बयान में दावा किया गया है कि दोनों 1980 के दशक में क्रमश: पंजाब राज्य समिति सदस्य और बिहार राज्य समिति सदस्य के रूप में तत्कालीन भाकपा (माले) (पार्टी यूनिटी) में शामिल हुए थे। इसमें कहा गया है, बाद की प्रक्रिया में, भाकपा (माओवादी) का गठन हुआ और ए दोनों कॉमरेड इसमें शामिल हो गए और केंद्रीय समिति के मार्गदर्शन में जिम्मेदारियों के साथ काम करते रहे। 2014 में जब से जोसेफ को राज्य समिति में शामिल किया गया, तब से उनका काम पर पार्टी लाइन से हटकर निर्णय लेने की प्रवृत्ति हावी हो गई...। बयान में दावा किया गया है कि 2016 में कॉमरेड बलराज की जेल से रिहाई के बाद, कॉमरेड जोसेफ और कॉमरेड संजीत ने उनके साथ मिलीभगत कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हुए तथा पार्टी के संविधान और अनुशासन को तोड़ दिया।

बकाया वसूली को भाजपा नेता पंकजा मुंडे के चीनी कारखाने की ई-नीलामी करेगा यूबीआई

बीड। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने 203.69 करोड़ रुपए के बकाया वसूली के लिए महाराष्ट्र में स्थित और भाजपा की राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे के परिवार के नियंत्रण वाली सहकारी चीनी मिल की ई-नीलामी के लिए एक नोटिस जारी किया है। बैंक की तरफ से मंगलवार को स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित नोटिस के अनुसार, वैद्यनाथ सहकारी चीनी कारखाने की ई-नीलामी 25 जनवरी को होगी। नीलामी नोटिस में मुंडे और कई अन्य व्यक्तियों के नाम का उल्लेख कर्जदार और गारंटी देने वाले के रूप में किया गया है। नोटिस के अनुसार, बैंक के अहमदनगर क्षेत्रीय कार्यालय ने 203.69 करोड़ रुपए का बकाया वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पंकजा मुडे ने पिछले साल सितंबर में उनके परिवार द्वारा नियंत्रित मिल को जीएसटी विभाग से नोटिस मिलने की बात स्वीकार की थी। उन्होंने दावा किया था कि इस चीनी मिल को छोड़कर, कई अन्य मिलों को केंद्र सरकार से सहायता मिली। उन्होंने कहा कि चीनी मिल उनके पिता दिवंगत भाजपा नेता गोपीनाथ मुंडे ने कठिन परिस्थिति में शुरू की थी और कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने इसे चलाया। पंकजा मुंडे ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान स्थिति कठिन हो गई और अब कारखाना बैंक के कब्जे में है।

सुप्रीम कोर्ट ने हत्या मामले में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा को बरी करने का फैसला बरकरार रखा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें हत्या के एक मामले में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा को बरी किए जाने के खिलाफ 2004 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया गया था। मामला वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में प्रभात गुप्ता की हत्या से संबंधित है। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि वह उच्च न्यायालय की लखनऊपीठ और निचली अदालत के निष्कर्षों में हस्तक्षेप करने की इच्छुक नहीं है।

पीठ ने आठ जनवरी को सुनाए गए अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल को विस्तार से सुनने और रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री पर गौर करने के बाद हम दोनों अदालतों के निष्कर्षों में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। इसलिए विशेष अनुमति याचिकाएं खारिज की जाती हैं। निचली अदालत ने 2004 में मिश्रा को मामले में बरी कर दिया था, जिसके बाद राज्य सरकार ने फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत याचिकाकर्ता राजीव गुप्ता द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मई 2023 के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि निचली अदालत के फैसले में कोई त्रुटि नहीं थी। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री ने अपील को उच्च न्यायालय की लखनऊपीठ से प्रयागराज की मुख्य पीठ में स्थानांतरित करने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। गुप्ता (24) की हत्या के सिलसिले में लखीमपुर में दर्ज प्राथमिकी में मिश्रा और अन्य का नाम शामिल था। गुप्ता की जिले के तिकुनिया इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लखीमपुर खीरी के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 2004 में पर्याप्त सबूत के अभाव में मिश्रा और अन्य को मामले में बरी कर दिया था। बरी किए जाने के फैसले से असंतुष्ट राज्य सरकार ने अपील दायर की थी, जबकि मृतक के परिवार ने फैसले को चुनौती देते हुए एक अलग पुनरीक्षण याचिका दायर की थी।

गडकरी ने पंजाब में चार करोड़ की 29 राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन

होशियारपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को पंजाब में 4,000 करोड़ रुपए लागत की कुल 29 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में लुधियाना में लाडोवाल बाईपास, लुधियाना में छह-लेन वाले फ्लाईओवर और दो-लेन वाले रोड-ओवर ब्रिज, जालंधर-कपूरथला खंड को चार लेन में बदलने और जालंधर-मक्खू सड़क पर तीन पुलों का निर्माण शामिल है। गडकरी ने होशियारपुर-फगवाड़ा सड़क को चार लेन में बदलने और फिरोजपुर बाईपास को चार लेन बनाने सहित कई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

इस मौके पर गडकरी ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देशभर में कई एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही है जिससे जगहों के बीच की दूरी कम हो रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब से दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा तक बेहतर संपर्क सुविधा के लिए 1.20 लाख करोड़ रुपए की लागत से पांच नए एक्सप्रेसवे और आर्थिक गलियारे बनाए जा रहे हैं। उन्होंने 670 किलोमीटर लंबी दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके पूरा होने पर दिल्ली से अमृतसर चार घंटे में और दिल्ली से कटरा छह घंटे में पहुंचा जा सकता है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री एवं स्थानीय सांसद सोम प्रकाश और भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ भी मौजूद थे।

आरएसएस ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के मशहूर गायक राशिद खान के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने संगीतकार राशिद खान के निधन पर बुधवार को शोक व्यक्त किया और कहा कि वह एक ऐसी महान आत्मा थे, जो रामपुर-सहसवान घराने की परंपरा को नई ऊंचाइयों पर ले गए। राशिद खान का मंगलवार की दोपहर कोलकाता के एक अस्पताल में प्रोस्टेट कैंसर के कारण निधन हो गया। वह 55 साल के थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे और एक बेटी है। आरएसएस के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उस्ताद राशिद खान हिंदुस्तानी परंपरा में एक महान शास्त्रीय संगीतकार थे। वह रामपुर-सहसवान घराने के संस्थापक इनायत हुसैन खान के प्रपौत्र के रूप में परंपरा को नई ऊंचाइयों पर ले गए। हम इस महान आत्मा के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। उस्ताद राशिद खान के हजारों प्रशंसकों ने शास्त्रीय गायक को कोलकाता में श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत अमृतकाल से स्वर्णकाल में प्रवेश कर रहा है: अनुराग

भाषा। मुंबई

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारत अमृतकाल से स्वर्णकाल में प्रवेश कर रहा है और यह एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर भी अग्रसर है। सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले एवं खेल मंत्री ठाकुर ने महाराष्ट्र के ठाणे में 38वें रामभाऊ म्हालगी स्मृति व्याख्यानमाला को संबोधित किया। बुधवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में ठाकुर के हवाले से कहा गया, हम सभी धर्मों, जातियों और संप्रदायों को एक साथ लाकर सबका साथ, सबका विश्वास की अवधारणा पर आधारित राम राज्य की स्थापना करना चाहते हैं।

ठाकुर ने कहा कि डिजिटल इंडिया के जरिए भारत का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्ष में गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए बहुत सारे काम किए गए हैं। ठाकुर ने कहा कि भारत कई क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार कम अवधि में कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में प्रगति हो रही है और एक विकसित नया भारत बनाने के प्रयास जारी हैं।

एक साथ चुनाव कराने पर कोविंद समिति को लोगों से 5,000 से अधिक सुझाव मिले

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक राष्ट्र, एक चुनाव पर गठित समिति को एक साथ चुनाव कराने के संबंध में लोगों से 5,000 से अधिक सुझाव मिले हैं। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पिछले हफ्ते उच्च-स्तरीय समिति ने देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए मौजूदा कानूनी प्रशासनिक ढांचे में उचित बदलाव करने के संबंध में जनता से सुझाव आमंत्रित किए थे। सूत्रों ने कहा कि अब तक 5,000 से अधिक ई-मेल प्राप्त हुए हैं। एक सार्वजनिक नोटिस में उच्च स्तरीय समिति ने कहा था कि 15 जनवरी तक प्राप्त सुझावों पर विचार किया जाएगा। पिछले साल सितंबर में गठन के बाद से समिति की अब तक दो बैठकें हो चुकी हैं। इसने हाल में राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर एक साथ चुनाव कराने के विचार पर परस्पर सहमत तिथि पर उनके विचार मांगे थे। बाद में समिति ने पार्टियों को एक स्मरण पत्र भी भेजा था।

भारत में कोविड-19 के 605 नए मामले, चार मरीजों की मौत

भाषा। नई दिल्ली

देश में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 605 नए मामले सामने आए और चार संक्रमितों की मौत हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3,643 हो गई है। मंत्रालय के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे के दौरान कर्नाटक और केरल में कोविड-19 के दो-दो मरीजों की मौत हो गई। पिछले साल पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दोहरे अंक में पहुंच गई थी, लेकिन ठंड और वायरस के नए उपस्वरूप जेएन.1 के कारण संक्रमण के मामलों में तेजी आई है। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक पांच दिसंबर के बाद एक दिन में कोविड-19 के सर्वाधिक नए मामलों की संख्या 31 दिसंबर 2023 को 841 दर्ज की गई, जो मई 2021 में दर्ज सर्वाधिक मामलों का 0.2 प्रतिशत था।

कोविड-19 के उपचाराधीन कुल 3,643 मरीजों में से 92 प्रतिशत मरीज घर पर ही रहकर अपना इलाज करवा रहे हैं। इस संबंध में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, मौजूदा आंकड़ों से पता चलता है कि जेएन.1 उपस्वरूप की वजह से न तो नए मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है और न ही अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या तथा मृत्यु दर में वृद्धि हो रही है।

देश में कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के कारण अप्रैल-जून 2021 में महामारी की स्थिति भयावह हो गई थी और सात मई 2021 को देश में एक दिन में संक्रमण के 4,14,188 नए मामले सामने आए थे और 3,915 मरीजों की मौत हुई थी। वर्ष 2020 की शुरुआत से अब तक लगभग चार वर्ष में देश भर में कोरोना वायरस से लगभग साढ़े चार करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा इससे 5.30 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, अब तक संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या 4.4 करोड़ से अधिक हो गई है और इस संक्रमण से ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा कि देश में कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 220.67 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राशन घोटाले की जांच पर रिपोर्ट मांगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने मुख्य सचिव बीपी गोपालिका सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को राशन घोटाले में की गई कार्वाई के बारे में जानकारी देने को कहा है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। गोपालिका के अलावा गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार को राज्यपाल ने बैठक के लिए बुलाया है। राज्यपाल ने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी से राशन घोटाले में की गई कार्वाई के बारे में जानकारी देने को कहा है। वह उनसे आरोपी तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख की गिरफ्तारी में हुई प्रगति के बारे में भी जानकारी देने को कहेंगे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) निदेशक ने मंगलवार को राज्यपाल से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, बैठक करीब 40 मिनट तक चली और ईडी प्रमुख ने राज्यपाल को जानकारी दी। ईडी की एक टीम पर शुक्रवार को उस समय हमला किया गया, जब वे राशन घोटाले में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में छापेमारी करने के लिए संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख के घर गए थे। हमले के संबंध में ईडी पहले ही नजात थाने में शिकायत दर्ज करा चुकी है। आरोपी तृणमूल कांग्रेस नेता के परिवार और राज्य पुलिस ने भी केंद्रीय जांच एजेंसी के खिलाफ अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं।

स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने को झारखंड में आरंभ हुआ सीटी बजाओ कार्यक्रम

जमशेदपुर (झारखंड)। महीने भर से अधिक समय से कक्षा में नहीं आ रहे बच्चों को वापस स्कूल में लाने के प्रयास के तहत झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने प्रयास- सीटी बजाओ, स्कूल बुलाओ नामक एक अनोखा कार्यक्रम शुरू किया है। यहां से करीब 45 किलोमीटर दूर पूर्व सिंहभूम जिले में पोटका प्रखंड के तानग्रेन में एक सरकारी विद्यालय ने कुछ दिन पहले इस सरकारी कार्यक्रम के तहत सीटी बजाओ, उपस्थिति बढ़ाओ अभियान शुरू किया और उसका अच्छा असर भी नजर आया। तानग्रेन अद्यतित मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य अरविंद तिवारी ने कहा कि विद्यालय के आसपास के गांवों में हाल में शुरू किए गए सीटी बजाओ अभियान का अच्छा असर नजर आया है क्योंकि करीब एक महीने से गैर हाजिर रहे विद्यार्थी सीटी की आवाज सुनते ही विद्यालय आने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के सकारात्मक असर पर विचार करते हुए शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में इसे शुरू करने का फैसला किया है और उसने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जैसे ही बच्चे सुबह में स्कूल पहुंचते हैं, वे 11 जनवरी को सीटी बजाओ हैशटैग से सोशल मीडिया पर सीटी बजाने वाले विद्यार्थियों की तस्वीरें डालें। विद्यार्थियों को कक्षाओं में आने के वास्ते प्रेरित करने के लिए इन अभिनवकारी विचारों को अतीत में लागू कर चुके तिवारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमारी नजर उन विद्यार्थियों पर है जो करीब एक महीने से लगातार कक्षाओं में नहीं आए हैं।

उन्होंने कहा, हमने विद्यार्थियों को अलग-अलग समूहों में विभाजित कर दिया है तथा नदियोंहस्तियों के नामों जैसे प्रश्नों के उत्तर के आधार पर हमने समूह के कप्तान चुने हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन समिति के एक सदस्य, एक अध्यापक और समूह कप्तान उस विद्यार्थी के आगे एक शून्य लगा देते हैं जो एक या दो दिन कक्षा में नहीं आता है, जो विद्यार्थी एक महीने तक गैरहाजिर रहता है, उसके आगे वे दो शून्य लगा देते हैं तथा जो महीने से अधिक तक स्कूल नहीं आता है उसके आगे वे तीन शून्य लगा दते हैं। उन्होंने कहा, हमारा मुख्य उद्देश्य आखिर की दो श्रेणियों के विद्यार्थियों को वापस लाना है तथा सरकार के प्रस्तावित कार्यक्रम सीटी बजाओ के तहत हमने विद्यार्थियों को बुलाने के लिए सीटी बजाओ, उपस्थिति बढ़ाओ नामक जो अभियान शुरू किया है, उसका लक्ष्य हासिल करना है। समूह कप्तान अन्य विद्यार्थियों के साथ सुबह में गांवों में जाता है और विद्यार्थियों को स्कूल जाने के लिए तैयार होने के वास्ते उन्हें अलर्ट करता है।

डाकुओं पर लगाम कसने को नौसेना सक्रियता से अपने बेड़े तैनात कर रही: एड. हरि कुमार

हैदराबाद। नौसेना प्रमुख एडमिरल हरि कुमार ने बुधवार को कहा कि भारतीय नौसेना समुद्री डाकुओं पर लगाम कसने और उन्हें उनके जल क्षेत्र में ही सीमित रखने के लिए सक्रिय रूप से अपने बेड़े को तैनात कर रही है। नौसेना के लिए अडाणी डिफेंस और एयरोस्पेस द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित दृष्टि 10 स्टारलाइनर मानव रहित विमान (यूएवी) का अनावरण करने के बाद हरि कुमार ने कहा कि पिछले 40-42 दिनों के दौरान लाल सागर, उत्तरी और मध्य अरब सागर में मुख्य रूप से इजरायल के स्वामित्व या उसके ध्वज वाले अथवा उससे संबंधित जहाजों पर लगभग 35 ड्रोन हमले हुए हैं।

नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि भारत के निकटतम पड़ोसियों के पास सामूहिक रूप से काफी संख्या में यूएवी हैं और इसलिए, दूरदर्शिता यही है कि देश और उसके सशस्त्र बल इस क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करना जारी रखें। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हाल ही में हमारे लिहाज से केवल दो घटनाएं (समुद्री डाकुओं द्वारा जहाजों के अपहरण का प्रयास) हुई हैं। दोनों भारतीय ध्वज वाले जहाज नहीं थे, लेकिन दूसरे मामले में चालक दल भारतीय था इसलिए हमें जवाब देना पड़ा। इसलिए हम नाव पर सवार हुए और चालक दल को बचाया...इसलिए अब हम बहुत सक्रिय रूप से वहां अपनी इकाइयां तैनात कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ए समुद्री डाकू दूर रहें। भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को उत्तरी अरब सागर में लाइबेरिया के झंडे वाले जहाज एमवी लीला नॉरफोक के अपहरण के प्रयास को विफल कर दिया और 15 भारतीयों सहित उसके चालक दल के सभी सदस्यों को बचा लिया। नौसेना प्रमुख ने आगे कहा कि समुद्री डकैती विरोधी अभियान 2008 से चल रहा है और नौसेना ने इस अवधि के दौरान 105 से अधिक जहाजों को तैनात किया है।

स्टार्टअप सीईओ के बेटे की हत्या सुनियोजित लगती है, कमरे से मिली खांसी की दवा की बोतलें: पुलिस

पणजी। गोवा पुलिस को उस कमरे से खांसी की दवाई की दो खाली बोतलें मिली हैं जहां एक स्टार्टअप सीईओ ने अपने चार वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या की थी। दवा की बोतलें मिलने से ऐसे संकेत मिलते हैं कि आरोपी ने अपराध से पहले बच्चे को दवा की भारी खुराक दी होगी और यह सुनियोजित हत्या का मामला है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार पोस्टमॉर्टम से सामने आया है कि दम घुटने से बच्चे की मौत हुई। ए काम तकिए या किसी कपड़े से किया गया।

आरोपी सूचना सेठ ने अपने चार वर्षीय बेटे की कथित तौर पर गोवा में हत्या कर दी और फिर उसके शव को बैग में भरकर टैक्सी से पड़ोसी राज्य कर्नाटक चली गई। सेठ को सोमवार रात कर्नाटक के चित्रदुर्ग से गिरफ्तार किया गया और मंगलवार को उन्हें गोवा लाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि जिस सर्विस अपार्टमेंट के कमरे में महिला रुकी थी उसकी जांच के दौरान उन्हें खांसी की दवाई की दो खाली बोतलें (एक बड़ी और दूसरी छोटी) मिली। शव के पोस्टमार्टम से यह संभावना जताई गई है कि बच्चे की गला घोंटकर हत्या की गई है और शव पर संघर्ष के कोई निशान नहीं है। अधिकारी ने कहा, हम इस संभावना की जांच कर रहे हैं कि क्या महिला ने बच्चे की हत्या करने से पहले उसे खांसी की दवाई की भारी खुराक दी थी। सर्विस अपार्टमेंट के कर्मचारियों से पूछताछ में सामने आया है कि महिला ने उनसे खांसी होने का दावा कर दवाई की एक छोटी बोतल खरीदने के लिए कहा था। वहीं, ऐसा हो सकता है कि उसके पास दवाई की बड़ी बोतल पहले से ही हो। अधिकारी ने कहा, यह सुनियोजित हत्या का मामला लगता है।

आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपराध में शामिल होने से इंकार किया है और दावा किया कि जब वह सोकर उठी तो बच्चा मर चुका था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें उसकी बातों में विश्वास नहीं है। जांच से बच्चे की हत्या के कारण का पता चलेगा। फिलहाल हमें पता है कि उसके और उसके पति के बीच अनबन चल रही थी जिसकी वजह से उसने यह किया होगा। महिला छह जनवरी को सर्विस अपार्टमेंट में आई थी और दो दिनों तक वहां रहने के बाद सोमवार को टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। सीईओ की गिरफ्तारी के बाद गोवा के मापुसा शहर की एक अदालत ने मंगलवार को उसे छह दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। बच्चे के पिता वेंकट रमन इन दिनों इंडोनेशिया के जर्काता में रह रहे हैं और मंगलवार रात वह चित्रदुर्ग के हिरियुर पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया गया। हिरियूर तालुक अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कुमार नाइक ने संवाददाताओं को बताया, बच्चे की मौत गला दबाकर की गई।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 11 जनवरी 2024

भारत-ब्रिटेन सहयोग, सह-निर्माण सह-नवोन्मेष करेंगे: राजनाथ सिंह

लंदन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शाप्स के साथ ब्रिटेन-भारत रक्षा उद्योग सीईओ गोलमेज सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत ब्रिटेन के साथ सह-निर्माण पर केंद्रित एक समृद्ध रक्षा साझेदारी की कल्पना करता है। गोलमेज बैठक में ब्रिटेन के रक्षा उद्योग के कई मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के अधिकारी, ब्रिटेन-भारत व्यापार परिषद (यूकेआईबीसी) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में प्रमुख रक्षा कंपनियों में शामिल बीएई सिस्टम्स, जीई वर्नोवा, जेम्स फिशर डिफेंस, लियोनार्डो एसपीए, मार्टिन बेकर एयरक्राफ्ट कंपनी लिमिटेड, एसएएबी यूके, थेल्स यूके, अल्ट्रा-मैरीटाइम

रोल्स-रॉयस, एडीएस ग्रुप और एमबीडीए यूके के प्रतिनिधि शामिल थे।

सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लंदन में ब्रिटेन-भारत रक्षा सीईओ गोलमेज बैठक में उद्योग जगत के नेताओं और सीईओ के साथ शानदार बातचीत हुई। उन्होंने कहा, भारत सहयोग, सह-निर्माण और सह-नवोन्मेष के लिए ब्रिटेन के साथ एक समृद्ध साझेदारी की कल्पना करता है। दोनों देशों की ताकतों का समन्वय करके, हम एक साथ बड़े काम कर सकते हैं। बैठक में ब्रिटेन के रक्षा खरीद राज्य मंत्री जेम्स कार्टिल्ज भी शामिल हुए और इसमें भारत-ब्रिटेन रक्षा औद्योगिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

भारत के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सिंह ने ब्रिटेन से निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग का स्वागत किया और कहा कि भारत कुशल मानव संसाधन आधार, एक मजबूत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और व्यापार समर्थक पारिस्थितिकी तंत्र तथा एक विशाल घरेलू बाजार के साथ तैयार है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की राह पर आगे बढ़ रहा है। शाप्स ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत-ब्रिटेन संबंध मूल रूप से एक रणनीतिक साझेदारी के रूप में सामान्य खरीदार-विक्रेता संबंधों से आगे बढ़ चुके हैं।

अफ़ग़ानिस्तान में मिनी वैन में विस्फोट की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ने ली

इस्लामाबाद। इस्लामिक स्टेट समूह ने मंगलवार को अफगानिस्तान की राजधानी में एक मिनी वैन में विस्फोट की जिम्मेदारी ली, जिसमें कम से कम तीन लोग मारे गए। हमले के तुरंत बाद इस्लामिक स्टेट द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उसने काबुल में अफगानिस्तान की मुख्य जेल के कर्मचारियों के एक वाहन पर विस्फोटक के जरिए विस्फोट किया, जिसमें 10 लोग हताहत हुए। पुलिस प्रवक्ता खालिद जादरान ने बम विस्फोट की पुष्टि करते हुए कहा कि हमले में तीन नागरिक मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि विस्फोट शहर के पूर्वी हिस्से आलोकहेल इलाके में हुआ और पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। इस क्षेत्र में इस्लामिक स्टेट समूह के सहयोगियों ने अतीत में अक्सर शियाओं को निशाना बनाकर हमले किए हैं। सप्ताहांत में, इस्लामिक स्टेट समूह ने पश्चिमी काबुल में एक मिनी बस में विस्फोट की जिम्मेदारी ली।

इस वर्ष 50 से अधिक देशों में होंगे चुनाव

लंदन। भारत, रूस, ब्रिटेन समेत दुनिया के 50 से अधिक देशों में 2024 में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं। इन देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह वर्ष सबसे मजबूत लोकतंत्रों की भी परीक्षा लेने और तानाशाही रुझान वाले नेताओं के हाथों को मजबूत करने के लिए तैयार है। रूस, ताइवान और ब्रिटेन से लेकर भारत, अल सल्वाडोर और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों का मानवाधिकारों, अर्थव्यवस्थाओं, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और अस्थिरता से भरी दुनिया में शांति की संभावनाओं के हिसाब से व्यापक प्रभाव है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच संभावित दोबारा मुकाबला चुनावी कैलेंडर में बड़ा मुकाबला दिख रहा है। लंदन स्थित विचार समूह चैथम हाउस की निदेशक ब्रॉनवेन मैडॉक्स के अनुसार इन चुनावों से मतदाताओं के बीच असंतोष, अधीरता, बेचैनी की मनोदशा का आकलन होगा। चीन के अत्यंत दबाव में ताइवान में शनिवार को होने राष्ट्रपति पद और 113 सदस्यीय संसद के चुनाव के नतीजे का एशिया-प्रशांत क्षेत्र सहित अमेरिका पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा।

चीन ने स्वशासित द्वीप पर सैन्य इस्तेमाल की फिर से धमकी दी है, क्योंकि वह ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। चीन ने इस चुनाव को युद्ध और शांति के बीच विकल्प के तौर पर बताया है। हालांकि, राष्ट्रपति पद के तीनों प्रमुख उम्मीदवारों में से किसी ने भी ताइवान की स्वतंत्रता की घोषणा करके चीन को नाराज करने की इच्छा नहीं जताई है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, दुनिया की सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला नेता हैं। हसीना देश में रविवार को हुए चुनाव में लगातार चौथे कार्यकाल के लिए चुनी गईं, जिसका विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया था और देश में हिंसा हुई थी।

सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत में 2024 के मध्य में आम चुनाव होने वाले हैं, जिसमें लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीत की संभावना जताई जा रही है। सत्ता बरकरार रखने की चाह रखने वाले अन्य नेता अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले हैं, जिन्हें हिंसक गिरोहों पर लगाम लगाने के वास्ते आक्रामक कार्वाई के लिए आपात शक्तियों का इस्तेमाल करने के कारण व्यापक समर्थन मिल रहा है।

मेक्सिको दो जून को होने वाले चुनाव में अपनी पहली महिला राष्ट्रपति चुनने के लिए तैयार है। मेक्सिको सिटी की मेयर क्लॉडिया शिनबॉम और पूर्व विपक्षी सीनेटर जौचिटल गैल्वेज राष्ट्रपति पद के दावेदारों में शामिल हैं। दक्षिण पूर्व एशिया के सबसे बड़े लोकतंत्र इंडोनेशिया में मतदाता 14 फरवरी को राष्ट्रपति जोको विडोडो के उत्तराधिकारी का चयन करने वाले हैं। जनमत सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबियंतो और मध्य जावा के पूर्व गवर्नर गंजर प्रणोवो के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा होने की संभावना है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन की प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी हुई

न्यूयॉर्क। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड जे. ऑस्टिन को प्रोस्टेट कैंसर था और पिछले महीने उनकी सर्जरी हुई थी। यह जानकारी राष्ट्रपति जो बाइडन को नहीं दी गई थी। पेंटागन ने यह जानकारी दी। वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में ट्रॉमा मेडिकल निदेशक डॉ. जॉन मैडॉक्स और मुर्था कैंसर सेंटर के निदेशक डॉ. ग्रेगरी चेसनट ने एक बयान में बताया कि ऑस्टिन को पिछले महीने की शुरुआत में प्रोस्टेट कैंसर का पता चला था। ऑस्टिन (70) को 22 दिसंबर, 2023 को उनकी मेडिकल टीम से परामर्श के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी सर्जरी की गई।

सर्जरी के दौरान ऑस्टिन को सामान्य एनेस्थीसिया दिया गया था और वह अगली सुबह घर चले गए थे। उनमें प्रोस्टेट कैंसर का जल्द पता चल गया था। बयान में बताया गया है कि ऑस्टिन को दिसंबर में हुई सर्जरी की जटिलताओं के कारण एक जनवरी को वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया था। उन्हें पेट, कूल्हे और पैर में दर्द के साथ मतली की शिकायत थी। प्रारंभिक जांच में मूत्राशय में संक्रमण का पता चला जिसके बाद दो जनवरी को निगरानी और बेहतर देखभाल के लिए उन्हें आईसीयू इकाई में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया।

अमेरिका के विदेश मंत्री से संबंधित यह महत्वपूर्ण जानकारी मंगलवार सुबह तक बाइडन या व्हाइट हाउस को नहीं दी गई। समाचार पत्र न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि जब व्हाइट हाउस में अधिकारियों को ऑस्टिन के उपचार और सर्जरी के बारे में पता चला तो वह हैरान रह गए। पेंटागन के प्रेस सचिव वायु सेना के मेजर जनरल पैट्रिक राइडर ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि ऑस्टिन की हालत में लगातार सुधार हो रहा है और मनोबल मजबूत है।

भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति ने चीनी समकक्ष से भेंट की

भाषा। बीजिंग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपने मंत्रियों की आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर भारत के साथ राजनयिक विवाद के बीच, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने बुधवार को अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग से मुलाकात की। मुइज्जू चीन की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। राष्ट्रपति मुइज्जू का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। आधिकारिक मीडिया ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि शी और मुइज्जू ने बातचीत की। मुइज्जू को चीन समर्थक नेता माना जाता है। पिछले दिनों मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। उसके बाद बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने मालदीव यात्रा रद्द कर दी। मालदीव पर्यटन पर निर्भर द्वीपीय राष्ट्र है। शी के साथ बातचीत के अलावा, मुइज्जू के चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है। वह 12 जनवरी को माले लौटेंगे। मुइज्जू कल रात बीजिंग पहुंचे। इससे पहले वह दो दिनों तक चीन के फुज़ियान शहर में थे।

मुइज्जू ने मंगलवार को चीन से उनके देश में अधिक पर्यटकों को भेजने के प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया। चीन की अपनी पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दूसरे दिन मुइज्जू ने मंगलवार को फुजियान प्रांत में मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए चीन को द्वीपीय राष्ट्र का निकटतम सहयोगी बताया। उन्होंने कहा, कोविड से पहले चीन के पर्यटक सबसे अधिक संख्या में हमारे देश में आते थे, और मेरा अनुरोध है कि चीन इस स्थिति को फिर से हासिल करने के लिए प्रयास तेज करे। उनकी यह अपील भारत के साथ राजनयिक विवाद के बीच आई है।

मुइज्जू की सरकार ने सोशल मीडिया पर मोदी के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट के लिए तीन उप मंत्रियों को निलंबित कर दिया है। मालदीव के पर्यटन मंत्रालय द्वारा पहले जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत 2023 में देश के लिए सबसे बड़ा पर्यटक बाजार बना हुआ है। पिछले साल मालदीव में सबसे अधिक 2,09,198 भारतीय पर्यटक पहुंचे थे, इसके बाद 2,09,146 रूसी पर्यटक और।,87,118 चीनी पर्यटक पहुंचे थे।

मुइज्जू ने कहा कि चीन हमारे सबसे करीबी सहयोगियों और विकास भागीदारों में से एकै है। अपने संबोधन में उन्होंने 2014 में राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा शुरू की गई बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) परियोजनाओं की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने (चिनफिंग) मालदीव के इतिहास में देखी गई सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं प्रदान की हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रशासन चीन के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के त्वरित कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ वाणिज्यिक संबंधों का प्रतीक बताया। मालदीव और चीन ने दिसंबर 2014 में एफटीए पर हस्ताक्षर किए थे। उस समय चीन समर्थक अब्दुल्ला यामीन राष्ट्रपति थे। उनके उत्तराधिकारी राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के प्रशासन ने समझौते को लागू नहीं किया।

सत्तारूढ़ गठबंधन ने चुनावों में भारत विरोधी भावनाओं को उभारा

लंदन। प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने 2023 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को उभारा और इस विषय पर दुष्प्रचार का प्रयास किया। यूरोपीय संघ (ईयू) की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। मालदीव के लिए यूरोपियन इलेक्शन ऑब्जरवेशन मिशन (ईयू ईओएम) ने पिछले साल नौ और 30 सितंबर को हुए दो दौर के चुनाव पर मंगलवार को अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की।

राष्ट्रीय अधिकारियों के निमंत्रण पर हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र में 11 सप्ताह के लंबे अवलोकन के बाद ईयू ईओएम ने कहा कि पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा चलाया गया अभियान राष्ट्र पर भारत के प्रभाव की आशंकाओं पर आधारित था। रिपोर्ट में कहा गया है, ईयू ईओएम पर्यवेक्षकों ने पीपीएम-पीएनसी की ओर से राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक भाषा के उदाहरण देखे हैं। पार्टियों के अभियान में भारत विरोधी भावनाएं शामिल थीं। देश के अंदर भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति के बारे में भी चिंता प्रकट की गई थी। इसके साथ ही ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान चलाए गए।

ईयू मिशन ने उल्लेख किया कि राजनीतिक और प्रचार अभियान के तहत धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी का अभाव देखा गया। ईयू ईओएम ने सरकारी मीडिया सहित मीडिया के राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया, जबकि सोशल मीडिया में सूचना में हेरफेर के भी कुछ संकेत मिले। रिपोर्ट में कहा गया, दोनों खेमे नकारात्मक प्रचार में भी लगे हुए थे। एक खेमा भारतीय सेना की उपस्थिति की अनुमति देने का आरोप भी लगा रहे थे। उस समय के मौजूदा राष्ट्रपति, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, पिछले साल फिर से चुनाव में उतरे थे।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से भेंट की

तेल अवीव। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। ब्लिंकन ने गाजा में युद्ध के बाद की योजनाओं के वास्ते क्षेत्र को एकजुट करने संबंधी प्रयासों के तहत शासन सुधारों पर बल दिया। ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध के बाद गाजा के पुनर्निर्माण और शासन में सहायता के लिए सभी से सहयोग की मांग की। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार इजराइल के पास एक फलस्तीनी राज्य के निर्माण का पुरजोर तरीके से विरोध कर रही है। गाजा में युद्ध अब भी जारी है और इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। तीन महीने पहले युद्ध शुरू होने के बाद से क्षेत्र की अपनी चौथी यात्रा पर आए ब्लिंकन ने हाल के दिनों में सऊदी अरब, जॉर्डन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और तुर्किए के नेताओं से मुलाकात की है।

हाफिज सईद पाक सरकार की हिरासत में 78 साल की सजा काट रहा है: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। मुंबई आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता और लश्कर-ए-तैयबा का सरगना हाफिज सईद पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है और आतंक के वित्तपोषण मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद 78 साल की सजा काट रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने अद्यतन जानकारी में इस बात की पुष्टि की है। दिसंबर 2008 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अल-कायदा प्रतिबंध समिति ने सईद (73) को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था। प्रतिबंध समिति ने संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइट पर कहा, आतंकवाद के वित्तपोषण से संबंधित सात मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से वह (सईद) पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है और 12 फरवरी 2020 से 78 साल की कैद की सजा काट रहा है। सईद वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता है और उसके प्रत्यर्पण के लिए भारत ने दिसंबर में पाकिस्तान से बातचीत की थी।

सुरक्षा परिषद 1267 समिति ने पिछले माह अपनी इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट (आईएसआईएल) और अल-कायदा प्रतिबंध सूची में लोगों और संस्थाओं की जब्त संपत्ति, यात्रा प्रतिबंध और हथियार प्रतिबंध से जुड़ी कुछ प्रविष्टियों में कई संशोधन किए थे। अद्यतन विज्ञप्ति के माध्यम में बताया गया कि सईद उन लोगों में से है जिनकी जानकारी में संशोधन किया गया। इन संशोधनों के तहत, प्रतिबंध समिति ने यह भी कहा कि लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक सदस्य हाफिज अब्दुल सलाम भुट्टावी की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मुंबई हमले के लिए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को प्रशिक्षित करने वाले भुट्टावी को यूएनएससी द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया था। आतंक के वित्तपोषण के जुर्म में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की एक जेल में सजा के दौरान पिछले साल उसकी मौत हो गई।

इजराइली सेना ने बिना किसी उकसावे के तीन फलस्तीनियों पर गोलियां चलाईं, एक मरा

बीट रीमा। पश्चिमी तट का एक वीडियो सामने आया है जिसमें नजर आ रहा कि मध्यवर्ती क्षेत्र में एक चौराहे पर खड़े व्यक्ति पर अचानक गोली चला दी जाती है और वह गिर जाता है। उसकी मदद के लिए दो लोग दौड़ते हैं, उन पर भी गोलियां चलाई जाती हैं और उनमें 17 वर्षीय एक किशोर की मौत हो जाती है। थोड़ी ही देर बाद वहां एक इजराइली सैन्यजीप पहुंचती है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा इस वीडियो की समीक्षा एवं दो घायलों से की गई बातचीत से सामने आया कि इजराइली सैनिकों ने उन तीन लोगों पर गोलियां चलाईं जो उनके लिए कोई खतरा नहीं थे। उनमें से एक घायल फलस्तीनी ने जब उठकर वहां से जाने की कोशिश की तब उस पर दोबारा गोली चला दी गई।

बीट रीमा गांव की पिछले सप्ताह की यह गोलीबारी उन श्रृंखलाबद्ध घटनाओं की एक नवीनतम कड़ी है जिनमें सैनिक बिना किसी उकसावे की गतिविधि के बिना गोलियां चलाते हुए नजर आते हैं। फलस्तीनियों का

कहना है कि तीन महीने पहले इजराइल-फलस्तीन लड़ाई शुरू होने के बाद इस तरह की प्रवृत्ति और गंभीर रूप ले रही है।

वैसे इजराइली सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने आतंकवाद निरोधक अभियान के तहत बृहस्पतिवार रात से शुक्रवार तक बीट रामा में प्रवेश किया। उसने कहा कि सैनिकों ने संदिग्धों पर तब गोलियां चला दीं जब उन्होंने उनपर विस्फोटक और बम फेंके। वैसे एपी ने एक स्थानीय दुकान से जो वीडियो हासिल किया है, उसमें कोई विस्फोटक फेंकता नहीं दिख रहा है। इस फुटेज को देखने के बाद (इजराइली) सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैनिकों ने बताया कि इस फ्रेम के बाहर एक वस्तु के सामने रेंगता नजर आ रहा एक फलस्तीनी मोलोटोव कोकटेल (एक प्रकार का बोतल बम) को फूंक रहा था, तब उसे गोली मारी गई। वीडियो में नजर आ रहा है कि पहली गोली रेंग रहे व्यक्ति को नहीं लगी बल्कि नादेर रिमावी नामक एक अन्य फलस्तीनी को लगी। नादेर ने बताया कि वह सामान कार्डबोर्ड के डिब्बे एवं रद्दी कागजों का ढेर था जिसे 17 वर्षीय

इजराइल, फलस्तीनी नेताओं के लगातार संपर्क में भारत: कंबोज

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने कहा है कि वह इजराइल और फलस्तीन के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में है और पश्चिम एशिया संघर्ष की शुरुआत के बाद से उसका स्पष्ट संदेश तनाव बढ़ाने से रोकना रहा है ताकि मानवीय सहायता की निरंतर आपूर्ति की जा सके और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली सुनिश्चित की जा सके। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भारत की स्थाई प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र में कहा, इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष से बड़े पैमाने पर नागरिकों विशेषकर महिलाओं और बच्चों की जान गई है और इसके एक खतरनाक मानवीय संकट पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य है और हमने नागरिकों की मौत की कड़ी निंदा की है। भारत इस बात से अवगत है कि इसका तात्कालिक कारण सात अक्टूबर को इजराइल में हुए आतंकवादी हमले थे। हमले बेहद चौंकाने वाले थे और हम स्पष्ट तौर पर इसकी निंदा करते हैं। भारत का आतंकवाद के प्रति बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने का दृष्टिकोण रहा है। आतंकवाद और बंधक बनाने को जायज नहीं ठहराया जा सकता है। कंबोज ने कहा कि भारत बंधक बनाए गए लोगों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग करता है। कंबोज ने 193 सदस्यीय यूएनजीए को बताया कि भारत का नेतृत्व इजराइल और फलस्तीन सहित क्षेत्र के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में है। इस संघर्ष की शुरुआत के बाद से भारत का संदेश स्पष्ट है। मानवीय सहायता की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली की दिशा में काम करने के लिए तनाव को रोकना महत्वपूर्ण है। बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है।

चुनाव से पहले इमरान खान की पार्टी को बड़ी राहत

- पेशावर उच्च न्यायालय ने बल्ला चुनाव चिह्न किया बहाल

पेशावर। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी का चुनाव चिह्न क्रिकेट बल्ला रद्द करने और उसके संगठनात्मक चुनावों को खारिज करने संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को बुधवार को असंवैधानिक घोषित कर दिया। अदालत से इस फैसले को आम चुनाव से पहले इमरान खान की पार्टी के लिए एक बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार पेशावर उच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को उसका क्रिकेट बल्ला चुनाव चिह्न वापस लौटाए और पार्टी के आंतरिक चुनावों से जुड़ा दस्तावेज अपनी वेबसाइट पर अपलोड करे।

यह फैसला पार्टी द्वारा अपने चुनाव चिह्न की बहाली के अनुरोध संबंधी याचिका उच्चतम न्यायालय से वापस लेने के तुरंत बाद आया है। निर्वाचन आयोग ने 22 दिसंबर को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संगठनात्मक चुनावों और आठ फरवरी के आम चुनावों के लिए क्रिकेट बल्ले को उसके चुनाव चिह्न के रूप में बनाए रखने की उसकी याचिका को खारिज कर दिया था। आयोग ने कहा था कि पीटीआई अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार चुनाव कराने में विफल रही।

न्यायमूर्ति इजाज अनवर और न्यायमूर्ति अरशद अली की दो सदस्यीय पीठ ने पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) के फैसले को गलत करार दिया। पीटीआई ने 26 दिसंबर को ईसीपी के आदेश के खिलाफ पेशावर उच्च न्यायालय का रुख किया था और एकल पीठ ने नौ जनवरी तक पार्टी का चुनाव चिह्न बहाल कर दिया था। निर्वाचन आयोग ने 30 दिसंबर को पेशावर उच्च न्यायालय में एक समीक्षा याचिका दायर की थी जिसमें दलील दी गई थी कि अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। फैसले की घोषणा के बाद न्यायालय के बाहर मीडिया से बात करते हुए पीटीआई के वकील अली जफर ने कहा, अब, पीटीआई को ए चुनाव जीतने से कोई नहीं रोक सकता। फैसले का स्वागत करते हुए पीटीआई सांसद ने कहा कि पेशावर उच्च न्यायालय ने कानून के मुताबिक फैसला सुनाने की अपनी परंपरा बरकरार रखी है। उन्होंने कहा, अदालत ने पीटीआई के बल्ले चुनाव चिह्न को बहाल करने और पार्टी के संगठनात्मक चुनाव के नतीजों को तुरंत अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने का आदेश दिया है।

डब्ल्यूएचओ बोर्ड में नियुक्ति के लिए अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति का नाम भेजा गया

भाषा। वाशिंगटन

राष्ट्रपति जो बाइडन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के कार्यकारी बोर्ड में अमेरिका के प्रतिनिधि के रूप में काम करने के लिए एक बार फिर भारतीय-अमेरिकी सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति को नामित किया है। मूर्ति (46) का नाम सीनेट को फिर से भेजा गया है क्योंकि इस पद पर नियुक्ति के लिए उनके नाम की पुष्टि अक्टूबर 2022 से सीनेट में लंबित थी। अमेरिकी सीनेट ने मार्च 2021 में देश के 21वें सर्जन जनरल के रूप में नियुक्ति के लिए उनके नाम की पुष्टि की थी। उन्होंने उससे पहले तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में 19वें सर्जन जनरल के रूप में भी कार्य किया था।

देश के शीर्ष चिकित्सक के रूप में सर्जन जनरल का कार्य आम लोगों के लिए सुसंगत और न्यायसंगत मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करने की खातिर सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक जानकारी के आधार पर एक स्वस्थ देश की नींव रखने में सहायता करना है। आठ जनवरी को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में व्हाइट हाउस ने सीनेट को भेजे गए नामांकन में मूर्ति के नाम का उल्लेख किया। यूएस पब्लिक हेल्थ सर्विस कमीशन्ड कोर के वाइस एडमिरल के रूप में डॉ. मूर्ति 6,000 से अधिक समर्पित लोक स्वास्थ्य अधिकारियों की एकीकृत सेवा का भी नेतृत्व करते हैं, जो सबसे वंचित और कमजोर आबादी की सेवा करते हैं।

व्हाइट हाउस ने कहा कि भारतीय मूल के पहले सर्जन जनरल डॉ. मूर्ति मियामी में पले-बढ़े और हार्वर्ड, एल स्कूल ऑफ मेडिसिन और एल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से स्नातक हैं। प्रसिद्ध चिकित्सक, अनुसंधान वैज्ञानिक, उद्यमी और लेखक रहे मूर्ति अपनी पत्नी डॉ. एलिस चेन और अपने दो बच्चों के साथ वाशिंगटन में रहते हैं। मूर्ति का जन्म हडर्सफील्ड, यॉर्कशायर में हुआ था। मूर्ति के माता-पिता भारत में कर्नाटक से हैं।

पाक की शीर्ष अदालत ने राजद्रोह मामले में दिवंगत सैन्य शासक मुशर्रफ की मौत की सजा बरकरार रखी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत पूर्व सैन्य शासक जनरल परवेज मुशर्रफ को राजद्रोह मामले में 2019 में एक विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को बुधवार को बरकरार रखा। वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के सूत्रधार और पाकिस्तान के अंतिम सैन्य शासक मुशर्रफ का लंबी बीमारी के बाद पिछले साल पांच फरवरी को दुबई में निधन हो गया। 79 वर्षीय मुर्शरफ दुबई में अमाइलॉइडोसिस के लिए उपचार करा रहे थे। वह अपने देश में मुकदमों से बचने के लिए 2016 से स्व-निर्वासन में संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे थे।

पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। इस पीठ में न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह, न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान और न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह भी शामिल थे। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के कार्यकाल के दौरान नवंबर 2007 में आपातकाल लागू करने के असंवैधानिक निर्णय के लिए मुशर्रफ के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के बाद एक विशेष अदालत ने 17 दिसंबर, 2019 को पूर्व सैन्य शासक को मौत की सजा सुनाई।

शीर्ष अदालत ने पूर्व शासक द्वारा मौत की सजा के खिलाफ दायर अपील पर फैसला सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व राष्ट्रपति की अपील को खारिज करते हुए कहा, मुशर्रफ के उत्तराधिकारी कई नोटिस पर भी सुनवाई पर नहीं आए। मुशर्फ के वकील सलमान सफदर ने कहा कि अदालत द्वारा अपील पर सुनवाई करने का फैसला करने के बाद उन्होंने मुशर्फ के परिवार से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन परिवार ने कभी उन्हें जवाब नहीं दिया। अदालत ने लाहौर उच्च न्यायालय के फैसले को भी अमान्य और शून्य घोषित कर दिया, जिसने विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को निलंबित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला कानून के खिलाफ था।

शीर्ष अदालत ने 29 नवंबर, 2023 को पिछली सुनवाई में कहा था कि 12 अक्टूबर, 1999 को मुशर्रफ द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ को वैध ठहराने वाले न्यायाधीशों सहित उन सभी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति अतहर ने यह भी टिप्पणी की थी कि जिन न्यायाधीशों ने 1999 में मुशर्रफ द्वारा मार्शल लॉ लागू करने को वैध ठहराया था, उन पर भी मुकदमा चलाया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा था कि भले ही किसी को संविधान को निष्प्रभावी करने के लिए दंडित नहीं किया गया हो, कम से कम किसी को यह स्वीकार करना चाहिए कि अतीत में जो किया गया वह गलत था।

निशानेबाज नैन्सी ने स्वर्ण और इलावेनिल ने रजत पदक जीता

भाषा। जकार्ता

उभरती हुई निशानेबाज नैन्सी और ओलंपियन इलावेनिल वलारिवान ने बुधवार को यहां एशिया ओलंपिक क्वालीफायर की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। जूनियर विश्व टीम चैम्पियन नैन्सी ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 252.8 अंक से शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं हमवतन इलावेनिल मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गईं, उन्होंने 252.7 अंक से रजत पदक जीता। भारत मामूली अंतर से महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में क्लीन स्वीप से भी चूक गया। मेहुली घोष 210 अंक से चीन की शेन युफान से पीछे चौथे स्थान स्थान पर रहीं।वहीं भारत के विश्व चैम्पियन निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में 228.7 अंक से कांस्य पदक जीता। इसमें चीन के मा सिहान (251.4) ने स्वर्ण और कोरिया के दाएहान चो ने रजत पदक हासिल किया। फाइनल में पहुंचे एक अन्य भारतीय अर्जुन बबुता छठे स्थान पर रहे।रुद्रांक्ष ने 630.4 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था जबकि बबुता (629.6) चौथे स्थान से पदक राउंड में पहुंचे थे।

इससे पहले 24 वर्षीय इलावेनिल ने क्वालीफाइंग दौर में 633.8 अंक बनाकर पहले स्थान से फाइनल में जगह बनाई थी जबकि नैन्सी ने 632.4 और मेहुली ने 631.0 अंक से क्वालीफाई किया था। जूनियर महिला निशानेबाजों ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल कर वो कर दिखाया जो सीनियर महिला निशानेबाज नहीं कर सकीं। इशा टकसाले (253.1), ख्याति चौधरी (251.2) और अवी राठौड़ (227.7) क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। जूनियर लड़कों ने भी अपने सीनियर निशानेबाजों से बेहतर प्रदर्शन किया। अभिनव साव (250.7) और पार्थ माने (229.6) ने जूनियर पुरुष एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। इन दोनों ने उमामहेश मादिनेनी के साथ मिलकर टीम स्पर्धा का रजत पदक भी अपने नाम किया। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के पहले दिन के क्वालीफिकेशन में 50 निशानेबाजों में ईशा सिंह 291 अंक से तीसरे, रिद्म सांगवान 290 अंक से पांचवें और सिमरनप्रीत कौर बरार 287 अंक से 12वें स्थान पर थीं। फाइनल गुरुवार को होगा।

रोहित शर्मा पर रहेंगी नजरें

पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय से हटे कोहली

भाषा। मोहाली

भारत और अफगानिस्तान के बीच सीमित ओवरों की पहली श्रृंखला के शुरुआती टी20 मैच में बृहस्पतिवार को सभी की नजरें वापसी कर रहे रोहित शर्मा पर टिकी होंगी क्योंकि विराट कोहली निजी कारणों से इस मुकाबले से हट गए हैं। कोहली हालांकि दूसरे और तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए उपलब्ध रहेंगे। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मीडिया से बात करने से पहले भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बताया कि कोहली पारिवारिक कारणों से हट गए हैं। रोहित और कोहली दोनों इस श्रृंखला के साथ 14 महीने के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वापसी कर रहे हैं। जून में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले तीन मैचों की यह श्रृंखला भारत के लिए आखिरी है और इससे अमेरिका तथा वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप के लिए टीम संयोजन तैयार करने में मदद मिलेगी। वैसे अंतिम 15 का चयन आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर होने की संभावना है चूंकि वह विश्व कप से ठीक पहले होगा। द्रविड़ ने कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ रोहित युवा यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करेंगे। रोहित और वापसी के बाद कोहली का टीम में खेलना तय है लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ दोनों बड़े स्कोर बनाकर तैयारी पुख्ता करना चाहेंगे। अफगानिस्तान टीम अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बगैर उतरेगी जो नवंबर में कमर की सर्जरी के बाद से अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हैं। अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जदरान ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा , वह पूरी तरह से फिट नहीं है। हमें उसकी कमी खलेगी और उसके नहीं होने से हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ेगा लेकिन हमें हर तरह के हालात के लिए तैयार रहना होगा। दूसरी ओर रोहित दर्शकों के चहेते हैं और उनके खेलने से भारी शीतलहर के बावजूद मोहाली में इस मैच को लेकर काफी रोमांच है। कप्तान रोहित पावरप्ले में वही आक्रामक अंदाज दोहराना चाहेंगे जो उन्होंने वनडे विश्व कप में दिखाया था। पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका से लौटी टीम बुधवार को श्रृंखला के पहले मैच से एक दिन पहले ही एकत्र होगी। दक्षिण अफ्रीका में शीर्ष क्रम में जिम्मेदारी निभाने के बाद जायसवाल और तिलक वर्मा टीम में हैं। शुभमन गिल भी टीम का हिस्सा हैं। दक्षिण अफ्रीका में गिल का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा और शीर्षक्रम के लिए तेज होती प्रतिस्पर्धा के बीच उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका में रिंकू सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया और मध्यक्रम में चोटिल सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या की गैर मौजूदगी में उनकी भूमिका अहम होगी। ईशान किशन टीम में नहीं है और विकेटकीपिंग के विकल्प जितेश शर्मा तथा संजू सैमसन होंगे। पिछली दो श्रृंखलाओं में विकेटकीपिंग कर चुके जितेश को तरजीह मिलने की उम्मीद है। शिवम दुबे भी टीम में हैं और तेज गेंदबाज हरफनमौला के रूप में खेल सकते हैं। तेज गेंदबाजी का जिम्मा अर्शदीप सिंह, आवेश खान और मुकेश कुमार पर होगा। स्पिन का दारोमदार कुलदीप यादव संभालेंगे जबकि दूसरे विकल्प का चयन अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई और वॉशिंगटन सुंदर में से होगा।भारत में वनडे विश्व कप में अपने प्रदर्शन से सभी को चौंकाने वाली अफगानिस्तान टीम के हौसले बुलंद है और यह प्रारूप उन्हें रास भी आता है। राशिद की गैर मौजूदगी के बावजूद टीम के पास मुजीब जदरान, नवीनुल हक और फजलहक फारूकी जैसे शानदार खिलाड़ी भी हैं।

टीमें : भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार। **अफगानिस्तान :** इब्राहिम जदरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इकराम अलीखिल, हजरतुल्लाह जजाइ, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जदरान, मोहम्मद नबी, करीम जन्नत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीबुर रहमान, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद, नवीनुल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदन नायब , राशिद खान। (**मैच का समय : शाम सात बजे से**)

कुलदीप ने मौके को भुनाया, चहल को करना होगा इंतजार : इमरान

गकबेरहा। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्पिनर इमरान ताहिर का मानना है कि युजवेंद्र चहल अभी भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कलाई के स्पिनरों में से है लेकिन कुलदीप यादव के शानदार फॉर्म के चलते उन्हें अपनी बारी आने का इंतजार करना होगा। ताहिर का मानना है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप मौको को भुनाने मे कामयाब रहे है। चहल को पिछले साल भारत मे हुए वनडे विश्व कप के लिए टीम मे जगह नही मिली और अमेरिका तथा वेस्टइंडीज मे जून मे होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भी उनका चयन मुश्किल है। ताहिर ने पीटीआई से बातचीत मे कहा , मुझे नही लगता कि युजी को खराब फॉर्म के कारण बाहर किया गया है। वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा था लेकिन कुलदीप जबर्दस्त फॉर्म मे है और उसने रविंद्र जडेजा के साथ गेंदबाजी मे अच्छा तालमेल बना लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे करीब 300 विकेट ले चुके ताहिर ने कहा , मेरा मानना है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनरों मे से है और उसे अपनी बारी का इंतजार करना होगा। उसके प्रदर्शन के कारण नही बल्कि दूसरे खिलाड़ी के शानदार फॉर्म के कारण। मुझे इसमे कोई शक नही कि वह वापसी करेगा। ताहिर का मानना है कि अगर उन्हें दुनिया के दो शीर्ष कलाई के स्पिनरों को चुनना होगा तो वह कुलदीप और दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी को चुनेंगे। उन्होंने कहा , कुलदीप ने पिछले साल और उससे पहले भी जो उपलब्धियां हासिल की है, मै बतौर स्पिनर उसकी तारीफ करता हूं। मै कुलदीप और शम्सी को चुनूंगा। दक्षिण अफ्रीका टी20 के दूसरे सत्र मे जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले ताहिर ने कहा , हम जीतना चाहते है। यही वजह है कि हम यहां जल्दी आ गए और कड़ा अभ्यास कर रहे है। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कई सत्र खेल चुके ताहिर का मानना है कि जेएसके के सदस्यो को यह बताना उनकी जिम्मेदारी है कि खिलाड़ियों के लिए सुपर किंग्स परिवार क्या मायने रखता है।

सात्विक-चिराग अगले दौर में, प्रणय पहले दौर में हारे

कुआलालंपुर। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल टीम ने बुधवार को यहां मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में नए सत्र की शुरूआत जीत से करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया जबकि एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय पहले दौर में हार गए। सात्विक और चिराग की दूसरे नंबर की युगल जोड़ी ने इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहिबुल फिकरी ओर मौलाना बगास की जोड़ी को 44 मिनट में 21-18, 21-19 से पराजित किया। दुनिया की नौवें नंबर की जोड़ी ने पिछले साल भारतीय जोड़ी को थाईलैंड ओपन और चाइना ओपन में दो बार पराजित किया था। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज प्रणय को अपने एक रैंकिंग स्थान नीचे काबिज खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से 43 मिनट में 14-21, 11-21 से हार मिली। पिछले चरण में इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे सात्विक और चिराग की जोड़ी अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर ड्रा में आगे तक पहुंचना चाहेगी। सात्विक और चिराग की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी पिछले साल शानदार फॉर्म में थी जिसमें उन्होंने हांगझोउ एशियाड, इंडोनेशिया में सुपर 1000 खिताब, कोरिया ओपन सुपर 500 खिताब और स्विस ओपन सुपर 300 खिताब जीता था जिससे उन्होंने थोड़े समय के लिए करियर की सर्वश्रेष्ठ नंबर एक रैंकिंग भी हासिल की थी। इस भारतीय जोड़ी ने ताकतवर स्मैश से पहले गेम में दबदबा बनाते हुए 8-4 से बढ़त हासिल की और फिर इसे अपने नाम करने तक पिछड़े नहीं। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ज्यादातर समय पिछड़ती रही लेकिन एक बार 19-19 की बराबरी के बाद उन्होंने अंत के दो अंक अपने खाते में डालकर जीत हासिल की। प्रणय का भी पिछला सत्र शानदार रहा था जिसमें उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप और एशियाड में कांस्य पदक जीतने के अलावा मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 खिताब भी जीता था। लेकिन सत्र के शुरूआती मैच में वह अपने प्रतिद्वंद्वी की तेजी के साथ बराबरी नहीं कर सके।

बारिश की भेंट चढ़ा फाइनल

जोहानिसबर्ग। भारत और दक्षिण अफ्रीका के लिए बुधवार को यहां होने वाला त्रिकोणीय अंडर-19 एकदिवसीय टूर्नामेंट का फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया जिससे दोनों टीम को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। मैच अधिकारियों ने निर्धारित कट ऑफ मय तक इंतजार किया और कम से कम 20 ओवर के मुकाबले की संभावना को नहीं देखते हुए मैच रद्द कर दिया। अ ा ` ल ड एडवर्डियन्स क्रिकेट ग्राउंड क्लब पर एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी।मैच के लिए कोई रिजर्व दिन नहीं होने के कारण दोनों टीम को संयुक्त विजेता घोषित किया गया।पांच बार के चैंपियन भारत की नजरें अब 19 जनवरी से शुरू हो रहे अंडर-19 विश्व कप पर हैं।भारतीय टीम शनिवार को प्रिटोरिया में अंडर-19 विश्व कप के अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

अब तदर्थ समिति के गठन को कोर्ट में चुनौती देगा डब्ल्यूएफआई

प्रयागराज। निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने देश में कुश्ती के संचालन के लिए खेल मंत्रालय द्वारा तदर्थ समिति गठित करने पर बुधवार को यहां कहा कि डल्यूएफआई इस फैसले के खिलाफ अदालत जाएगा।यहां एक अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान संजय सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, खेल मंत्रालय ने हमारी गतिविधियों को निलंबित किया है और एक तदर्थ समिति बनाई है। हम एक स्वायत्त निकाय हैं और नियमों के अनुसार वो (खेल मंत्रालय) ना तो हमारी गतिविधियां रोक सकते हैं और ना ही हमें काम करने से रोक सकते हैं। वे भारतीय कुश्ती महासंघ की सहमति के बगैर तदर्थ समिति नहीं बना सकते। डब्ल्यूएफआई में अध्यक्ष पद को लेकर चले विवादों पर उन्होंने कहा, कुश्ती को 11 महीने से ग्रहण लगा है। एक साल बीत गया ना कोई राष्ट्रीय प्रतियोगिता हुई और ना ही कोई शिविर लगा। जूनियर बच्चे हतोत्साहित हैं। दूसरे पक्ष ने कुश्ती को बर्बाद करने के लिए क्या नहीं किया। संजय ने कहा कि 2012 से पहले की पदक तालिका उठाकर देख लें और 2012 से अभी तक की पदक तालिका देख लें तो समझ में आ जाएगा कि कुश्ती का विकास किसने किया और आरोप लगाया कि केवल कुश्ती महासंघ पर कब्जा करने के लिए यह षड्यंत्र रचा गया।उन्होंने कहा, अगर वो लोग कुश्ती का इतना ही भला चाहते हैं तो यह जरूरी नहीं है कि अध्यक्ष बनकर ही कुश्ती का भला करेंगे। वे बच्चों का मार्गदर्शन करके और उन्हें प्रोत्साहित करके कुश्ती का भला कर सकते हैं। संजय ने कहा कि हमारा लक्ष्य ओलंपिक के लिए पहलवान तैयार करना होगा जिससे पदक मिलें।उन्होंने कहा, मैं जूनियर पहलवानों के लिए पूरी ताकत लगाऊंगा लेकिन बिना ट्रायल के पहलवानों को जाने (मैच खेलने) नहीं दूंगा। उसके लिए चाहे मुझे कोई भी कुर्बानी देनी पड़े। ट्रायल नहीं देने के लिए ही यह सारा षड्यंत्र रचा गया था।

अवनि प्रशांत ने दिन का सर्वश्रेष्ठ कार्ड खेला, दूसरे स्थान पर पहुंची

मेलबर्न।भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने फ्रंट नाइन और बैक नाइन दोनों में बर्डी की हैट्रिक लगाई जिससे वह दिन का सर्वश्रेष्ठ पांच अंडर का कार्ड खेलने में सफल रही और इसकी बदौलत वह आस्ट्रेलियन मास्टर्स ऑफ एमेच्योर्स के दूसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। अवनि (71-68) ने सात बर्डी लगाई लेकिन दो बोगी कर बैठीं जिससे दो दौर में उनका कुल स्कोर सात अंडर 36 का है। वह लीडरबोर्ड में शीर्ष पर काबिज जापान की निका इटो (68-70) से महज एक स्ट्रोक पीछे हैं। विश्व एमेच्योर रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज अवनि ने तीसरे, चौथे और पांचवें होल में बर्डी करने के बाद 10वें, 11वें और 12वें होल में बर्डी की। उन्होंने 17वें होल में एक और बर्डी से पांच अंडर का कार्ड खेला।भारत की हीना कांग 69वें स्थान पर हैं।

द्रविड़ का टी20 श्रृंखला के लिए इशान, श्रेयस का चयन नहीं होने में अनुशासनहीनता की भूमिका से इनकार

भाषा। मोहाली

अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारत की टी20 टीम में इशान किशन का चयन नहीं होने में अनुशासनहीनता की भूमिका से इनकार करते हुए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बुधवार को कहा कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज चयन के लिए खुद को उपलब्ध करने पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करेगा। इशान भारत की ओर से पिछला मैच 28 नवंबर 2023 को गुवाहाटी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय के रूप में खेले थे। द्रविड़ ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस के दौरान संवाददाताओं से कहा, ऐसा बिलकुल नहीं है। इशान किशन चयन के लिए उपलब्ध नहीं था। इशान ने दक्षिण अफ्रीका में ब्रेक की मांग की थी जिस पर हम राजी हो गए और समर्थन किया। पिछले साल अक्टूबर और इस साल जनवरी के बीच सिर्फ दो एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलकर शायद इशान को लग रहा है कि उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है क्योंकि भारत ने इस दौरान 14 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में लोकेश राहुल को विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में उन पर प्राथमिकता दी गई जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखला के दौरान प्रबंधन ने चौथे मैच से जितेश शर्मा को मौका देने का फैसला किया।द्रविड़ ने हालांकि इशान के भारत की योजनाओं से बाहर होने से इनकार कर दिया।मुख्य कोच ने कहा, उसने चयन के लिए स्वयं को अनुपलब्ध रखा था। मुझे यकीन है कि जब वह उपलब्ध होगा (चयन के लिए), वह घरेलू क्रिकेट खेलेगा (और वापसी करेगा)। मामला यही है।झारखंड के इशान को हालांकि अगर भारतीय टीम में वापसी करनी है तो शानदार प्रदर्शन करना होगा। जून में विश्व कप से पहले भारत को इस श्रृंखला के अलावा और कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेलने और किशन को चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का मौका आईपीएल 2024 के दौरान मिलेगा।इशान को हालांकि वहां भी राहुल की चुनौती से निपटना होगा क्योंकि उन्होंने लखनऊ सुपरजाइंट्स के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में मध्यक्रम में खेलने की इच्छा जताई है। इसी तरह अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए श्रेयस अय्यर का चयन नहीं होने पर भी अनुशासनहीनता की चर्चा हो रही है लेकिन द्रविड़ ने इन अफवाहों का खंडन किया। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ ने कहा, श्रेयस अय्यर के मामले का किसी भी अनुशासनात्मक मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है। बात बस इतनी है कि वह चूक गए (टीम में जगह बनाने से)। टीम में बहुत सारे बल्लेबाज हैं। वह दक्षिण अफ्रीका में भी टी20 में नहीं खेले थे। द्रविड़ ने कहा कि सभी खिलाड़ियों को टीम या एकादश में शामिल करना कठिन था।द्रविड़ ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि वह एक अच्छा खिलाड़ी है लेकिन बहुत सारे बल्लेबाज हैं और हर किसी को टीम या एकादश में फिट करना आसान नहीं है। कम से कम चयनकर्ताओं के साथ मेरी चर्चा के दौरान अनुशासन के किसी मुद्दे पर बात नहीं हुई। हालांकि श्रेयस शुक्रवार से आंध्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में मुंबई के लिए खेलेंगे और पीटीआई का मानना है कि दाएं हाथ का यह बल्लेबाज इस महीने के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होगा।

बलात्कार का दोषी ठहराए जाने के बाद लामिचाने को आठ साल जेल की सजा

काठमांडो। नेपाल के स्पिनर संदीप लामिचाने को काठमांडो की एक अदालत ने बलात्कार का दोषी ठहराते हुए आठ साल जेल की सजा सुनाई।काठमांडो पोस्ट के अनुसार काठमांडो जिला अदालत ने 18 वर्षीय महिला से दुष्कर्म का दोषी साबित होने के बाद बुधवार को फैसले की घोषणा की। एकल न्यायाधीश पीठ ने 23 वर्षीय लामिचाने पर तीन लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया और साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। लामिचाने के वकील सरोज घिमिरे के हवाले से कहा गया कि वह इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेंगे। काठमांडो पुलिस ने पिछले साल सितंबर में लामिचाने की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया गया था। इसके बाद नेपाल क्रिकेट संघ ने उन्हें टीम के कप्तान के तौर पर निलंबित कर दिया था। वह हालांकि कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में जमैका तलावाह के लिए खेल रहे थे। लामिचाने ने अपनी गिरफ्तारी से पहले खुद को निर्दोष बताया था और सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर लिखा था कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने इसे साजिश भी करार दिया था। पिछले साल फरवरी में क्रिकेट विश्व कप लीग दो त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान नेपाल टीम में खेलने के लिए उनके नाम पर विचार किया गया था। लेकिन पिछले साल के अंत में दुबई में विश्व कप लीग दो त्रिकोणीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था। वह चोटिल खिलाड़ी की जगह फिर से टीम में शामिल हुए। लामिचाने ने पिछले साल जून-जुलाई में नेपाल के लिए जिम्बाब्वे में वनडे विश्व कप क्वालीफायर खेला और फिर अगस्त-सितंबर में एशिया कप में भी खेले।

जोकोविच और स्वियातेक को आस्ट्रेलियाई ओपन में शीर्ष वरीयता

मेलबर्न। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज नोवाक जोकोविच और इगा स्वियातेक को अपेक्षा के अनुरूप साल के पहले ग्रैंड स्लैम आस्ट्रेलियाई ओपन मे शीर्ष वरीयता दी गई है। टूर्नामेंट रविवार से यहां खेला जाएगा। टूर्नामेंट में महिला और पुरुष वर्ग में वरीयता पाने वाले शीर्ष दस खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है।

पुरुष :नोवाक जोकोविच, कार्लोस अलकराज. दानिल मेदवेदेव, यानिक सिनेर, आंद्रेइ रूबलेव, अलेक्जेंडर ज्वेरेव, स्टेफानोस सिटसिपास, होल्गर रूने हुबर्ट हुरकाज ,एलेक्स डि मिनौर

महिला : इगा स्वियातेक,. एरिना सबालेंका , एलेना रिबाकिना , कोको गॉ, जेसिका पेगुला ,ओंस जबाउर. मरकेटा वोंड्रोसोवा, मारिया सक्कारी , बारबोरा क्रेडसिकोवा, बीट्रिज हदाद माइया

जेसिका एडीलेड इंटरनेशनल के क्वार्टर फाइनल में

एडीलेड।दूसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने अमेरिका की ही बर्नार्डा पेरा को 4 - 6, 6 - 2, 6 - 3 से हराकर एडीलेड इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पेरा को क्वालीफाइंग टूर्नामेंट की लकी लूजर के तौर पर मुख्य ड्रॉ मे जगह मिली थी। उन्होंने पहले दौर में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी पाउला बाडोसा को हराया था। अब उनका सामना अनास्तासिया पी से होगा जिसने क्वालीफायर कैटरीना सिनियाकोवा को 2 - 6, 6-3, 6-2 से मात दी।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, हरमनप्रीत कप्तान

नई दिल्ली।थ हॉकी इंडिया ने 22 जनवरी से दक्षिण अफ्रीका मे होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट के लिए भारत की 26 सदस्ईय टीम का ऐलान किया है जिसमें जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों को भी मौका मिला है। पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे इस टूर्नामेंट मे तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत का सामना फ्रांस, नीदरलैंड और मेजबान दक्षिण अफ्रीका से होगा। टीम की कमान हरमनप्रीत सिंह के हाथ में ही होगी जबकि एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले हार्दिक सिंह उपकप्तान होंगे। जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा अराइजीत सिंह हुंडल और बॉबी सिंह धामी पहली बार सीनियर स्तर पर खेलेंगे। गोलकीपिंग में पवन को कृशन पाठक और पी आर श्रीजेश के साथ मौका दिया गया है। पिछले टूर्नामेंट से ब्रेक पर रहे अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह की भी वापसी हुई है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने इस दौरे के बारे में कहा , ओलंपिक सत्र की शुरूआत दक्षिण अफ्रीका दौरे से करने को लेकर हम काफी उत्साहित है जहां हमें बेहतरीन टीमों से खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा , हमने बड़ी टीम चुनी है ताकि सभी खिलाड़ियों को मौका मिल सके और एफआईएच प्रो लीग से पहले मै सभी को मैच हालात में खेलते देख सकूं। दो जूनियर खिलाड़ी भी चुने गए है जिन पर नजरें रहेंगी। भारतीय टीम 22 और 24 जनवरी को फ्रांस से (दोपहर 2.30 से), 26 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका से (रात 9. 30 से) और 28 जनवरी को नीदरलैंड से (दोपहर दो बजे से) खेलेगी।

भारतीय टीम : गोलकीपर : पी आर श्रीजेश, कृशन पाठक और पवन

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), वरुण कुमार, सुमित, संजय, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम

मिडफील्डर : विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, विष्णुकांत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, ललित उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, बॉबी सिंह धामी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।